



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ११] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च १३, १९७६ (फाल्गुण २३, १८९७)

No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 13, 1976 (PHALGUNA 23, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १ PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमण्डल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-१, दिनांक १६ फरवरी १९७६

सं० ए०-१९०३६/१५/७५—प्रशा०-५-निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, गुजरात राज्य पुलिम के प्रतिनियुक्त निरीक्षक श्री एस० के० मेहता को दिनांक २-२-७६ के पूर्वाह्नि में अगंतं ग्रादेण तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक १७ फरवरी १९७६

सं० १/५/२/७३—प्रशा०-१—केन्द्रीय मिविल सेवाए (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) जियमावली, १९६५ के नियम ९ (२) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा, तमिलनाडु राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्त निम्नलिखित अधिकारी को दिनांक २३-२-१९७४ में विशेष पुलिस स्थापना, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थायी समाहृति पर मूल रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्र० म० अधिकारी का नाम

पद-स्थापन का वर्तमान राज्य जिसकी प्रतिनियुक्ति पर है

स्थान

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की

शाखा जिसमें पुलिस उप-अधीक्षक के स्थायी पद पर पुनर्ग्रहण-शिक्षार रखा गया।

1. श्री पी० वी० नारायणास्वामी

कोचीन

तमिलनाडु

कोचीन

केन्द्रीय सर्तकता आयोग

नई दिल्ली, दिनाक 1976

म० 2/10/76—प्रणा०—केन्द्रीय सर्तकता आयुक्त एतद्वारा श्री बी० के० भटनागर केन्द्रीय सर्तकता आयोग के एक स्थाई ग्रहायां दो २५ वर्षी १९७६ में प्रगते आरेण ॥। आयाग में ग्रन्तापन्न रूप में ग्रन्तभाग अविकर्ता नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास, अवर मन्त्रिव
कृते केन्द्रीय सर्तकता आयुक्त

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक मार्च 1976

म० 18/4/74-ए० II—मुद्रण निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को २३-६-७५ के पूर्वान्त्र से सदायक प्रबंधक (प्रणासन) के पद पर मूल पर हैसियत में नियुक्त करते हैं—

श्रम सं० अधिकारी का नाम

- सर्वेश्वी
- (१) एम० बी० एल० श्रीवास्तव
- (२) आर० सी० मिश्डे
- (३) कालिदास मेन

राजकुमार चिब,
उप-निदेशक (प्रणासन)

कार्यालय, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनाक 15 दिसम्बर 1975

स० एडमन० १/० ०-७४४/५-५/प्रमोशन/३२४५—अन्य आदेश होने तक महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एन० सी० नन्दी को ११-१२-७५ (अपग्रह) में रु ८४०-१२०० के समय वेन्टनमान में लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने को महर्प नियुक्त किया है।

एच० एम० दुग्धल,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रणासन)

श्रम मतालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

जगजीवन नगर, दिनाक 10 फरवरी 1976

स० प्रणा०-१२(२) ७४—निर्वतन आयु प्राप्ति के फलस्वरूप केन्द्रीय चिकित्सालय (टी० बी० विग), धनबाद के चिकित्सा अधीक्षक के मन्त्रिव, श्री शिव शंकर, जो द्विनीय थेणी अधिकारी है, कोयला खान कल्याण संस्था की सेवा से १ दिसम्बर १९७५ के पूर्वान्त से निवृत्त हो गए।

दिनाक 13 फरवरी 1976

स० प्रणा०-१२(१५) ७१—केन्द्रीय चिकित्सालय, कल्ला, आसनसोल के चिकित्सा अधीक्षक के स्थानापन्न मन्त्रिव श्री आर० पी० भगत को कनिष्ठ विष्लेषक, कार्य अध्ययन यूनिट, कोयला खान कल्याण संस्था के पद पर तारीख २२-१-७६ (पूर्वान्त) से तदर्थे आधार पर नियुक्त किया गया है।

आर० पी० सिन्हा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त

श्रम व्यूरो

ग्रन्ता-171004 दिनाक 13 मार्च 1976

न० 23/3/76—मी० पी० आई०—जनवरी, १९७६ में श्रीयोगिस श्रमिकों ना अखिल भारतीय उपभोक्ता मण्डलकां (आधार १९६०/१००) दिसम्बर, १९७५ के गत गे आठ अक्ष घट कर २९८ (दो सौ अठानवे) रहा। जनवरी, १९७६ माह का सूचकांक १९४९ आधार वर्ष पर परिवर्तित किए जाने पर ३६२ (तीन सौ बासठ) ग्राता है।

श्रानन्द रवरूप भारद्वाज
संयुक्त निदेशक

वाणिज्य मतालय

मुख्य नियतक, आयात-निर्यात का कार्यालय

अयात तथा निर्यात व्यापार नियवण

नई दिल्ली, दिनाक 11 फरवरी 1976

(स्थापना)

म० 6/326/५६-प्रणा० (गज०-I)—राष्ट्रपति मूल नियमावली के नियम ५६ के अनुच्छेद (जे) के अन्तर्गत केन्द्रीय मतालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी एवं इस कार्यालय में नियतक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय मतालय मेवा), श्री बी० एन० दास घोष को १३-१२-७५ के (पूर्वान्त) से सरकारी सेवा में निवृत्त होने की स्वीकृति देते हैं।

पी० क० कौल

मुख्य नियतक अयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

वार्षिक-२०, दिनाक 13 फरवरी 1976

म० सी० एल० बी०-१/१/६ जी०/७६—सूती वस्त्र (नियवण) आदेश, १९४८ के खड ३४ में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना स० सी० एल० बी० १/१/६-जी०/७१ दिनाक 13 जनवरी, १९७२ में निम्नलिखित संशोधन करता हू अर्थात् —

उक्त अधिसूचना से सलग सारणी में क्र० स० १९ के सामने, स्तंभ स० २ की मद (१) में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्—

२

३

४

(१) निदेशक, हाथ-करघा पश्चिम बंगाल	१२(६), १२(६ ए०) और वस्त्र	१२ (७ ए०), १२ (७ ए० ए०) १२ सी० और १२ ई०"
-----------------------------------	------------------------------	--

म० १८ (१)/७३-७५-मी० एल० बी०-II—वस्त्र (शक्ति चलित करथों द्वारा उत्पादन) नियवण आदेश, १९५६ के खड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना स० १५

(2)/67—सी० एल० बी० II/बी०, दिनांक 13 जनवरी 1972
मेरे निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में, क्रम स० 19 के सामने संख्या 2 मेरे विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“निदेशक, हाथ करधा और वस्त्र, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता”

अनिल कुमार चंद्रा,
संयुक्त वस्त्र आयुषन

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

स० प्र० १/१(424)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली मेरे स्थायी उप निदेशक (बिश्वी कर) श्री राजेश्वर किशोर दिनांक 31-1-1976 के ग्रन्थालय मेरे निवारते आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा मेरे निवृत्त हो गए।

दिनांक 13 फरवरी 1976

स० प्र० १/१(507)—स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी (प्रगति) और पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता के कार्यालय मेरे स्थानापन भूवायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री स्टीफन मुखर्जी दिनांक 31 जनवरी, 1976 के ग्रन्थालय मेरे निवारते आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा मेरे निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली,
उप निदेशक (प्रशा०)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन शाखा-6)

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी, 1976

स० ए० 17011/96/76—प्र०-६—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा उत्तरी निरीक्षण मंडल मेरे भंडार परिषक (वस्त्र) श्री जै० एल० मोहाता को दिनांक 27-1-76 के पूर्वाल्ल से आगामी आदेशो के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय मेरे सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के पद पर स्थानापन रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

कलकत्ता-13, दिनांक 31 जनवरी, 1976

स० ३१/६२/१९८०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महागठ प्रशासनि अधिकारी श्री एश० धार० शुभा को प्रशासनि अधिकारी के रूप मेरे उप विभाग मेरे वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान मेरे अस्थाई क्षमता मेरे आगामी आदेश होने तक, ८ जनवरी 1976 के पूर्वाल्ल से नियुक्त किया जाता है।

-४०-१२०० रु० के वेतनमान मेरे अस्थाई क्षमता मेरे आगामी आदेश होने तक १२-१२-१९७५ के पूर्वाल्ल से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 2 फरवरी, 1976

स० २२२२(एम० के०)/१९ ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री मुकुल किशोर को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मेरे उप विभाग मेरे वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान मेरे अस्थाई क्षमता मेरे आगामी आदेश होने तक, १६ दिसंबर, १९७५ के पूर्वाल्ल से नियुक्त किया जाता है।

स० ५१/६२/१९ मी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के नियुक्त अधिकारियों को प्रशासनिक अधिकारी (राजपत्रित क्लास-II) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मेरे प्रत्येक के सामने दर्शायित गई तिथि से स्थाई किया जाता है :—

क्र० स०	नाम	स्थाई किए जाने की तिथि
1.	श्री कीमत राय	१-९-७४
2.	श्री एस० य० वासुदेव	१-११-७४
3.	श्री प्रस० के० घाय	३-१-७५
4.	श्री पी० आर० रत्नस्वामी	१४-२-७५
5.	श्री पी० पी० नायर	१४-२-७५
6.	श्री आई० बी० ब्रह्मवर्णी	१४-२-७५

दिनांक 9 फरवरी, 1976

स० २२२२(बी० के० के०)-१९ ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) श्री विजय कुमार कोल्लापुरी, को उप विभाग मेरे सहायक भूवैज्ञानिक के रूप मेरे वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान मेरे अस्थाई क्षमता मेरे आगामी आदेश होने तक, ८ जनवरी 1976 के पूर्वाल्ल से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन;
महानिदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 फरवरी, 1976

स० का०-११-१७/७५-प०-१—श्री कर्बीर कौमर, महागठ पुरानेखाधिकारी (पदश्रम १) (प्राच्य अभिलेख) को दिनांक 2 फरवरी, 1976 से आगामी आदेश तक तदर्थ आधार पर पुरानेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) नियुक्त किया जाता है। [श्री आर० आर० अग्रवाल, पुरानेखाधिकारी (प्राच्य अभिलेख) जो ग्रवकाश पर हैं के स्थान पर] यह तदर्थ नियुक्ति उन्हें नियमित नियुक्ति के लिए कोई अधिकार नहीं प्रदान करती और वरिष्ठता के प्रयोजन

तथा अगले ऊंचे पदक्रम (प्रेड) में पदोन्नत होने की पात्रता के लिए नहीं गिरी जाएगी।

श्रीनन्दन प्रसाद
अभिलेख-निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक फरवरी 1976

सं० 11/19/76—एस०—तीन—मौलिक नियमावली के नियम 56 के खण्ड (आ) (i) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए श्री आर० एस० मनसुखानी, महायक इंजीनियर को 20-12-75 से अनिवार्य रूप से रोबा-निवृत्त किया जाता है।

सं० 11/19/76—एस०—तीन—मौलिक नियमावली के नियम 56 के खण्ड (आ) (i) द्वारा प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए श्री गुलाम मोहिउद्दीन, सहायक इंजीनियर को 19-12-75 से अनिवार्य रूप से सेवा-निवृत्त किया जाता है।

हरजीत सिंह
प्रशासन उप निदेशक
कूटे महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 12 फरवरी 1976

सं० 4/46/75—एस०—एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० एस० श्रीराम को 2 फरवरी, 1976 में अप्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, विज्ञवाढ़ा में अस्थाई आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उप निदेशक
कूटे महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1976

सं० एफ० 20/1(26)/75—सी० जी० एच० एस० (बो-1)—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) इन्दु आर्य को 17 नवम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में होम्योपथिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

के० वेणुगोपाल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

सं० 15-5/75-एडमिन०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिरीक्षक ने श्री ए० वेदाचलम् को 10 दिसम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक मानसिक रोग ग्रस्पताल, रांची, में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 17 फरवरी 1976

सं० 17-35/74-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने कुमारी एन० मनी राव को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग

शिक्षा व्यूरो मे उप सहायक महानिदेशक (राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम) के स्थायी पद पर 4 जून, 1971 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

फरीदाबाद, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० 7-84/61-प्रशासन-1—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) नियम 1965 तथा केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा) संशोधन नियम, 1971 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसरण में, मैं एतद्वारा वनस्पति रक्षण संग्रही तथा संचयन निदेशालय के अधीनस्थ टिहीं चेतावनी रांगठन कार्यालय जोधपुर के अस्थायी कनिष्ठ तकनीकी सहायक श्री बी० कु० जैत को नोटिस देता हूँ कि उनकी सेवाएं इस नोटिस की देने की अवधि की समाप्ति से जैसा भी हो मामला, समाप्त समझी जाएंगी।

ए० लक्ष्मण्या

मुख्य प्रशासन अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085 दिनांक 22 जनवरी 1976

सं० पी० ए०/76 (15)/75-आर० 4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक यहां के एक स्थाई अवर थ्रेणी लिपिक और एक अस्थाई महायक श्री केदारनाथ लक्ष्मण कोटेकर को 22 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से 12 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/76 (15)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक यहां के एक स्थाई उच्च थ्रेणी लिपिक और अस्थाई सहायक श्री कान्चूपदारथू मथाई जान को 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से 11 नवम्बर 1975 के अपराह्न तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उमीदवाला

उप स्थानापन्न अधिकारी (भा)

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 3 फरवरी 1976

सं० पी० ए० ई० ई०/3(235)/76-प्रशासन-1513—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, इस प्रभाग के स्थायित्व उच्च थ्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न प्रवरण कोटि लिपिक श्री एन० टी० वराहाणी को 4 अक्टूबर 1975 के अपराह्न से आगामी आदेश तक के लिए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपये के संशोधित वेतनमान मे उसी प्रभाग मे अस्थायी रूप से तदर्थ ग्राम्यार पर महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एन० जी० पेश्लेकर

प्रशासन-अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1976

स० ए०-३२०१३/११/७५-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 16-१-१९७५ की अधिसूचना स० ए०-३२०१३/९/७३-ई० सी० के क्रम मेरा प्रतिक्रिया ने निम्नलिखित बिषय को अधिकारियों की नागर विमानन विभाग मे तदथ पदोन्नति की अधिकारी ३० अप्रैल १९७६ तक अधिकारी इन पदों के नियुक्त आधार पर भरे जाने तक इन मे से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

१ श्री ग्राह० एग० अजमारी, वरिष्ठ तनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार रेटेशन, बम्बई।

२ श्री एच० नी० सुदर्शन, वरिष्ठ तनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार रेटेशन, बम्बई।

३ श्री सुरेण चन्द्र, वरिष्ठ तनीकी अधिकारी, रेटिया निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

दिनांक 6 फरवरी 1976

स० ए० ३२०१३/१७/७५-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री के० अर्जेया, महायक सचार निदेशक, नागर विमानन विभाग को दिनांक ३१-१-७६ (अप्राह्ण से तथा अगले आदेश होने तक तदथ आधार पर उप निदेशक सचार के पद पर नियुक्त किया है तथा उसी कार्यालय मे तैनात किया है।

हरक्रम लाल कोहर्ला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक, 12 फरवरी 1976

स० ए० ३२०१४/११/७५-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन एवं द्राघी विभाग अभियान फारमैन श्री के० पी० घोष दस्तीदार को ३१ जनवरी, १९७६ से तथा अगले आदेश होने तक, रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१० द० रु० ३५-८८०-४०-१००० द० रु० ४०-१२०० के बेतनमान मे सहायक अभियान अधिकारी, श्रेणी II, राजपत्रित पद पर स्थानापन्न रूप मे पदोन्नत भरते है। श्री दस्तीदार को मिलिल विमान धैत्र, गोहाटी मे तैनात किया जाता है।

चित्तरजन कुमार वत्स
महायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहार्ता कार्यालय, इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1976

स० ८/१९७६—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय, इलाहाबाद मे कार्यालय अधीक्षक के पद पर तैनात श्री जे० एन० भट्टाचार्य ने, जिनको अगला आदेश होने तक के लिए, इस कार्यालय के पट्टावन संख्या दो (३) ३०-स्था०/७५, दिनांक २-१-१९७६ के अतर्गत जारी किए गए अधिकारी प्रादेश सभा २/१९७६, १५वा १ जनवरी १९७६ के द्वारा ग्राहनात प्राप्त अधिकारी नियुक्त किया गया था, दिनांक १५-१-१९७६ को दोषहर के बाद श्री ए०

एन० एन० भट्टाचार्य, अधीक्षक, वेन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' को उनके अतिरिक्त कार्यभार मे शुक्र के तक दृष्टि समेवित मण्डल विधायिय, रामपुर मे प्रशासन अधिकारी, वेन्द्रीय उत्पादन शुल्क रामपुर के वार्षलय वा कार्यभार ग्रहण भर लिया।

स० ९/१९७६—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेवित मण्डल विधायिय, सीतापुर मे तैनात तथा इस कार्यालय के पट्टावन सम्मुख दो (३) २-स्था०/१९७५ दिनांक ९-१२-१९७५ के अतर्गत जारी किए गए स्थापना आदेश संख्या ३४/१९७५, दिनांक ९-१२-१९७५ के अनुगामी आगामी आदेश होने तक रु० ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रु० ३५-८८०-४०-१०००-द० रु० ४०-१२०० के बेतनमान मे स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो (अब वर्ग 'ख') के पद पर नियुक्त श्री सैयद जफर अली, स्थायी निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने सीमाशुल्क संघटन गोरखपुर के अतर्गत सीमाशुल्क संकाल, बाराणसी मे श्री य० एस० अय्यवाता, अधीक्षक (प्रिवेन्टिव) बाराणसी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' को उनके अतिरिक्त वार्षभार मे शुक्र वर्ग दो (अब वर्ग 'ख') के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण भर लिया।

एच० श्री० दास,
समाहार्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बड़ौदा

बड़ौदा, दिनांक ३१ जनवरी 1976

स० २/७६—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निरीक्षक श्री आर० के० जुवल जिनको दूसरे कार्यालय के स्थापना आदेश संख्या ३२०/७५ दिनांक २५-११-१९७५ के अधीन, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग-II के स्पष्ट मे नियुक्त किया गया था, दिनांक १५-१-१९७५ की पूर्वाह्न मे, आनन्द मण्डल के अवलोक रेज-१ म, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, वर्ग-II का वार्षभार सभाल लिया है।

(ह०) अपठनीय
हस्ते समाहार्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क,
बड़ौदा

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक नियमित विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी 1976

स० १४/२३/७६-ई० सी०—राष्ट्रपति मूल नियमो के नियम ३० और ११३ के अनुमार नियन्त्रित अधिकारियों को उनकी अनुपस्थिति मे केन्द्रीय लोक नियमित विभाग मे अधीक्षक इंजीनियर (विषया) १५२१२ ज्ञान पार्सी हू० तारीगो मे अगले आदेश भागी होने तक या उनके प्रतिनियुक्ति मे वापस आने तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न पदाधिक भर रहे है।

सर्व श्री

१. जे० पी० सिगल	१-७-७४
२. ए० ओमेन्दु	९-९-७४ से २२-१-७५
पी० एस० परवानी प्रशासन उपनिदेशक-१	

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० क-१२०१७/५/७६-प्रशासन-५—आध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री ए० के० पालित, अनुसंधान सहायक (रसायन विज्ञान) को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक रसायन वर्ग) के गठ में ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो० ४०-१२०० रुपये के वर्तमान में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ रूप में उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन महीने के लिए अथवा श्री बी० के० सहगल के पुनः सहायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन विज्ञान) के पद पर पदावनित होने तक जो भी पहले हो—नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 फरवरी 1976

सं० क-१९०१२/२७१/७१-प्रशासन ५—श्री एस० एन० चन्द्रशेखर के केन्द्रीय जल आयोग में सहायक निदेशक (नौवहन) के रूप में नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप वह आयोग में २९ जनवरी, १९७६ के पूर्वाह्न से अतिरिक्त सहायक निदेशक (नौवहन) के पद से भार-मुक्त हो गये हैं।

के० पी० बी० मनन
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

सं० ७५२ ई०/१६७(ई/ए)—उत्तर रेलवे के दर्जा ॥ के निम्नलिखित स्थानाग्रस्त सहायक कार्यालय अधिकारी, उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से अनन्तिम/अन्तिम रूप से स्थायी किए गये हैं।

क्र०	नाम	स्थायी किए जाने की तारीख	जिस विभाग
सं०		अनन्तिम/अन्तिम रूप से	में स्थायी किए गए।

श्री जे० पी० शर्मा	पहले से ही १४-१२-७२	सिविल इंजीनियरिंग
	विभाग में १९-११-७२ से स्थायी।	इंजीनियरिंग
श्री सतनाम सिंह	— १-४-७५	भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियरिंग

बी० पी० साहनी
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम १९५६ एवं सेटल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1976

सं० ३५३९/५६० (५)—कम्पनी अधिनियम, १९५६ की धारा ५६० की उपधारा (५) के अनुसार से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सेटल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्री रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० नारायणन
कम्पनीयों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, १९५६ और बीटो लेबोरेट्रीज लिमिटेड (इनलिक्वडेशन) के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 30 जनवरी 1976

सं० स्टेट०/१३२०/एल०/५६०/९१२—यतः ‘बीटो लेबोरेट्रीज लिमिटेड’ (इन लिक्वडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय, फिरोजपुर कैन्ट में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई मापक कार्य नहीं कर रहा है और यह है कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिए जाने के लिए अपेक्षित है, यह छः क्रमवर्ती मास के लिये नहीं दी गई है।

यतः अब कम्पनी अधिनियम, १९५६ की धारा ५६० की उपधारा (४) के उपबन्धों के अनुसार से एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर “बीटो लेबोरेट्रीज लिमिटेड” (इन लिक्वडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शत नहीं किया जाता है तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

प्रभु शंकर माथुर
कम्पनी पंजीकार
पंजाब, हिं० प्र० तथा चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम १९५६ और मैसर्स सुगन्ध कमल चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक 12 फरवरी 1976

सांख्यिकी/१२३४/१४५६—कम्पनी अधिनियम, १९५६ की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सुगन्ध कमल चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शत नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

रामदयाल कुरील
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कजारिया इन्जीनियरिंग
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जयपुर, दिनांक

मालिकी/1273—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा
560 की उपधारा 5 के अनुग्रह में प्रतद्वारा यह भूत्तना दी जाती
है कि कजारिया इन्जीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज
रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई
है।

राम दयाल कुरील
कम्पनियों के रजिस्ट्रार
राजस्थान, जयपुर

तारीख 31-1-1975

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नवागढ़ कोल एन्ड
मिनरल्स लिमिटेड के विषय में।

कलक्षता, दिनांक 31 जनवरी 1976

नं० 13708—महामान्य हाईकोर्ट, कलकत्ता के आदेश
दिनांक 20 मार्च 1973 के अनुसरण से नवागढ़ कोल एन्ड
मिनरल्स लिमिटेड का नाम कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा
560 की उपधारा (6) के प्रत्यर्गत आज दिन पुनः कम्पनियों
के रजिस्टर में दर्शित कर दिया गया है।

जि० एल० साधु
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पच्छम बंगाल

आय-कर अधील अधिकरण, बम्बई
बम्बई, दिनांक 15 दिसम्बर 1975

मं० प० ७१-ए० ८० (प० दी०) /७४—आयकर अधील
अधिकरण की अधिसूचना सं० ५००७१ ए० (प० दी०) /७४ दिनांक
५ मई, १९७५ को पहली पक्की में:—

“निर्म” शब्द के पूर्वे ग्रानेवाला शब्द “संशोधन” को नियाल
दीजिये: और ‘१९७५’ के स्थान पर “१९६३” पड़िये।

अधील अधिकरण के आदेश से

चन्द्र कान्त वी० देवे
रजिस्ट्रार

आय-कर अधील अधिकरण
बम्बई

भारत के राजपत्र भाग ३ खंड १, दिनांक 11 मई, 1974 के
पृष्ठ संख्या 2865 और 2903 में सर्वथ्री ईशा को०-आप०
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड ब्रारा खरीदी गई संपत्ति के बारे में
धारा 269 दी (1) के अधीन जारी 22-४-१९७४ के नोटिस
में संशोधन

अन्तरकों के नाम इस प्रकार पढ़े जाएँ:—

- (1) हेमलता हिरालाल मेहता
- (2) हिरालाल मोतीराम मेहता
- (3) अर्जित हिरालाल मेहता
- (4) बटूक हिरालाल मेहता

एम० जे० माधव

अधीलीय सहाय आय० शायुक्त,
अर्जन रोज-11, बम्बई ।

प्रस्तुप० श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत भरती

कागजिंग गवायक आयकर आगुन्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

4/14 क, आमकबली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1976

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एष्य०/१/एम० श्रार०-III/

अगस्त-१/(13)/75-76—अतः मुझे, च० वि० गुप्ते,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० एस०-523-ए है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 7-8-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. मैं० डी० एल० प॑फ० यूनाइटेड लि०, 40-एफ०
कनाट पैलेस, नई दिल्ली-1। (अन्तरक)2. श्री तिर्मा गिरा पारगर, मण्डप श्री वामनावर गिरा,
नियारी फी-5/168, मफदरजांग एन्डलैन, नई दिल्ली-16।
(ग्रन्तिर्गती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर.
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 474.6 वर्ग गज है और
नं० 523-ए, ब्लाक नं० 'एस' है, तथा जोकि निवासी कालोनी
ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली के बाहापुर गांव, दिल्ली की
यनियन टैरीटरी में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० एस०-523

पश्चिम : प्लाट नं० एस०-521

उत्तर : रोड।

दक्षिण : सर्विस लेन।

च० वि० गुप्ते,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई लली-1

तारीख : 20-2-1976

मोहर :

प्र० र० प्रा० ई० टी० ए० न० ए० स०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 20 फरवरी 1976

निदश सं० डी० एच० आर०/513/75-76—अतः मूले
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 27 बीघे 15 बिस्ते भूमि है तथा जो पूना बाल,
सब तहसील धूरी, जिला संगरूर में स्थित है (और इससे उपाबबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, धरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धार्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रतुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
2—496GI/75

1. श्री सुचा सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह निवासी गांव पूनावाल
सब तहसील धूरी जिला संगरूर।
(अन्तरक)

2. सर्वाश्री बाबू सिंह, इन्द्र सिंह, बीरेन्द्र सिंह, पुत्र गूरदयाल
सिंह,

गूरदयाल सिंह, दयाल सिंह, मुखदेव सिंह, पुत्र श्री चनन सिंह,
सभी निवासी गांव पूनावाल, सब तहसील धूरी, जिला संगरूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

27 बीघे, 15 बिस्ते भूमि जो कि गांव पूनावाल, सब तहसील
धूरी, जिला संगरूर में स्थित है। जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
948 जून, 1975 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धूरी के कार्यालय में
लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, चण्डीगढ़।

तारीख : 20-2-1976

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/जून/900 (14)/75-76—यतः मृगे एस० सी० पारीजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ई०/एस०/5, ब्लाक एल० है, जो हरी नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और उसके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थात् :—

1. श्रीमती श्रावण शर्मा, पत्नी श्री बी० एस० शर्मा, निवासी बी०/एल०/3, हरी नगर, 'एल' ब्लाक, दिल्ली-1। (अन्तरित)

2. श्री हंस राज गौसेन, सुपुत्र श्री तारा चन्द गौसेन, (2) दर्शन लाल गौसेन, सुपुत्र श्री हंस राज गौसेन तथा (3) श्री सोम नाथ गौसेन, सुपुत्र श्री हंस राज गौसेन, निवासी गांव तथा पोस्ट आफिस सोहाना माल, तहसील गोहाना, जिला सोनीपत (हरियाणा)। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 425 वर्ग गज ($45' \times 85'$) है और प्लाट नं० ई०/एल०/5 है, खसरा नं० 876 से 879 तक है और जोकि 'एल' ब्लाक, हरी नगर, दिल्ली, तेहर गांव के क्षेत्र दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० ई०/एल०/6

पश्चिम : प्लाट नं० ई०/एल०/4

उत्तर : सर्विस लेन, 15' चौड़ी ।

दक्षिण : रोड 36' चौड़ी ।

एस० सी० पारीजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-III, नई दिल्ली-1

तारीख : 13 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III,

4/14ए, आसाफाली भाग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/111/एस० आर०-III/
जून/330 (4)/75-76—अतः मुझे एस० सी० पारीजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 5/1 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मोहिनी कौर बनाम हरमिन्द्र कौर, सुपुत्री श्री एस० खजान सिंह, पस्ती श्री एस० तिलोक सिंह, निवासी 150, सुखमुवित रोड, बैकाक, (थाईलैण्ड) इनके जनरल एटारनी एस० गुरदीप सिंह के द्वारा, सुपुत्र एस० गुरबक्ष सिंह, निवासी 5/1, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मुख्येव सिंह (नावालिंग), सुपुत्र स्वर्गीय एस० सुदर्शन सिंह, निवासी 5/1, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली संरक्षक के अधिकार में श्री सुरमरित सिंह, सुपुत्र श्री गुरबक्ष सिंह ।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ढाई मंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 254.16 वर्ग गज है, और खतौनी नं० 954, खसरा नं० 1633/114 है, और जोकि 5/1 डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 2।

पश्चिम : रोड ।

उत्तर : सर्विस लेन ।

दक्षिण : रोड ।

एस० सी० पारीजा,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली,

नई दिल्ली-1

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली रोड़ नई दिल्ली,
नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्ब०/III/एस० आर०-III/
जून/331 (5)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5/1 है तथा जो डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहिन्द्र कौर बनाम हरमिन्द्र कौर, सुपुत्री एस० खजान सिंह, पत्नी एस० त्रिलोक सिंह, निवासी 150, सुखुमवित रोड़, बैंकाक (आईलैण्ड), इनके जनरल अटारनी श्री एस० गुरदीप सिंह के द्वारा, सुपुत्र एस० गुरबक्स सिंह, निवासी 5/1, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह (नाबालिंग), सुपुत्र स्वर्गीय एस० मुदर्शन सिंह, निवासी 5/1, डब्ल्यू० ई० ए० करौल बाग, नई दिल्ली संरक्षक के अधिकार में श्री एस० सुरमरित सिंह सुपुत्र एस० गुरबक्स सिंह। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाई मंजिला मकान का 1/4 अविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 254.16 वर्ग गज है और खतोनी नं० 954, खसरा नं० 1633/1147 है, और जोकि 5/1, डब्ल्यू० ई० ए०, करौल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लाट नं० 2

पश्चिम : रोड़

उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड़

एस० सी० पारीजा,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1,
4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-1
नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-III/
जून/312 (8)/75-76—अतः मुझे एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
जिसकी सं० पी०/90 ए० है तथा जो एन० ढी० एस० ई० पार्ट-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 7-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि प्रत्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फृष्टि
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना आविष्ट था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्थतः—

1. श्री एस० के० मिनोचा, सुपुत्र श्री एम० सी० मिनोचा,
निवासी के०-12, एन० ढी० एस० ई०, पार्ट-I, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री मोहन सिंह, सुपुत्र एस० नागाएह सिंह, मकान नं०
52, रोड़ नं० 42, पंजाबी बाग, दिल्ली-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतिवद् किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका नं० 90-ए०, ब्लाक नं० 'पी'
है और क्षेत्रफल 179 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी
न्यू दिल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है :—

पूर्व : मकान नं० पी० 90।
पश्चिम : मकान नं० पी०-90-बी०।
उत्तर : रोड।
दक्षिण : सर्विस रोड।

एस० सी० परीजा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 16 फरवरी, 1976
मोहर :

प्रस्तुत आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

4/14फ, ग्रामफल्ली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ /एच०. आर०-III/

जून 315 (II)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम,’ कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 15/2396-98 तथा 2398/1, है तथा जो तिलक स्ट्रीट,
चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
आजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या ‘उक्त अधिनियम’,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब ‘उक्त अधिनियम’ की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अशुद्धिया प्रकाश बहल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री खरेती
राम बहल, निवासी 2428, तिलक स्ट्रीट, चूना मण्डी पहाड़गंज,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राजिन्द्र कुमार जैन, सुपुत्र श्री जगदीश प्रसाद जैन,
निवासी 843, मंटोला, पहाड़गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

1. श्री चरण दास खन्ना, सुपुत्र श्री मालवा राम
2. श्री सत्या पाल खन्ना, सुपुत्र श्री भगत राम खन्ना
3. श्री जोगीन्द्र पाल, सुपुत्र श्री गारीब दास।
4. श्री बी० सी० वाघरा, सुपुत्र श्री पी० एन० वाघरा
5. श्री गुरचरण दास, सुपुत्र श्री बाबू राम
6. श्री दयाल सरन, सुपुत्र श्री हंस राज
7. श्रीमती शान्ति देवी, पत्नी स्वर्गीय श्री कृष्ण चन्द कक्षकर
8. श्री नरेश चन्द, सुपुत्र श्री दीवान चन्द।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक द्वाई मंजिला मकान का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल
41.7 वर्ग गज है और खसरा नं० 488, जायदाद नं०
15/2396-98 तथा 2398/1 है तथा जोकि तिलक स्ट्रीट,
चूना मण्डी, पहाड़गंज, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

पूर्व : स्ट्रीट

पश्चिम : जायदाद नं० 15/2338 0/40

पश्चिम : जायदाद नं० 15/2399-2402

उत्तर : जायदाद नं० 15/2395

एस० सी० पारीजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1
 4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली ।
 नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-II/
 जून/913(10)/75-76—अतः मुझे, एस० सी० पारीजा,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
 धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु से अधिक है
 और जिसकी सं० भूमि 15 बीगा तथा 6 विसवा है तथा जो लोहार
 हैरी गांव, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावच्छ अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
 का 16) के अधीन, तारीख 28-6-1975
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
 दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
 सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा
 के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपषारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याति:—

1. श्री करनार मिह तथा जय सिंह, सुपुत्र श्री भानी, निवासी
 गांव लोहार हैरी, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री भगवत् सरूप, ब्रह्म प्रकाश तथा श्री किशन, सुपुत्र
 श्री राम दत्त, निवासी गांव पोसेनगोपुर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या अत्यस्मधनी व्यक्तियों पर सूचना की
 तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 15 बीगा तथा
 6 विसवा है, तुलनात्मक मुस्तातिल नं० 17, किला नं०
 11/1 (2-8), मुस्तातिल नं० 18, किला नं० 5 (6-4),
 6 (4-17), 15/1 (1-17) है, और जोकि लोहार
 हैरी गांव के राजस्व ईस्टेट, दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित
 है।

एस० सी० पारीजा,
 सकाम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

4/14क, आसफ़उली मार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी, 1976

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-1/
जून/912 (II)/75-76—अतः मुझे एस० सी० पारीजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० भमि 17 बीगा तथा 2 बिसवा है तथा जो गांव
लोहार-हेरी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 28-6-1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदित्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृत्त
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री करतार सिंह तथा जग मिह, सुपुत्र श्री भा
निवासी गांव लोहार-हेरी, दिल्ली-1। (अन्तरक)

2. श्री भगवत् सरूप, ब्रह्म प्रकाश तथा श्री किशन, सुपुत्र
श्री राम दत्त, निवासी गांव पोसेनगोपुर, दिल्ली। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारि सिसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 17 बीगा तथा 2 बिसवा है,
तुलनात्मक मुस्तातिल नं० 7, किला नं० 24 (2-14), 25
(4-16), मुस्तातिल नं० 17, किला नं० 1 (4-16), 10
(4-16) है, और जोकि गांव लोहार-हेरी के राजस्व ईस्टेट, दिल्ली
राज्य, दिल्ली में स्थित है।

एस० सी० पारीजा,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 13-2-1976

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ए० पी०-1504—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर

अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो भारतीय सामाजिक स्थिति में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें पारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरवचन सिंह सुपुत्र श्री भोग मिह, निवासी गुखलान पुलिस स्टेशन, सदर जालन्धर एन्डजनरल अटारनी मंडिन्दर सिंह सुपुत्र श्री गुरवचन सिंह।

(अन्तरक)

2. श्री भग राम सुपुत्र श्री साधु राम सुपुत्र चेतु राम, बूदा राम, थला राम सुपुत्र चान्दी राम, जटो राम सुपुत्र श्री महाला राम, सुपुत्र श्री सन्त राम, कष्मीरी लाल सुपुत्र श्री माली राम, मुन्नी राम, सुपुत्र श्री बेलू राम, हरी चन्द्र और हुकम राम सुपुत्र श्री गंडा राम, सज्जी मण्डी, जालन्धर।

(इन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विशेष नं० 991, जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निर्देश सं० ए० पी०-1505 यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाम चुरासी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और भूमि यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से पुर्व किसी प्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; प्रीरथा,

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह गांव जाखल
तहसील जालन्धर।
(अन्तरक)

2. श्री भाग राम सुपुत्र श्री साव राम सुपुत्र श्री चेतु राम,
बूटा राम, थाला राम सुपुत्र श्री चांदी राम, जटू राम सुपुत्र श्री
महाला राम, सत राम, कश्मीरी राम सुपुत्र श्री मुट्ठी राम, मुण्डी
राम सुपुत्र श्री बेला राम, हरी चन्द, हाकम राम सुपुत्र श्री गंडा राम
सहस्री मंडी, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1093, जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निदश सं० 1506--- यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाम चौरासी में स्थित है (अग्री इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुश्यारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणति :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह, महिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह, निवासी जाखल, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री भागराम सुषुप्त श्री साथू राम, बूटा राम, थाला राम सुपुत्र श्री चांदी राम, जटू राम सुपुत्र श्री महाला राम, कश्मीरी लाल सुपुत्र श्री माली राम, मुन्नी राम सुपुत्र श्री झाली राम, हरी घन्द, हास्म राय, सुपुत्र श्री गंडा राम, सुपुत्र श्री बेला राम, गांव सड़ी मंडी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्थिर रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्द है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 884, जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुश्यारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निदश सं० 1507 यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो ग्राम चौरासी
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुश्यारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या प्रन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआ
प्रकट नहीं किया था या किया जाना थाहिए था,
ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोजिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह, निवासी जाखलां
जिला जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री भग्न राम, सुपुत्र श्री साबू राम, बूटा राम व थला राम,
सुपुत्र श्री चांदी राम, जटू राम सुपुत्र श्री महाला राम, काश्मीरी
लाल सुपुत्र श्री माछी राम, मुन्हरी राम सुपुत्र श्री बेला राम,
हरीचन्द और हाकम राय सुपुत्र श्री गंडा राम, सब्जी मन्डी,
जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. वह व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०० 990 जून,
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुश्यारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए० पी०-१५०८.—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाम चौरासी में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशायारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री गुरवचन सिंह, निवासी जाखलां, डाकखाना सबर, जालन्धर। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वी (1) सावूराम सुपुत्र श्री चैत्र राम, (2 और 3) बूद्ध राम, थहाला राम सुपुत्र श्री चांदी राम, (4) जटू राम सुपुत्र महाला राम, (5) कल्मीरी लाल सुपुत्र माली राम, (6) मुन्ही राम सुपुत्र श्री बेला राम, (7 और 8) श्री हरिचन्द्र तथा हाकम राम सुपुत्र श्री गंडू राम, सज्जी मन्डी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि अनुसूची नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 925 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशायारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 17-2-1976
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निदेश नं० 1509:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाम औरासी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशयारपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रह: ग्रह 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में
में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) :
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री जोगिन्द्र सिंह, सुपुत्र सरदार गुरबचन सिंह, निवासी
जाखला, सहस्रील जालन्धर। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वी (1) भाग राम सुपुत्र श्री साबू राम, (2 तथा 3)
बूटा राम और टाहला राम सुपुत्र श्री चांदी राम, (4) जट्टू राम,
सुपुत्र श्री महाला राम, (5) कश्मीरी लाल सुपुत्र श्री माछी राम,
(6) मुन्नी राम सुपुत्र श्री बेला राम, (7 और 8) हरीचन्द और
हाकम राय सुपुत्र श्री गंडा राम, सब्जी मन्डी, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हच्च रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 885, जून 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रृष्ठ प्राप्ति २० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निवास सं० 1512—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाम चौरासी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होशियारपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून, 1975

को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मुविधा के लिए।

अतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री जोगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह, गंव गखला
जिला जालन्धर। (अन्तरक)

2. सर्वथी (1) भाग राम सुपुत्र साबू राम, (2 और 3)
बूटा राम और टहाला राम सुपुत्र श्री चांदी राम, (4) जाटू राम,
सुपुत्र श्री महाला राम, (5) कश्मीरी लाल सुपुत्र श्री माली राम,
(6) मुखी राम सुपुत्र श्री बेला राम, (7 और 8) हरीचन्द,
हाकम राम सुपुत्र श्री गंडा राम, सब्जी मण्डी, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी न करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मवंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1094, जून 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 17-2-1976
मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 1513—यत मुझे, रवीन्द्र कुमार

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3042 जून 1975 है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्री लक्ष्मन सिंह सुपुत्र निष्ठा राम, द्वारा हरकौर वासी नकोदर, रोड, जालन्धर। (अन्तरक)
2. श्रीमती सुमित्रा देवी पन्नी श्री मगल चंद सुपुत्र फकीर चंद वासी सिविल लाइन, जालन्धर। (अन्तरिक्त)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में हवा रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3042 जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-2-76

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं. 1514,—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3043 जून 1975 में है तथा जो जालन्धर से स्थित है (और इससे उपायद्रु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसार में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—496GI/75

1. श्री लक्ष्मन सिंह सुपुत्र श्री निकाराम द्वारा हरकोर नकोदर रोड, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री विनोद कुमार पुत्र मंगल चंद सुपुत्र फकीर चंद, वासी सिविल लाइन्स, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में सुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 3043 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंडो टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 1515—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3044 जून, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से उस के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अनुरूप वीर्ग है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (अन्तरा) और अन्तरिमी (अन्तरिमिया) के बीच ऐसे अन्तरण वे लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट में वर्णित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण में ही किसी आग की वावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उसमें वचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आग या तिसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या पनवर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिमी द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाता जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रन्त: श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री लक्ष्मन सिंह सुपुत्र श्री निकाल राम द्वारा हरकौर, बासी नकोदर रोड, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री विजय कुमार सुपुत्र पंडित मंगल चंद, सुपुत्र फकीर चंद बासी सिवल स्टाइन्स, जालन्धर। (अन्तरिमी)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में सुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्भीर के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी अधोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में, 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3044 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रेरणा आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निवास स० 1516—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3045 जून
1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाधद
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',
के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम'. कीधारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लश्मन सिंह सुपुत्र श्री निक्का राम द्वारा हरकोर
वासी नकोदर रोड, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री विनय कुमार सुपुत्र श्री मंगल चंद सुपुत्र श्री फकीर
चंद, वासी सिविल लाइन, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भव्यता के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3045 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 फरवरी 1976

निदेश सं० 1517—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विषयावास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2982 जून
1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विषयावास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे
बदने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री यशपाल कपूर सुपुत्र श्री ईश्वर दास कपूर, वासी
ई-75, इन्डियन एसिया, जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री रवींद्र कपूर सुपुत्र हजारी लाल, टिम्बर भर्चेन्ट,
नियास तहसील, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में सचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आती कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2982 जून 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर।

तारीख : 18-2-1976

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निवेश सं० 1510—यतः मूझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो हुशयारपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ.) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब.) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंगारा सिंह सुपुत्र श्री सुवेग सिंह, गांव मोहावीपुर, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) भग राम सुपुत्र श्री साबु राम, (2 और 3) बुटा राम तथा थला राम, सुपुत्र श्री चांदी राम, (4) जदु राम, सुपुत्र श्री महाला राम, (5) कस्मीरी लाल सुपुत्र श्री माली राम, (6) मुंशी राम सुपुत्र श्री लैला राम, (7) हरिचन्द और हाकम राम सुपुत्र श्री गंडा राम, सब्जी मण्डी, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. वह व्यक्ति, जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्गीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 1095, जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 17 फरवरी 1976

निर्देश नं० 1511—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो शाम चौरासी में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुशयारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण ह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीब ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह व महिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह, निवासी जांखला, तहसील जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री बाग राम सुपुत्र श्री साबू राम, (2) तथा (3) बूटा राम एन्ड थाला राम, सुपुत्र श्री चांदी राम, (4) जटूराम सुपुत्र श्री महाला राम, (5) कश्मीरी लाल सुपुत्र श्री माठी राम, (6) मुंशी राम सुपुत्र श्री बेला राम, (7) और (8) हरिचन्द्र एन्ड हुकम राम सुपुत्र श्री गंडा राम, सब्जी मण्डी, जालन्धर। (अन्तरती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 926जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हुशयारपुर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 19 फरवरी 1976

निर्देश सं० 1518—यतः मूँझे, रवीन्द्र कुमार,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनूसूची में है तथा जो साईदा गेट,
जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
भीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं
'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गिरधारी लाल सुपुत्र श्री धनपत राम निवासी साईदा
गेट, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. मंसर्जन सेठ सिलक रटोर, अटारी बाजार, जालन्धर।
(अन्तरिती)
3. जसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनूसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2462 जून, 1975
जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 19-2-1976

मोहर :

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निदेश सं० अमृतसर/243/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 34 है तथा जो रानी का बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याति :—

1. श्री इन्द्र पाल सुपुत्र श्री खर्तीराम सूद, भंगाला तहसील, पट्टी। (अन्तरक)

2. श्री धर्मपाल सुपुत्र श्री अमर नाथ, डैमगंज, गली नं० 4, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपष्टीकरण —इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 134, रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 809 जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० अमृतसर/244/75-76—यतः, मुझे भी० आर०
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 330 है तथा जो स्कीम नं० 62
तुंगबाला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरिक की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों)
और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरिक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रधीनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ [की उपधारा
(1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—496GI/75

1. श्री जगदेव सिंह सुपुत्र श्री जगदेव सिंह वासी कट्ठा
गढ़, अमृतसर द्वारा श्री हरभजन सिंह सुपुत्र गुरचरण सिंह,
26-ए० अल्बर्ट रोड, अमृतसर। (अन्तरिक)

2. श्री वेद प्रकाश सुपुत्र श्री विश्वन दाम, 1891 गली अरो-
डिया, चौक फरीद, अमृतसर। (अन्तरिकी)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
वद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही ग्रथे होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 330, स्कीम नं० 62 तुंगबाला अमृतसर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 964 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, विनांक 16 फरवरी 1976

निवेश सं० ए० एस० आर०/245/75-76—थतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हाईड मार्केट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

थतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रष्ठात्:—

1. श्री रत्न चंद्र सुपुत्र श्री हरी चन्द्र राधा स्वामी रोड, लारेंस रोड पर अमृतसर। (प्रस्तरक)

2. श्री जुगिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री अश्वतार सिंह, 57 हाईड मार्केट, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा वो ग्राम ट्रेडिंग कं०, श्री भूपिन्द्र सिंह तथा श्री चन्द्र प्रकाश, काबुल ट्रेडिंग कं०, अमृतसर तथा दूसरा कोई किरायेदार। (दह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है? (दह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्तर

सम्पत्ति हाईड मार्केट में अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 770 जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश स० ए० ग्र०-आर०/246/75-76—उत्तः मुझे
वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सम्पत्ति है तथा जो हाईड मार्कीट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपबंद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम भी दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रत्न चंद्र सुपुत्र श्री हरी चंद्र, राधा स्वामी रोड लारेंस रोड पर, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह, 57 हाईड मार्कीट, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि स० 2 मे है तथा दोग्राबा ट्रेडिंग कं०, श्री भूपन्द्र सिंह तथा श्री चन्द्र प्रकाश, काबुल ट्रेडिंग कं०, अमृतसर सथा कोई दूसरा किराएवार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति हाईड रोड मार्कीट, अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत वलेख नं० 1112 जुलाई, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्र० प्राइंटी टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/247/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो कृष्ण नगर खूह भोलेवाला
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त
में सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः—

1. श्रीमती कमला देवी उर्फ कमला वंती पत्नी श्री चमन साल
खप्ता, हवेली जमादारी, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती पर्मी देवी पत्नी श्री लक्ष्मन दास सेठ व श्री बाल
चन्द तथा राज कुमार सपुत्रान् श्री लक्ष्मन दास, कटड़ा मोती राम,
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा मैसर्ज साई बाबा टैक्सटाइल्ज
व दूसरे कोई किरायेदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति है जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह,
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग सम्पत्ति, कृष्ण नगर खूह भोले वाला अमृतसर में;
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत घिलेख नं० 1020 जून, 1975 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन-रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1976

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/248/75-76—यतः मुझे वी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो कृष्ण नगर खूह भोले वाला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हंसा रानी पत्नी श्री सीता राम, बैस्ट आजाद नगर अब अमृतसर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला देवी पत्नी सुन्दर दास तथा श्री तारा चन्द तथा अशोक कुमार, सपुत्रान श्री हरजस राम, न्यू आबादी, कटड़ा मोती राम, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में व्यक्ति रखता है (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यक्तिपत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदाता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

½ सम्पत्ति कृष्ण नगर, खूह भोले वाला अमृतसर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1021 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 16-2-76

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एस०— —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अबोहर/249/75-76—यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं० सम्पत्ति है तथा जो मकान न० बीII-569, गली न० 16 अबोहर में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की सम्बारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नानक चन्द्र सुपुत्र श्री मेहताब राय, श्रीमती बीरा बाई विधवा श्री मेहताब राय, श्रीमती सदा बाई, श्रीमती नारा बाई सुपुत्री श्री मेहताब राय, गर्भी न० 16, अबोहर। (अन्तरक)

2. बनवारी लाल सुपुत्र श्री हीरा साल, गली न० 16 अबोहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 मे है तथा किराएदार, यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० ii बी०-4-569, गली न० 16 अबोहर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 807 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर मे है।

बी० आर० सगर,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप श्राई०टी०एन०एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/257/75-76—यतः मझे वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 4 रोज एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रुतः श्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथवा :—

1. श्री गुरमुख सिंह चावला, सुपुत्र श्री सन्तोष सिंह, 7 मन्तोख सिंह रोड, अमृतसर। (प्रतरक)

2. श्री सुरिंद्र मोहन (छोटा) सुपुत्र चमन लाल अग्रवाल द्वारा श्री चमन लाल अग्रवाल (ग्राहित) गली भबरीयां बाजार लछमनसर, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीत्रस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधाया 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट सं० 4 रोज एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता द्वारा अमृतसर में नं० 709 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 16 फरवरी 1976
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/258/75-76—यतः मुझे, बी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो 4 रोज एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए काम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरेमुख सिंह चाकला सुपुत्र श्री सन्तोष सिंह, 7 सन्तोष सिंह रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्र मोहन सुपुत्र श्री चमन लाल अग्रवाल, बासी गनी शब्दरीया, बाजार, ललमनसर, अमृतसर। (अन्तरिक्षी)

3. जैमा कि नं० 2 में है तथा कियांदार, यदि हों। (तद्व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. को व्यक्ति, जो सम्पत्ति में हच्च रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4, रोज एवेन्यू आर० बी० रत्न चंद रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 996 जून 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर, में है।

बी० आर० सगर,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 16 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० ए० एस० आर०/259/75-76—यतः मुझे, वी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कोठी नं० 20 तथा 20-ए हैं तथा जो अमृतसर छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-496 GI/75

1. श्रीमती कंवर रानी राजदान पत्नी डा० एम० राजदान, वासी 15/57 सिविल लाइन्स, कानपुर द्वारा श्री टी० एन० शिव पुरी सुपुत्र श्री शाम शंकर शिवपुरी वासी नं० 1 ए० पी० सेन रोड, लखनऊ (जी० ए०)। (अन्तरक)

2. श्रीमती तेजिन्द्र कौर विधवा श्री साविन्द्र सिंह तथा श्रीमती हरजीत गुलाटी पत्नी श्रीमान सिंह वासी 180/XIII शरीफपुरा, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है व किराएदार व श्रीमती मतवंत कौर पत्नी सुरजीत सिंह, महिन्द्र सिंह सुपुत्र नानक सिंह, बाग चन्द्र सिंह अमृतसर (पाठी मम्मिलित)। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में हित रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस 'अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 20 तथा 20-ए अमृतसर छावनी जैसा कि रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 972 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में है।

वी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/260/75-76--यत', मुझे थी० आर०
सगर

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० सम्पत्ति तथा जो विजय नगर, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर तहसील में
रजिस्ट्रीरकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जून, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. मैमर्ज के० रमेश टैक्सटाइल मिल्ज, काश्मीर रोड,
अमृतसर।
(अन्तरक)

2. मैमर्ज यूनिवर्सल डाइग एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स काश्मीर रोड,
अमृतसर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराण्दार, यदि हों। (वह,
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्विच रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रबलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 3172 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आधिकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० अमृतसर/261/75-76—यतः मुझे दी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो विजय नगर, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स के० रमेश टैक्सटाइप मिल्ज, काश्मीर रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैमर्स यनिवर्मल डाइंग प्रिंटिंग वर्क्स काश्मीर रोड, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके प्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 5761 अगस्त, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर तहसील में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 16-2-76

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०——
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० 1479—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मुकेरियों में स्थित
है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुकेरियों में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरके
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोगनाथ प्रस्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बजर सिंह सुपुत्र श्री नरवेव सिंह सुपुत्र सुदामा मोही-
उदीनपुर तहसील दसूहा। (अन्तरक)

2. श्री गजन सिंह, कश्मीर तिह, दिलबाग सिंह, सुपुत्र जेठा
सिंह गांव मत्सरूपपुर तहसील दसूहा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुप्ति रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में भी
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 916, जून 1975 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकेरियों में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-2-1976
मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 1480—यतः, मुझे रबीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं०
जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती पीरदाद में स्थित है (और
इससे उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से अण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थ ह प्रतिशत से अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के भीष्म ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
फथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम, के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म सिंह सुप्रत श्री तारा सिंह बस्ती बाबा खेल जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार तथा प्रेम कुमार सुप्रत श्री ठाकुर दास,
निवासी 279 आदर्श नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाद्वारा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2523 जून, 1975
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रबीन्द्र कुमार,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० 1481—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो वस्ती पीर दाद
में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख जून, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
प्रधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम,'
या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-प
के अनुसरण में, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रष्ठात्:—

1. श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री सारा सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह
निवासी बस्ती बाबा खेल जालन्धर। (अन्तरक)

2. श्री चन्द्र मोहन, कमल मोहन सुपुत्र श्री भगत राम सुपुत्र
श्री भाना मल, 314 आदर्श नगर, जालन्धर। (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
प्रधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2524, जून 1975
को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 फरवरी 1976

निर्देश सं० 1482—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है कथा जो जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून,
1975 को

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के भीषण ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रहणतः—

2. श्री लारा सिंह सुपुत्र श्री हरनाम सिंह बस्ती बाबा खेल,
जालन्धर।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री (1) कान्थी सुपुत्र श्री राम चन्द, (2 सन्ता)
रानी पस्नी श्री सत पाल निवासी 114 न्यू जबाहर नगर, जालन्धर
(3) प्रेम नाथ सुपुत्र श्री रामलाल, 156 लाजपत नगर, जालन्धर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अह्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2520, जून 1975,
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भारतीय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 फरवरी, 1976

निर्देश सं० 1483—यह, मुझे रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2718 जून, 1975 में है तथा जो बस्ती पौर दाद, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्म बीर सुपुत्र श्री तारा सिंह बस्ती बाबा खेल जालन्धर (अन्तरक)

2. मैसर्स गुलशन रबर इन्डस्ट्रीज, बस्ती पौर दाद, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदातियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी ध्येयितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 2718 जून, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरवरी 1976

निवेश सं० आई० 1/11887/जून-75—अतः मुझे वही० आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 386 (अंश) माझगांव डिव्हीजन है, जो माझगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

7—496GI/75

1. 1. श्री तेहमीना बथरामजी दादाभाई और अन्य।
(अन्तरक)

2. श्री किशोरचन्द्र मिश्रोमलजी वर्धन और अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिखित के पास लिखित में जिए जा सकेंगे।

लिखित:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर रजिस्ट्रेशन जिले तथा उप जिले में भायखाला बम्बई में लव लेन क्रास लेन के जंक्शन और लव लेन, मझगांव पुल के निकट लगभग 7482 वर्ग गज या 6255.89 वर्ग मीटर के समकक्ष गैर कृषिक सरकारी आवासीय भूमि, पैतृक संपत्ति और परिसर का वह समूचा भू-भाग अथवा भू-खंड उस पर बने सभी भवनों और स्टॉक्चरों समेत, जिसका कैंडस्ट्रूल सर्व सं० 386 (भाग) —मझगांव डिव्हीजन और जिसका परिसर मूलनियिल वाडे 'ई' की भूमि, पैतृक संपत्ति एवं परिसर का भाग है तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार हैं, अर्थात्—उत्तर में या उत्तर दिशा की ओर अंशतः पुलिस लाइन और अंशतः अधिन्यासक (एसाइनर्स) द्वारा धूत संपत्ति और लव लेन, पूर्व और पूर्व दिशा की ओर लव लेन क्रास लेन, दक्षिण और दक्षिण दिशा की ओर मझगांव डिव्हीजन के कैंडस्ट्रूल सर्व सं० 385 की भूमि तथा पश्चिम में अथवा पश्चिम दिशा की ओर अधिन्यासकों द्वारा धूत संपत्ति।

वही० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1; बम्बई

तारीख: 23-2-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. भावनगर की एच० एच० राजमाता विजयाधाई
(अन्तरक)
 2. होपहेल कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०
(अन्तरिक्षी)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269- घ (1) के अधीन सूखना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्रीराजा रंज 1, बम्बई

सामग्री दिनांक

निर्देश स० अ० ई० 1/1182--1/जून 75—अतः मुझे यही०
आर० अमीत,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 233/699 मलबार कबाला हिल डिब्हीजन है, जो 46 वी० पेट्रर रोड मे॒ स्थित है (और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची मे॒ आग पूर्ण हृषि मे॒ वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वम्बई मे॒ रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-6-1975 की

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अभी

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वावत उक्त प्रधनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रति सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अद्यता

46-झी० पेडर रोड (झा० झी० देशमुख मार्ग), बस्टर्ट-26
मलावार हिल प्रभालर का कोडेस्टल सर्वे सं० 233/699 और
म्पुनिसिपल झी० वार्ड नं० 3486 (3) ।

द्विंश शारू अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख :

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1976

निदेश सं० अ० ई०-१/१२००-४/जून-७५—अतः मुझे
वहौ० आर० अमिन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट सं० 2 है, जो मलबार कंबाला हिल डिव्हीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पृ० में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-६-७५

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर सेवे के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शांतिलाल मंगलदास और श्री कांतिलाल मनीलाल, शाहीनगां, ग्रहमदाबाद। (अन्तरक)

2. मै० गेजरात स्टील ट्यूब्स लि० बैंक आफ इण्डिया बिल्डिंग भवन, ग्रहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहाँ वर्ण द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बम्बई नगर द्वीप श्रीर रजिस्ट्रेशन उप जिले में उपस्थित 1052.5 वर्गगज उसके समीपस्थ पेंशन और टैक्स लैण्ड (जिस उपकर मुक्त कर दिया गया है) का वह समुच्चा भाग जिसकी सीमा ए पूरब में पट्टेदार के खाली प्लाट से जिसका पहले उल्लेख ऊपर प्रथम अनुसूची में किया गया है, पश्चिम में बीमनजी मकानशाह जावेरी तथा अन्य की संपत्ति से और उत्तर में सवक्षण संख्या 679 की संपत्ति से तथा दक्षिण में शिरीन मिनोचर दादचन्दजी तथा एक अन्य की संपत्ति से घिरा है, जिस भू-भाग की समाहर्ता का पुराना नं० 456 नया नं० 2425 का भाग, पुराना सर्वेक्षण नं० 81 और नया सर्वेक्षण नं० 1/7122 का भाग दिया है तथा जिसका कैडेस्ट्रल सर्वे नं० 3/678 और आंशिक कैडेस्ट्रल सर्वे नं० 1 ए०/678, मलबार और कंबाला हिल प्रभाग—उस पर बनी द्वारा उसमें एक ग्राउंड फ्लोर, पांच अपरी मंजिलें और उस भूमि पर बनी गैरिजे शामिल हैं, तथा जो जहांगीर मनेकजी दारू-खानावाला और उनके किराएदारों के कब्जे में है और जिसका निधारण पालिका दर और कर समाहर्ता द्वारा डी० बाई नं० 3485 (3) स्ट्रीट नं० 50-ए०, पेडर रोड के अन्तर्गत किया गया है।

वहौ० आर० अमिन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख 19-2-1976

मोहर:

प्रस्तुत आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड,
पूना-411004, दिनांक 17-2-1976

निर्देश सं० सी० ए०/५/जून/७५/हवेली०/II/२६८/७५-७६-
यतः मुझे एच० एस० औलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बंगला क्रमांक 11 है तथा जो कुल्ला नगर (पूना) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती लीलावंती गियानचंद वहरानी राम निवास, पदमजी पार्क, पूना। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती दंडुमती प्रतापराय शहा

(2) श्री महेंद्र प्रताप राय शहा, प्रभु निवास, चित्तरंजन रोड विले पार्ले (पुर्व) बंबई-57 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-के में परिभासित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लिज होल्ड जमीन, बंगला नं० 11 सिह हिन्दू को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० कुल्लानगर पूना-1

क्लेवफल—14243 वर्ग फिट

बंगला 1970 में बांधा हुआ।

(जैसी कि रजिस्ट्रीकूल विलेख क्रमांक 703 जून 1975 में सब रजिस्ट्रार हवेली II (पूना के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० औलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 17-2-1976

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 18 फरवरी 1976

निश्चेत्स सं० सी० ए०/५/जून/७५/हवेली II/पूना/२६९/७५-
७६—यथः मुझे, एच० एस० ग्रौलख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० घर क्रमांक 20 सर्वे क्रमांक 599 ० है तथा जो
कोडवा रोड (पूना) में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में
और मूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हवेली II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-6-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यथः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रंथात् :—

1. (1) श्रीमती राजेश्वरी दिग्बर तुलजापुरपुर प्लाट
नं० ८ ताडीवाल रोड, पूना-१ (अन्तरक)

(2) श्री श्रीपाद दिग्बर तुलजापुरपुर 2525
एफ० ई० फैक्ट्रिल पोर्ट लैण्ड ओरेंगॉन 97202 यू० एस० ए०
(अन्तरक)

2. (1) श्रीयुत माधवदास तुक्सीदास मोदी

(2) श्री रथिन्द्र माधवदास मोदी बी०-७ सनसेट हाईट्स
पाली हिल्स बांद्रा बम्बई-१५ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रधानमंत्री की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवित्रयों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रधानमंत्री की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित मूँद विसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पात्र लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के आधार 20-क में परमाणुत
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फीहोल्ड, घर क्रमांक-20 सर्वे क्रमांक 599 ए० ब्रिवेवाडी
कोडवा रोड, पूना-१

थेवफल--7693.50 वर्ग फिट

बंगला 1966 में बांधा हुआ थेवफल-2000 वर्ग फिट

(जैसी कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 759; 20-6-75
में सब-रजिस्ट्रार हवेली II पुना के दफ्तर में लिखा है)

एच० एस० ग्रौलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-2-1976

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 फरवरी 1976

निर्देश सं० XII/18/119, 120 व 121(जून)/75-76—

यतः मुझे, जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 45, 46, 46ए, और 47 है, जो एट्रेयापुरम रोड तूतुकुडि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायलिय, तूतुकुडि (पन्न सं० 581/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या दून्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात् :—

1. श्री सी० संकट रामेश्वरन तूतुकुडि। (अन्तरक)
2. श्री तंगैया नाडार, आदीमुक्तु नाडार और गंगै आदीत नाडार, नालुभावडी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वक्ती अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तूतुकुडि एट्रेयापुरम रोड सं० 45, 46, 46ए० और 47 (टी० एस० सं० 4136/भाग, 4157 और 4158) में एक एकड़ और 7 सेन्टस की भूमि (मकान के साथ)।

जी० रामनाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्र० प्र० आई० टी० एन० एस०

1. श्री एल० नन्जिया और एन० नाथेण । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1976

निवेदा सं० 2537/75-76—यतः मुझे, जी० बी० शाबक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० उटकमण्ड में 81 सेण्ट की भूमि (मकान
के साथ), आर० एस० सं० 1747/2 में स्थित है (और इससे
उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, उटकमण्ड (डाकमेण्ट सं० 1147/75) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 20-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की आवत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
ब्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

2. मै० दी० निलिखित डोसीसन सौताईटी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत की धारा
कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी अधेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त करण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उटकमण्ड डाउन में 81 सेण्ट की भूमि (मकान के साथ)
जिसका आर० एस० सं० 1747/2 है।

जी० बी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 18-2-1976 ।

मोदर:

प्र० आई०टी०एन०एस०

1. श्रीमती एम० प्रेमा । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती एम० मीनाक्षी अम्माल । (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1976

निवेश सं० एफ० 2546/75-76—यतः मुझे, जी० बी० बाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पैशाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कोयम्बतूर, पुलियकुलम गांव नया टी० एस० सं० 1377 (19 सेण्ट और 331 स्कावयर फीट) में स्थित है। (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 2459/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, पुलियकुलम गांव, अविनाशी रोड़ में 19 सेण्ट और 331 स्कावयर फीट की भूमि जिसका नया टी० एस० सं० 1377 है।

जी० बी० बाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-2-1976।

मौहर:

प्रृष्ठा आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रीमती शार० रंगनाथकि अम्माल
को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आतियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

जी० वी० ज्ञावक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रज्ञन रेज-II, मद्रास

तारीख : 18-2-1976
मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

8—496GI/75

प्रस्तुप श्राई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

जालन्धर, दिनांक 9 फरवरी, 1976

निवेश सं० प्रक० 2549/75-76---पतः मुझे, जी० बी०
क्षावक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० डोर सं० 17/28, ओय० एम० सी० ए० रोड़,
कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०
एस० आर० III, कोयम्बतूर ('डाक्यूमेंट 2570/75) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख
— 26-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ए० के० पदमावती (अन्तरक)

2. श्रीमती के० निर्मला, के० धीता, और के० वसना
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अभुसूची

कोयम्बतूर, ओय० एम० सी० ए० रोड़, मैं डोर सं० 17/28
(टी० एस० सठ० 170) (भूमि और मकान)

जी० बी० क्षावक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-2-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18, जन, 1975

निवेश सं० एफ० 2563/75-76—यतः मुझे, जी० बी० झाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन उत्तुकुलि गाँव में 1.25 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) ,एस० एफ० सं० 320/2बी० 2 में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाचि (डाकमेष्ट न० 1241/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्थिक योगों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० इसड० मोहम्मद फरूक और श्रीमती फ़ासिमा बीबी । (अन्तरक)

2 श्री एम० मोहम्मद इक्बाल और श्रीमती सबिता बीबी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आंकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोल्लाचि तालुका, जमीन उत्तुकुलि गाँव में 1.25 एकड़ की भूमि (मकान के साथ) जिसका एस० एफ० सं० 320/2 बी० 2

जी० बी० झाबक,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-11 मद्रास

तारीख 18-6-1976

मोहर:

प्रस्तुप श्रोई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1976

निवेश स० एफ० 2567/75-76—ग्रत मुझे, जी० बी०
झाबक, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी स० मार्चनायकनमालयम गांव सर्वे स० 29, 27
और 28 (14-51 एकड़े) में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में ओप पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, आनंदलै (डाकुमेण्ट) 798/75 में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, 23-6-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपचारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथात् :—

1. श्री के० ए० विरिंज कलिंगरायर (अन्तरक)
2. श्री सिंहसामि चेट्टियार, रामराज, नंदराज और ग्यान-
वडिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मार्चनायकनमालयम गांव से 14-51 एकड़े की भूमि, जिसका
सर्वे स० 27, 28 और 29।

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 18-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—
आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 18 फरवरी, 1976

निदेश सं० 2572/75-76—यतः मुझ, जी० वी० ज्ञाबक,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 231/3 ईरोड़ है तथा जो (1-00
1/2 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जो० एस०
आर० I, ईरोड़ (डाकूमेण्ट सं० 2174/75) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए।

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. नाचायम्माल; वी० रामसामि, वी० पेस्तिम्बिं;
राजेन्द्रन, (मैनर), वेल्लुसामि [मैनर और श्रीनिवासन (मैनर)]
(अन्तरक)

2. पी० रामसामि घौण्डर और कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड़ में 1.00 1/2 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं०
231/3।

जी० वी० ज्ञाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-2-1976

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी 1976

निदेश सं० एड०-2572/75-76—यतः मुझे, जी० वी० ज्ञाबक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 231/3 ईरोड़ है तथा जो (1-00 1/2 एकड़) में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से ‘अर्णित है’), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I, ईरोड़ (डाकुमेण्ट सं० 2175 75 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ‘उक्त अधिनियम’ के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती नाचायम्माल; वी० रामसामि; वी० मेरियत-लम्बिं; राजेन्द्रन (मैनर); वेलुसामि (मैनर) और श्रीनिवासन (मैनर) (अन्तरक)

2. मै० पि० रामसामि घोण्डर और कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगेंद्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड़ में 1.00 1/2 एकर की भूमि जिसका एस० सं० 231/3

जी० वी० ज्ञाबक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-2-1976

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 फरवरी, 1976

निवेश सं० एफ० 2572/75-76—यतः मुझे, जी० वी० वी० शाबक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 231/3 है तथा जो ईरोड़ (1-00 1/2 कर) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, ईरोड़ (डाकुमेण्ट सं० 2176/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 9-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

ईरोड़ में 1.00 1/2 एकर की भूमि जिसका एसं सं० 231/3 ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

जी० वी० शाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

ग्रन्तः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

1. श्रीमती नाचायम्माल; वी० रामसामि; वी० पेरितम्बिं; राजेन्द्र; (मैनर) वेलुसामि (मैनर); और श्रीनिवासन मैनर; (अन्तरक)
2. मै० पी० रामसामि ईण्डर और कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ईरोड़ में 1.00 1/2 एकर की भूमि जिसका एसं सं० 231/3 ।

तारीख: 18-2-1976 ।

मोहरः

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निवेश सं० XVII/ 9/139/(जून)/ 75-76—यतः,
मुझे, जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के
अधीन संभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० है जो सौनापुरम में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सामने कार्यालय, संकरीदुरगम (पत्र सं० 517/75)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 23-6-1975
को पूर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकृत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्य
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए,

यतः इब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. श्रीमती वल्लीयम्माल और गाडि (अन्तरक)

2. श्री सी० कुमारमामी (अन्तर्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकृत व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
वन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, सौनापुरम गांव सरखे सं० 114/2, 115/2,
143/2, 143/5, 174/3, 198/1, 203/4, 201/2, 207/3,
134/14, 134/2, 135, 136/1, 62/2, 133/2, 143/9,
58/5, 63/8, 67/1, 282/1, 282/2, 282/3, 284/1,
और 284/2 में 6. 19 8/9 एकड़ की भूमि और एस० सं० 166/2
में 2500 फ्लॉयर फीट की भूमि में 1/6 भाग।

जी० रामनातन,
संभम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) व अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निदेश सं. XVII/9/138/(जून)/75-76—यतः, मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है जो सीतापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संकरीदुरगम (पर सं. 518/75) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपशारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—496GI/75

1. श्रीमती वल्लीयमगाल नल्लम्माल और केसवन
(अन्तरक)

2. श्री सी० कन्दनामि
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेतम जिला सीतापुरम गांव सर्वे सं. 114/2, 115/2, 143/2, 143/5, 174/3, 198/1, 203/4, 201/2, 207/3, 134/14, 134/2, 135, 136/1, 62/2, 133/2, 143/9, 58/5, 63/8, 67/1, 282/1, 282/2, 282/3, 284/1 और 284/2 में 6.19^{1/2} एकड़ की भूमि और एस सं 144/2 में 2500 स्वेच्छ फीट की भूमि (से 1/6 भाग)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 17 फरवरी, 1976

मोहर :

प्रख्यात आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 फरवरी, 1976

निकेश मं. XVII/9/132(जून)/75-76--पतः, मुझे,
जी० रामनाथन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जो सौतापुरम गांव नामकरण में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, संकरीदुर्गम (पत्र सं० 519/75) से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः यदि 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, ग्रथतः :—

1. श्रीमती वल्लीयम्माल, नल्लम्माल और केमवन
(अन्तरक)

2. श्री सी० मुरुगेसन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम जिला, सौतापुरम गांव सर्वे सं० 114/2, 115/2, 143/2, 143/5, 174/3, 198/1, 203/4, 201/2, 207/3, 131/14, 134/2, 135, 136/1, 62/2, 133/2, 143/9, 58/5, 63/8, 67/1, 282/1, 282/2, 282/3, 284/1 और 284/2 से 6. 19 8/9 एकड़ी की भूमि और सर्वे सं० 144/2 में 2500 स्क्वेयर फीट (1/6 भाग) की भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 17-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० सी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 जनवरी 1976

निदेश स० टि० आर० -61/मि० 73/कल-I/75-76—
अत मुझे, एस० के० चत्रवर्ती

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० 29 है तथा जो ईलियट रोड़ कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नरेन्ट प्लेस नार्थ कल० मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय का बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थतः :—

1. श्री अमिय सोल

(1) ईसा हृसिंह खान (2) लेदुर रहमान खान (3) आजिमुर रहमान खान (4) हाफिजुर रहमान खान (5) सामीपुर, रहमान खान (अन्तरक)

2. (1) भि० दि० माथुर (2) एन० जे० बोस (3) भगवत महन्ति (4) रघुनाथ नाईक (5) तिर्थ नाईक (6) रमेश (अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ग्रन्थति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

29, ईलियट रोड़, कलकत्ता में अवस्थित 6 छटाक 8 छटाक जमिन पर ईट का मकान।

एस० के० चत्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, कलकत्ता

तारीख: 29-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु ,

बंगलूरु, दिनांक 19 फरवरी, 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/4486/75-76/एफ्य०/73—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000- रु० से अधिक है
और जिसकी स० न० 141/1 व 141/2 है, तथा जो दोंडुपालय
गाँव, कस्बा होड्ली, होसकोटे तालुक बंगलूरु जिला में स्थित है,
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, होसकोटे में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्रिका पत्नी वेंकट रमण राजू नं० 111,
मलेश्वरम, बंगलूर-3 (अन्तरक)

2. श्री के० नारायण शेट्टी पुढ़ श्री चिक्कमणि शेट्टी न०
1572-II श्राम, नागप्पा ब्लाक, बंगलूर-21 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 863/75-76 ता० 9-6-1975)

खेती जमीन—5 एकड़ 7 गुण्टास—सर्वे सं० 141/1 व
141/2, दंडुपालया गाँव, कस्बा होड्ली, होसकोटे तालुक, बंगलूरु
जिला में स्थित।

3 एकड़ व 35 गुण्टास की सीमाएँ :—

पूर्व : ईरा नागप्पा इनाम जमीन

पश्चिम : सरकारी नाला

उत्तर : मलिकार्जुनधा की जमीन

दक्षिण : स० न० 141/2 जमीन

सीमाएँ :—1 एकड़ व 12 गुण्टास

पूर्व : ईरा नागप्पा की इनाम जमीन

पश्चिम : सरकारी नाला

उत्तर : हाजीराम्बी की जमीन

दक्षिण : अप्पाजप्पा की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूरु

तारीख : 19-2-1976

भोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 19 फरवरी, 1976

निदेश सं० सी० आर० 62/4488/75-76/एक्वी०/75—
यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 156/2 है, तथा जो दंडपालय गांव, कसबा
होबली, होसकोटे नालूक, बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, होसकोटे में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 19-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी इक्षी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष को
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती के० शीला सिंग पल्ली स्व० के० धनराज सिंग
होसकोटे, बंगलूर जिला। (अन्तरक)

2. श्री एन० रामांजनेयलु पुब्ल नागप्पा किसान नमेगोडा
एक्सटेंशन, होसकोटे, बंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस गृहना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अमुसूची

[दस्तावेज सं० 1018/75-76 ता० 19-6-75]

कृषि संपत्ति जमीन—2 एकड़ व 39 गुण्टास—सं० न०
156/2, दंडपालय गांव, कसबा होबली होसकोटे तालुक, बंगलूर
जिला में स्थित।

सीधाएँ:—

पूर्व : शवाधिस्थान।

पश्चिम : सं० न० 156/1 व श्री एच० सी० रुद्रपा की जमीन।

उत्तर : राजा कलुबे, हुल्लूर व अमेनकेरे की सीमा

दक्षिण : सरकारी जमीन व तिम्मय शेट्टी की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 19-2-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 फरवरी, 1976

निवेश स० सी० आर० 62/5446/75-76/एक्य०/बी—
यतः भुजे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 21(पुराना) 24 (नया) है, तथा जो रणबीर सेट्टी पेट, किलारी रोड, बंगलूर-53 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुजे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्रीमती शारदमा पत्नी स्व० टी० सी० चन्द्रशेखरराय्या
- (2) श्रो टी० सी० लक्ष्मीनारायण पुत्र स्व० टी० सी० चन्द्रशेखरराय्या
- (3) श्री टी० सी० केदारेश्वर उर्फ पापया नं 24 रणबीर शट्टी पेट, किलारी रोड, बंगलूर-53। (अन्तरक)
2. श्रीमती शाला पत्नी बी० टी० पीरगल (पुत्री स्व० एम० सुगनचन्द्र) "विश्व निलय" मैस्ट्री चिक्कम लेन, किलारी रोड, क्रास, बंगलूर-53। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विम की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अःय व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रत्यक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्याप्त परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावेज नं० 1183/75-76 ता० 11-6-75)

अवस्थान मिट्टी के छत के साथ, पुराना व जीर्णवि स्थान (दक्षिणी भाग) —पुराना नं० 21, नया नं० 24, रणबीर सेट्टी-पेट, किलारी रोड, बंगलूर-53 (डिवीजन नं० 15) में स्थित अद्वितीय स्थान सेक्टरफल :—

पूर्व से परिच्छम: 30'	}
उत्तर से दक्षिण: 30'	

900 वर्ग फीट

सीमाएँ :—

पूर्व: टी० एस० अशवनय्या का घर।

पश्चिम: श्री गोविंदपा का घर।

उत्तर: बेचने वाले के घर का भाग।

दक्षिण: किलारी लक्ष्म्या का घर।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 21-2-1976

मोहर:

प्रूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी, 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77—
प्रतः, मुझे, वि० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट और मकान है, जो रविशंकर बार्ड सागर
में स्थित है (श्रीग इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृद्धमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महावीर पुत्र मुम्भा लाल (2) रामवन्द पुत्र गुन्नालाल
निवासी सागर। (अन्तरक)

2. श्रीमती तामामती पत्नी मुरुषोत्तम लाल गुप्ता निवासी
किशनगञ्ज, सागर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लाट और कच्चा मकान, स्थिति रविशंकर बार्ड सागर

वि० के० सिन्हा।
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-1-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/76-77--
अतः, मम, वी० के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो रानी कराकला नरसिंगपुर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसिंगपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-1975 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अच्छे में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

१. श्री रघुनाथ मिह पुक्क हल्कू लोधी रानी करतारकला,
नरसिंगपुर (ग्रन्तरक)

2. श्री हुकुम सिंह, हेम राज सिंह पुत्र ईश्वर सिंह लौधी,
नियासी रानी करारकला, नरसिंगपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उष्टा सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितव्युद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ‘उक्त अधिनियम’, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

四

कृषि भूमि, 11.97 एकड़, रानीकरार कला स्थित नरसिंग-पुर।

विं० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
प्रज्ञन रेंज, भोपाल

तारीख : ३१-१-१९७६

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ग्रामसिय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० पृष्ठ०/भोपाल/76-77—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० जमीन है, जो खोरवा, भिलाई में स्थित है (श्रीर
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट
अधिकारी के कार्यालय, भिलाई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्ति—

10—496 GI/75

1. श्री माध्मिह रामभिह व सुदेम पुत्र श्री शमान्नदाकर
तिवासी दुर्गा।
(अन्तरक)
2. मै० दयाराम नटराम तिवासी दुर्ग फुर्गीपार भिलाई।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गम्भीर अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मन्त्रन्ध में कोई भी अक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भी
अवधि वाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और फदो का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 2,17,000 वर्ग फुट है जोकि खोखा
गांव मे स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सभम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 30-1-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री कौशल प्रसाद पुत्र गुमान प्रमाद, कुरुद, दुर्ग (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/७६-७७—
 अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाप्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
 और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो कुरुदा दुर्ग मे० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप मे० वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे० वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे० कमी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अस: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

2. श्री हुक्म चन्द्र पुत्र श्री रत्न चन्द्र सुराना, कुरुद, दुर्ग (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध मे० कोई भी शाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे० से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे० किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे० परिभासित हैं, उन्हीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे० दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र फल 4.89 एकड़ जो कि कुरुद, दुर्ग मे० स्थित है।

वि० के० सिन्हा
 सभाप्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 30-1-1076

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/भोपाल/76-77—
अतः, मुझे, धी० के० सिन्हा
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है)
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन है, जो रानाजीपुर कर्बधा में स्थित है,
(और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजनांदगांव में रजिस्ट्रीकृत अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, ‘उक्त अधिनियम’, के अधीन कर देने के अन्तरके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या ‘उक्त अधिनियम’, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री चन्द्र विजय बहादुर सिंह (2) सामा शिय
सिंह (3) भारत विजय सिंह पुत्र लाल यशवंत सिंह निवासी
बरामड़ जिला राजनन्द गांव (अन्तरक)

2. (1) श्री नेतराम (2) नरायन प्रसाद पुत्र गोराराम
(3) श्रीमती पापी बाई पत्नी गोराराम रत्नजीतपुर कर्बधा
राजनांद गांव (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एरिया 35.50 एकड़ स्थिति गांव रानाजीपुर कर्बधा
राजनांदगांव।

वो० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 30-1-1976

मोहर :

प्रृष्ठा प्राई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/भोपाल-76-77—
अतः मुक्त, वी० कौ० निहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषिभूमि है, जो सिक्काली, गाडरवाड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाडरवाड़ से रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-6-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निरन्तरित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन वर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अमर्तरीती द्वारा प्रवर्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

1. श्री प्रेम नारायण पुत्र देव किशन अग्रवाल, निवासी ग्राम सिक्काली गाडरवाड़ (अन्तरक)

2. श्री कामल सिंह पुत्र हल्लीबीर (राजपूत) निवासी तूमड़ा, गाडरवाड़ (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति गे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जाएं सकें।

हप्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि स्थित सिक्काली में, धेनफल 6.346 हेक्टर गाडरवाड़।

वि० के० सिन्हा
सकम प्राधिकारी
स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30-1-1976

मोहर:

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/भोपाल/76-77—
श्री॒, मुझे, वी० के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि मकान है जो रामपुर में स्थित है (और
इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय रामपुर, मे रजिस्ट्रीकर्ता
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;ग्रन्त: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्षतः:-1. श्री हजारी लाल वर्मा पुत्र मुखराम साह कसारसाथी बाजार
रामपुर
(अन्तरक)2. श्री जीवन चन्द्र राजा राम खान, मैत रोड, भड़ारा।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त रामपति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 30695 वर्गफुट साथ में एक कंचा मकान
पी० सी० 104, रामपुर।वि० के० सिन्हा,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 30-1-1976

मोहर:

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

भोपाल, भोपाल

धर्जन रेंज, भोपाल

धर्जन दिनांक 30 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/भोपाल/76-77—
अत., मुझे, वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जमीन है, जो कि दुरभर तालाब में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाम्र अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपभारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री हजारी लाल पुर सखाराम बालाजी निवासी के शर सन्ती
बाजार रायपुर (अन्तरक)

2. श्री मोहन राजाराम निरमान निवासी मेन रोड भडारा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एरिया 40,166 वर्गफीट, स्थिति दुरभर तालाब
पी० सी० तमिल रायपुर

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 30-1-1976

मोहर:

प्रूल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू/बी० पी० एल०/76-77

असौ, मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो कि जगदलपुर में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ह्रौई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री लादकराम पुत्र श्री रामरिष्यपाल आग्रावाल द्वारा एजेंट मनीराम यादव पुत्र पुष्णाराम निवासी जगदलपुर टाउन बस्तर (अन्तरक)

2. मैं वसंत सा मिल्स द्वारा पार्टनर (1) प्रेमजीभाई पटेल पुत्र हरजीभाई पटेल (2) लक्ष्मी बहिन पत्नी एम० पटेल (3) भवनजी भाई पटेल पुत्र किशन भाई पटेल जगदलपुर टाउन चिंवा कोटी रोड जिला बस्तर (म० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन परिया 30,000 वर्ग फीट जगदलपुर।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 30-1-1076

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश गा० शाई० ए० मी० पक्ष्य०/भोपाल/76-77—
श्रतः, मुझे बी० के० सिन्हा

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्राकर पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो गढ़ेवानी बै० सौंसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वस्तुर घन्द पुत्र भोतीलाल जैन (निवासी वृध्वारी बै० जिला छिन्दवाड़ा)।
(अन्तरक)

2. श्री नवेलाल पुत्र दीपाराम २ आडू पुत्र गनेश ३. सुण ४. गोवरधन ५. गनपति निवासी गढ़ेवानी बै० सौंसर जिला छिन्दवाड़ा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन एरिया 30. 28 एकड़ स्थिति गाँव गढ़ेवानी बै० सौंसर जिला छिन्दवाड़ा।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 31-1-1976

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भाजा भरकार

कार्यालय गद्वारा आयकर गार्हणा (नियम)

अर्जन नेज, भागान

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश रा० आई० ए० सी० प्र०/भागान/76-77—
ग्रहण, मुझे, वी० क० गिन्डा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मूल जर्मान है, जो वर्णात्मक राजनन्दगांव में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुमूलों में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालय, वर्गीनह, राजनन्दगांव में भारतीय रजिस्ट्रारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नव्हित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

11—496GI/75

1. श्रीमतों काल्ता गौरी पत्नी श्री प्रभुजी भोजानी निवासी राजनन्द गांव।
(अन्तरक)

2. श्रीमती अमित कोर पत्नी गुलाब सिंह पंजाबी निवासी वर्म स्टैण्ड राजनन्दगांव।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वार्षिकाहिंसा देना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुपि भूमि गाथ मे मकान, क्षेत्रफल 12.35 एकड़ स्थित वरसी तहसील व जिला राजनन्दगांव।

वि० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तात्पर्य 31-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1986

निवेद सं० आई० ए० मी० एक्य०/भोपाल/76-77—
अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन है, जो चैनपुर ते० बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथत—

1. श्री कोमल प्रसाद पुत्र मालू (शाहूणी) निवासी चैनपुर बरेली।
(अन्तरक)

2. श्री तुला राम पुत्र जमुना प्रसाद 2. रूप नारायण ना० पा० पुत्र जमुना प्रसाद गडिया निवासी बरेली। (अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

जमीन एकड़ स्थिति गाव चैनपुर ते० बरेली।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 31-1-1976

मोहर.

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेंग मं० आई० ए० सी० एक्य०/भोपाल/76-77—
अत, मुझे वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और
जिसकी सं० जमीन है, तथा जो जगदलपुर में स्थित है, (और
इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता
अधिकारी के कार्यालय, जगदलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
वा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती इजराबी पत्नी श्री इस्तमोहम्मद प्रतापगंज
रोड जगदलपुर। (अन्तरक)

श्री पुष्कराज डागा पुत्र जसकराम डागा, श्रोसवाल जैन, प्रताप-
गंज रोड, जगदलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सीट नम्बर 78, प्लाट नम्बर 39, अन्नफल 1560 अंगफीट
स्थिति सदर रोड, प्रताप गज, जगदलपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 30-1-1976

मोहूर:

प्रलेप शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० शाई० ए० मी० एक्य०/भोपाल/76-77--
अतः, मुझे, वी० के० इस्तेहा०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह,
विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है, तथा जो रामसैन में स्थित है, (और
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रामसैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 18-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/ या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः, यदि उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपग्राहा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ईश्वर दास पुत्र आसाराम 2. आलमदेव 3. शोभाराम
पुत्र ईश्वर दास नियासी रायसैन। (अन्तरिती)

2. (1) जगप्राथ 2. मनसिंह पृष्ठ जयकिशन नियासी
रामलीला गेट, रायसैन। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

16, 55 एकड़ कृषि भूमि, स्थिति रायसैन खसरा नं० 412
और 1029/412/2 रायसैन।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
गठनात् आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख 31-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी, 1976

निदेश म० आई०ए०मी०ग०क्वी०/भोपाल/76-77—अन०
मुझे, बी० के० मिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या तीन मंजिला मकान जो दीवानगंज, रायसेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पर्यंत रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायसेन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24-6-75

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरयों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/गा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, यी धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. (1) श्री ग्रन्थोक कुमार (2) विजय कुमार (3) रमेश कुमार (4) सुमेरचन्द (5) महेन्द्र कुमार, निवासी शाहजानाबाद, भोपाल (अन्तरक)

2. श्री नारायण सिंह पुत्र श्री जय किशन, निवासी निघोष जिला रायसेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान जो कि दीवानगज रायसेन में स्थित है।

बी० के० मिन्हा
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

नारीख: 31-1-1976

मोहर:

प्ररूप शार्दूली०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०एक्वी०/भोपाल/ 76-77--अतः,
मुझे, की० कै० मिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सर्वम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन और मकान है, जो छिलिया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

14-6-75
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यर्थातः—

१. श्री रामसेवक पुत्र प्रेम लाल फूर्मि चिलिया के ० जबल-पुर। (अन्तरक)

२. श्री किशन लाल (२) हल्केराम (३) मुम्भालाल (४)
 प्रोगर प्रसाद (५) मदनलाल पुब भगवान दास निवासी
 नुनियाकला जबलपुर (अन्तरिक्षी)

को यह सूखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता क्षमता के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय

जमीन श्रीर मकान स्थिति चित्या नं० क्र० नं० 323,
मकान नं० 3 गांव नेरदपुर डलाक पानाभार जिला जबलपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज. भोपाल।

तारीख : ३१-१-७६

मोहर :

प्ररूप आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, गहायक श्रावकर श्राप्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी, 1976

निदेश सं० आई०ग०मी०ग०क्वी०/भोपाल/ 76-77—अतः
मुझे, बी० के० मिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो खरतुली धमतरी में
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, धमतरी
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रद्धिक है और अन्तरक (अन्तररक्षा) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धार्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृदय किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा- 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः —

1. श्रीमती मिलन्तीन वाई वेवा पत्नी प्रेम सिंह साहू
 (2) दुलारीवाई पूर्णी प्रेम मिह साहू निवासी खरतुली
 धमतरी रायपुर (अन्तरक)

२. श्री तेजपाल भिह पुत्र बलकाक सिंह डाक बंगला थाई
धमतरी रायपुर (अन्नरत्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आदमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृत स्तरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसारी

कृषि भूमि स्थित गांव खरतसी, धमतरी।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : ३०-१-७६

मौहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मण्ड़ार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 30 जनवरी 1976

निवेश सं० आई०ए०सी०ए४क्वी०/भोपाल/76-77—अत., मुझे,
वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है
और जिसकी सं० मकान व जमीन जो खरखुनी, मण्डल
माटली तहसील धमतरी, रायपुर में स्थित है, (श्रीर इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-75
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
निए तथा याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या गन-ए-र अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अल्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मिलवन्तीन बाई बेवा प्रेम सिंह साहू निवासी
ग्राम घरतुली तह. धमतरी रायपुर (अन्तरक)

2. श्री प्रीत पाल सिंह पुत्र बलकाक सिंह पंजाबी
निवासी द्वाक बंगला वार्ड, धमतरी, रायपुर (अन्तरित)
को यह सूचना आरी करके पर्याप्त गमनि के अर्जन के
निए कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
बी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किरी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीकरताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान पक्का सीमेंट का बना हुआ माश में कृषि भूमि
है। धमतरी में स्थित है।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख: 30-1-76

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 जनवरी 1976

निदेश आई० ए०सी०ए०क्वी०/भोपाल/76-77—अतः, मुझे,
वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दो मंजिला मकान है, तथा जो सागर में
स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
30-9-75

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्थह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घम या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

12—496GI/75

1. श्री रामगोपाल पुत्र श्री कन्हैयालाल अग्रवाल कट्टरा
गुजराती बाजार, सागर। (अन्तरक)

2. श्री सब्बाल दाम पुत्र श्री जगत मल मिधी, सुभाष
नगर, सागर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 108, दो मंजिला मकान, अनेकफल-335^½
बर्ग फुट, गुजराती बाजार कट्टरा, सागर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-1-76

मोहर :

प्रस्तुत ग्राही० टी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी, 1976

निदेश सं० मी०आर०-62/4402/75-76/एक्य०/
बी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० पुराना नं० 7, नया 43 है, तथा जो नंजफा लेआउट, II क्रास, शान्तिनगर, बंगलूर-62 में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पर्याप्त रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ता, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डी० एस० खेशा पुत्र दोम्सान्द्र सिंहपा नं० 6 मकारा बसवशा टेपुल स्ट्रीट, नागरनरपेट, क्रास, बंगलूर (अन्तरक)

2. श्रीमती राहन बेगम पत्नी मोहम्मद अनवर बेग, खाड़िया जमालपुर, अहमदाबाद, गुजरात स्टेट। (अन्तरिती)

3. (1) श्री पी० एस० हरिहरन, (2) के० सी० नारायण सेट्टी (3) एन० सन्यनारायण (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 831/75-76, ला० 4-6-75) कोने में अवस्थान व मकान (प्रधान) बाहरी गृह पुराना नं० 7, नया नं० 42 भर्ती नं० 43 वी नंजपा ड्लाक, नंजपा फाउट II क्रास, शान्तिनगर, बंगलूर-25 (डिवीजन नं० 82)

अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से परिचय :	69 फुट } 5386 वर्गफीट या
उत्तर से वक्षिण :	81 फुट } 598 वर्ग गज।

निचला गृह भाग :—

(1) प्रधान मकान :	1813 वर्ग फीट
(2) बारामधा :	142 ,,
(3) बाहरी गृह	540 ,,
भार०सी०सी० छत	
(4) बाहरी गृह ,	छत 270 ,,
(5) स्नान कमरा ,	छत 40 ,,
(6) , , ,	छत 40 ,,
(7) मोटर घर :	270 ,,

सीमाएँ :—

उत्तर : II प्रधान सड़क, शान्तिनगर

दक्षिण : निजी सम्पत्ति

पूर्व : सड़क

परिचय : श्री कन्दस्थामी का मकान

प्रार० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 27-1-1976

मोद्दर :

प्ररूप ग्राही० टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 21 जनवरी, 1976

निदेश सं० सी०प्रा०-62/4419/75-76/एष्टी०—यतः,
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 13/1, 12/1, 12/2, 12/3 व 12/4 है,
तथा जो नेलगडेरनमल्ली गांव, यशवन्तपुरा होब्ली, बंगलूर
उत्तर तालूका में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बंगलूर उत्तर तालूका में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 6-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्स्ति की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से लुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अमृत मेरी पत्नी श्री सी० आर० एस० दास,
वकील नं० डब्ल्य०, 98, यारप्पा ब्लाक श्रीरामपुरम, बंगलूर-21
(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मा पत्नी श्री मैमण्डा चोकसान्द्रा गांव,
यशवन्तपुरा, होब्ली, बंगलूर, उत्तर तालूका या नीलगडेरन-
हल्ली गांव, यशवन्तपुरा होब्ली, दसरहल्ली, बंगलूर-56
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में घोषणा की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में घोषणा की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1108/75-76 ता० 6-6-75)

सूची खेती जमीन 5 एकड़ 6 गुण्यास सर्वे नं० 13/1,
12/1, 12/2, 12/3 और 12/4 जो नीलगडेरनमल्ली गांव
यशवन्तपुरा होब्ली, बंगलूर उत्तर तालूका

सीमाय:—

पूर्व: सड़क

पश्चिम: मै० सम्पत, लक्ष्म्या, मल्लम्या व नारायणप्पा
की जमीन।

उत्तर: श्रीमती अनुसूच्यमा व श्री नारायणप्पा की
जमीन।

दक्षिण: तोटी की इनाम जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 21-1-1976

मोहर:

प्रस्तुप आईटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 27 जनवरी 1976

निदेश स० सी०आर० 4431/75-76/एक्यू०/बी०—यतः
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 5 है, तथा जो बासवाडी रोड, बंगलूर में
स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, ता० 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः प्रथा उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

1. क्रिग० फाक जोसफ ड्रिटो पुत्र श्री स्व० जोग ड्रिटो,
निवृत्त सैनिक अफसर, ए०एस०सी० अफसर मैस, ड्रिनिटी
चर्च रोड, बंगलूर। (अन्तरक)

2. (1) जकरिया यूसुफ सेठ पुत्र स्व० यूसुफ सेठ,
नं० 47, सेंट्रल स्ट्रीट, बंगलूर। (2) डोरा सी० श्रोफ पुत्र
सी० पी० श्रोफ, नं० 15/1 मद्रास बैक रोड, बंगलूर 1
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ। *

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित
में किये जा सकेंगे।

हप्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 965/75 76 ता० 12-6-75)

मकान प्युनिसिपल नं० 5, मद्रास सापर आफीसर्स
हाउस बिल्डिंग कालोनी, बांसवाडी रोड, बंगलूर (डिवीजन
नं० 49)।

अवस्थान क्षेत्रफल :—

उत्तर : 72 फुट	}	6516 वर्गफीट
वर्षिण : 72 फुट		
पूर्व : 91 फुट		
पश्चिम : 90 फुट		

सीमाएँ :—

उत्तर : सड़क	}	6516 वर्गफीट
वर्षिण : अवस्थान नं० 35		
पूर्व : अवस्थान नं० 33		

पश्चिम : अवस्थान नं० 4

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 27-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 22 जनवरी 1976

निदेश स० सी० आर० 62/4432/75-76/एक्वी०/बी०—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० न० 45 है, तथा जो अन्नपूर्णा गांव, कसबा होब्ली, तिपटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिपटूर (तुमकूर जिला) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी० एस० शान्तपा पुत्र स्व० श्री सिंहपा के० आर० एक्सटेशन, तिपटूर शहर, तिपटूर तालूका तुमकूर जिला। (अन्तरक)

2. श्री के० कृष्णय्या पुत्र स्व० के० रामय्या शंकर रोड, तिपटूर शहर, तिपटूर तालूका तुमकूर जिला। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 675/75-76 ता० 2-6-75)
सूखी खेती जमीन-6 एकड़ 2½ गुणास स० न० 45, अन्नपूर्णा गांव, कसबा होब्ली, तिपटूर शहर तुमकूर जिला में स्थित।

सीमाएं :— (4 एकड़ 32½ गुणास के लिए)

पूर्व : सड़क,

पश्चिम : कांचा पट्टडा मंदिर

उत्तर : श्री बायला निजाया की जमीन।

दक्षिण : श्री तम्मया व हनुमंतया की जमीन।

सीमाएं :—(1 एकड़ व 10 गुणास के लिए)

पूर्व : सरकारी तालाब

पश्चिम : कांचा पट्टडा मंदिर

उत्तर : बेचने वाले की जमीन

दक्षिण : श्री तम्मया की जमीन

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 22-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 29 जनवरी 1976

निवेश सं० सी०आर०-62/4442/75-76/एक्वी०/वी०—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पुराता नं० 164 नया नं० 12 है, तथा जो II कास I में रोड, नागपा स्ट्रीट, शेषाद्रि पुरम, बंगलूर-20 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-6-1975.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री सैयद अब्दुल जलील पुत्र सैयद हवान साहब, रेणम व्यापारी, सिदलगढ़, कोलार जिला। (अन्तरक)

2. श्री सैयद अब्दुल बासीन पुत्र श्री सैयद अब्दुल जलील, जूनियर इंजीनियर, सिटी इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट बोर्ड बंगलूर (अन्तरिती)

3. सर्वश्री (1) पी० दुर्गप्पा (2) अलमेडा (3) एम० टी० पूव्या (4) सी० एन० नागराज (5) जी० राधाकृष्णन (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1099/75-76 ता० 5-6-75)

मकान नं० 12 (पुराता नं० 164), II कास, I मेन रोड, नागपा स्ट्रीट, शेषाद्रि पुरम, बंगलूर-20

अवस्था/न क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम : उत्तरी भाग 34 फुट	} 1260 वर्गफीट
” वक्षिणी भाग 26 फुट	

उत्तर से दक्षिण : 42 फुट } 140 वर्ग गज

मकान क्षेत्रफल :—

निचली मंजिल :—प्रधान गृह :	6 स्कोर्पस
----------------------------	------------

पहली मंजिल :	9 स्कोर्पस
--------------	------------

बाहरी गृह :	3 ”
-------------	-----

दूसरी मंजिल :	3 ”
---------------	-----

कुल :	21 ”
-------	------

सीमाएँ :—

पूर्व: खाली अवस्थान नं०: 14

पश्चिम : श्रीमती हस्तमा का गृह

उत्तर : सड़क

दक्षिण : जेवियर का मकान

श्रार० कृष्णमूर्ति
सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 31 जनवरी, 1976

निवेश सं० सी०आर०-62/4454/75-76/ए०सी०क्य०/झी०-
यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 996/116 है, तथा जो मैं रोड, IV ब्लाक
राजाजीनगर, बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
प्रनुसारी में और पृ० रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, राजा जी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 17-6-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एच० एस० मुहे गौडा पुत्र सिंहे गौडा, होम
सेट्टी हल्ली, बेलगांची हिरिसाबे होल्ली, चंद्रगाय पट्टना तालुका,
हासन जिला (अन्तरक)

2. श्री एच० एम० पुट्टस्वामी पुत्र एच० एस० मुहे
गौडा नं० 996/116 II मैन रोड, IV ब्लाक, राजाजीनगर
बंगलूर-10

3. सर्वेशी (1) नरसिंह राव (2) रघु (3) नागराज
राव (वह अक्षित जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज- सं० 1303/75-76 ता० 17-6-75)

निवास स्थान व बाहरी गृह नं० 996/116 II मैन
रोड, IV ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलूर-10 (डिवीजन
मं० 2) में स्थित।

प्रवस्थान का क्षेत्रफल:—

पूर्व से पश्चिम :	85 फूट } 3825 वर्गफीट
उत्तर से दक्षिण :	45 फूट } या
	425 वर्ग गज

भवन क्षेत्र :—

प्रधान गृह :	11 स्कोर्यस
बाहरी गृह :	8 स्कोर्यस
कुल :	19 स्कोर्यस

सीमाएं:—

पूर्व : कोणसबैसी रोड

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्रवस्थान नं० 997 व

दक्षिण : नं० 995

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 31-1-1976

अर्जन, रेंज, बंगलूर

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 जनवरी 1976

निवेश सं० सी०आर०-62/4499/75-76/एस्य०
बी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या अवस्थान नं० 2 मकान के साथ है, तथा जो सं० नं० 38, होसूर रोड के पास, जक्कसान्दा, बंगलूर मडिवाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

(1) (i) शेख मोहिदीन साहब पुत्र सैदू साहब, (ii) एम० बाबा साब (iii) एम० ए० मक्तार अहमद पुत्रान शेख मोहिदीन (iv) रियाज अहमद (v) चान पाशा (vi) नुहीन (vii) सुना अल्पव्यस्क के प्रतिनिधि व रक्षाकर्ता श्री शेख मोहिदीन, नं० 2 मडिवाला एक्सटेंशन, बंगलूर-29।
(अन्तरक)

2. श्री बी० एन० नजुण्डप्पा पुत्र कावगड मादुप्पा नं० 129-42वाँ आस VIII ब्लाक, बंगलूर-11 (अन्तरिती)

3. (1) इब्राहिम (2) शेख मोहिदीन साहब (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यात्मक शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1054/75-76 ता० 16-6-75)

अवस्थान मकान के साथ नं० 2, (सं० नं० 38 होसूर रोड के पास, जक्कसान्दा, बंगलूर होली, बंगलूर दक्षिणतालुका मडिवाला, न्यू एक्सटेंशन, बंगलूर-29 (डिवीजन नं० 35) में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल:—

पर्व से पश्चिम:	65 कुट
उत्तर से दक्षिण:	35 कुट
2275 वर्ग फीट	

निचला भाग:—

गृहस्थान भाग	— 4 स्कोर्यस
दुकान	— 2 स्कोर्यस
कुल	6 स्कोर्यस

सीमाएँ:—

पूर्व :	होसूर रोड
पश्चिम :	अवस्थान नं० 16
उत्तर :	अवस्थान नं० 3
दक्षिण :	अवस्थान नं० 1

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 29-1-1976

अर्जन रेंज, बंगलूर
मोहर:

प्रलूप ग्राही० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1976

निवेश सं० सी० आर०-62/4500/75-76/एक्य०/दी०
—यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-व के
अधीन सक्षम को, यह प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 1278 है, तथा जो भ्लाक IV T, नायप्पन-
हल्ली, जयनगर एक्टेंशन, बंगलूर (डिवीजन 35) में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, जयनगर, बंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, ता० 16-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) असरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मारसीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री षण्मुख वल्ल अम्माल परनी श्री पी० वी० सुन्दर
मुदलियार नं० 6, ईस्ट अवन्यू रोड, कोडम्बाक्कम, मद्रास-24 ।
(अन्तरक)

2. श्री वी० एल० त्यागराज पुत्र श्री वी० एस० लोक-
नाथ मुदलियार नं० 7, मुरुगपिल्लै स्ट्रीट, सिविल स्टेशन
बंगलूर-1 ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1066/75-76 ता० 16-6-1975)
खाली अवस्थान नं० 1278, भ्लाक IV टी०
नायप्पनहल्ली जयनगर, एक्टेंशन, बंगलूर (डिवीजन नं० 35)
अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व से पश्चिम :	40 फुट
उत्तर से दक्षिण :	65 फुट

2600 वर्गफीट

मीमाण्ड :—

पूर्व : अवस्थान नं० — 1277

पश्चिम : अवस्थान नं० — 1279

उत्तर : " — 1281 व

दक्षिण : सड़क

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 22-1-1976

मोहर :

प्रूप आई०टी०एन०एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, तारीख 28 जनवरी, 1976

निवेश सं० सी०आर०-62/4503/75-76/ए०मी०क्य०/बी०—यह, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 99/12 है, तथा जो 9वी कास, विल्सन गार्डन, बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 18-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपषारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री के० एन० मूर्ति पुत्र स्व० तिरुमल राव एच० कैवार, नं० 37 गोविन्दप्पा गोड़ बमवनगुडी, बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्रीमती आर० बसन्ता पर्णी श्री के० एस० रंगाचार, नं० 158, I ब्लाक, ईस्ट जयनगर, बंगलूर-11 (अन्तरिती)

यो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में निए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1084/75-76 ता० 18-6-75)

अवस्थान पुराने मकान के साथ नं० 99/12, 9वी कास, विल्सन गार्डन (होम्बेगोडा नगर), बंगलूर-27 में स्थित।

अवस्थान क्षेत्रफल :--

पूर्व से पश्चिम : 80 फूट

उत्तर से दक्षिण : 50 फूट} या 4000 वर्ग फीट

भवन क्षेत्र :--3 स्कोर्यम

मीमांसा :--

पूर्व : 9 वी कास, विल्सन गार्डन, बंगलूर

पश्चिम : निजी सम्पत्ति, 8 वी कास रोड, विल्सन गार्डन, बंगलूर।

दक्षिण : निजी संपत्ति नं० 100/11 9 वी कास, विल्सन गार्डन

जो श्री के० एन० मूर्ति की है।

उत्तर : निजी संपत्ति 98/13 9 वी कास, विल्सन गार्डन बंगलूर श्री के० एन० मूर्ति की है।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 28-1-1976

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी, 1976

निवेदन सं० सी० आर०-62/4504/75-76/एसी० क्य०/वी०—
यतः, युझे, आर० कृष्णमूर्ति ग्रामकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी रा० 100/11 है, तथा जो 9वीं क्रास, विल्सन गार्डन्स, बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगन्नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ता० 19-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री के० एम० मूर्ति पुत्र स्व० श्री निरुमल राव एच० कैवार० न० 37 गोविन्दप्प रोड, बसवंगुडी, बंगलूर-4। (अन्तरक)

2. कुमारी अनिता ग्रत्पद्यस्क, प्रतिनिधि व रक्षकर्ता श्रीमती टी० एन० बैरसणि पत्नी टी० एस० नरसिंहन न० 49 बंगलो स्ट्रीट, शिवपेट, सेलम-2। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1085/75-76 ता० 19-6-75)
अवस्थान पुराने मकान के साथ न० 100/11, 9वीं क्रास, विल्सन गार्डन्स (होम्बेगौडा नगर) बंगलूर-27
पूर्व से पश्चिम: 80 फुट }
उत्तर से दक्षिण: 50 फुट } 4000 वर्ग फीट
भवन क्षेत्र: 3 स्कोर्यार्स
सीमाएः—

पूर्व: 9वीं क्रास रोड, विल्सन गार्डन, बंगलूर

पश्चिम: निजी सम्पत्ति 8वीं क्रास विल्सन गार्डन में

दक्षिण: निजी संपत्ति न० 101/10 जो 9वीं क्रास विल्सन गार्डन में है।

उत्तर: निजी संपत्ति न० 99/12 जो 9वीं क्रास विल्सन गार्डन, बंगलूर में स्थित और श्रीमती आर० बसवंता की है।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 28-1-1976

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 जनवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4505/75-76/ए० सी० अग०/
बी०—यह: मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पुराना नं० 7 नया नं० 10 है, तथा जो 3रा कास, शातिनगर, बंगलूर-27 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्थालय लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती साराम्मा जार्ज (एन० आर० आई० सी० नं० 7890251), 35/ए, जालन टेंबूसा, जालन भेलानिस, कलांग सोलंगर, मलैच्या—प्रतिनिधि श्री के० पी० तोमस कोचियिल हाउस, नं० 25, पालालम्मा टेपुल रोड, बंगलूरु-4। (अन्तरक)

2. सर्वेश्वर सुपुत्र श्री एस० रामस्वामी, नं० 1755, नारायण भानशन, पहला ब्लाक, राजाजी-नगर, बंगलूर-10।
- (2) एस० आर० मुरलीधर सुपुत्र श्री एस० रामस्वामी नं० 40/9, 39वां कास, 6वां ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-4।
- (3) आर० गोवर्धन सुपुत्र श्री एस० रामस्वामी, नं० 35, 2रा मैन रोड, न्यू तरगुपेट, बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

4. अमीर पाषा, नं० 10, लक्ष्मी रोड, तीसरा कास, शान्ती-नगर, बंगलूर-27। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1091/75-76 तारीख 19-6-1975)

मकान नं० 7 (पुराना), ओबलघर से आउट, नया नं० 10 स्वस्थी रोड और अब नं० 10 लक्ष्मी रोड, तीसरा कास, शान्ती-नगर, बंगलूर-27 (दिव्यजन नं० 62)।

अवस्थान धेनफल :—

पूर्व से परिवर्त्म :—51 फुट
उत्तर से दक्षिण : 75 फुट } 4825 वर्ग फीट।

गृह धेन : 9 स्कोयर्स

सीमाएं :

पूर्व : सड़क

पश्चिम : शंकरप्पा की संपत्ति।

उत्तर : डा० गुरुदास की सम्पत्ति।

दक्षिण : डा० लिंगप्पा की सम्पत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर

तारीख : 28-1-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 27 जनवरी, 1976

निर्धेण सं० सी० आर० 62/4638/75-76/ए सी क्य०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० पुराना नं० 11/14, नया नं० 21 है, तथा जो
मारियम्मा टेपुल स्ट्रीट, आर० टी० स्ट्रीट शास, कुम्भारपेट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-6-1976 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकुल विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वेषक
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पक्षह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त
अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्त 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वधी (1) सक्षमा पत्ती स्व० बी० एम० मारियपा
- (2) श्रीमती वेंकटम्मा
- (3) श्रीमती इन्दिरम्मा,
- (4) बी० एम० मुनिराज०
- (5) श्रीमती युलम्मा पत्ती बी० एम० मारियपा
- (6) श्रीमती राजलक्ष्मा
- (7) बी० एम० पापशा,
- (8) कुमारी सरला प्रेमा

(9) कु० लक्ष्मी देवम्मा
(10) मारिस्वामी
(11) परमेश्वरा । (सं० 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 10 व 11
श्री स्व० बी० एम० मारियपा के पुत्र हैं), सं० 8, 9, 10 व 11
(अल्पवयस्क) प्रतिनिधि माना यल्लम्मा व भाई बी० एम०
मुनिराज० नं० 2877/7, 6 क्रास चामुंडीपुरम, मैसूर।
(अन्तरक)

2. श्री ए० कृष्णम्या सेट्टी सुपुत्र श्री ए० सुम्मम्या सेट्टी
ग्रन्मवारपेट, कोलार शहर, कोलार। (प्रत्यरिती)

3. (1) कृष्णम्मा, (2) सुम्मम्मा, (3) वायम्मा। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45
दिन की अवधि तक संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ हींगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1330/75-76-सारीख 21-6-1975)
मकान नं० 11/14 (पुराना नं०), नं० 21 (नया नं० 3),
मारियम्मा टेपुल स्ट्रीट, आर० टी० स्ट्रीट शास, कुम्भारपेट, बंगलूर
(डिवीजन नं० 16)

अवस्थान थेवफल :—

पूर्व से पश्चिम :	56 फुट
उत्तर से दक्षिण :	पूर्व भाग में : 17 फुट
	उत्तर से दक्षिण : पश्चिम भाग में :
	16 फुट 6 इन्च
	938 वर्ग फीट

सीमाएं :

पूर्व : श्री बी० के० सुब्रह्मण्य शेट्टी का मकान

पश्चिम : श्री ईश्वरपा का मकान

उत्तर : मैसर्स बी० एस० अन्द्रशेखर गुप्ता व श्री बी० एस०
शिवकुमार का मकान।

दक्षिण : श्री मुकुरी व अन्य लोगों का घर।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 27-1-1976

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी, 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4478/75-76/ए० सी० क्य०/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 93/2 बी० है, तथा जो बजपे गांव, बजपे
मंगलूर तालूका (द० कन्नड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी
के कार्यालय, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 21-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँदह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० सुशीला पत्नी डा० बी० एम० हेगडे, प्रतिनिधि-
पति डा० बी० एम० हेगडे, बजपे गांव, मंगलूर तालूका (दक्षिण
कन्नड़ जिला) (अन्तरक)

2. बेनिडिक्टा रेबेल्लो पत्नी श्री लारस्स रेबेल्लो, कल्सोडि
हौस, बजपे गांव, मंगलूर तालूका, दक्षिण कन्नड़ जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 411/75-76 तारीख 21-6-75)

सूखी जमीन—1 एकड़ व 75 सेट्स, सर्वे नं० 93/2 बी०,
बजपे गांव, पो० बजपे, मंगलूर तालूका, दक्षिण कन्नड़ जिला में
स्थित।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी०एन०एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० प्रा० 62/4493/75-76/ए सी क्य००/
बी०—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सं० नं० 98-2 है, तथा जो निरंजन निलयम,
मुलूरु, उडुपी तालुका में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 12-6-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुलूरु बित्री गुदू श्रीघर शेट्टी (महाबल शेट्टी का
दामाद) सुपुत्र दोड्कक शेट्टी, मुलूरु गांव, उडुपी तालुका (दक्षिण
कन्नड़ जिला)।
(अन्तरक)

2. श्रीमती रत्नी लोकु शेट्टी, पत्नी लोकु शेट्टी (सुपुत्री श्रीमती
शेट्टी), नं० 201, मकान नं० 8, पश्चन सहकारी गृह, निर्माण मंडली
सिमिटेड, चिचोली फाट के पास, मलाद (डॉल्यू०), अस्ट्रें-64।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 289/75-76 तारीख 12-6-75)

सूची जमीन नारियल के अधिकारी के साथ—1 एकड़ 17 सेंट्रस
सं० नं० 98-2 में 'निरंजन निलयम', मुलूरु, उडुपी तालुका,
दक्षिण कन्नड़ जिला में स्थित :—

मकान : 1250 वर्ग फीट।

कुटी : 600 वर्ग फीट।

कुल : 1850 वर्ग फीट।

प्रा० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़, बंगलूरु

तारीख : 4-2-1976

मीहूर

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 4 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4835/75-76/ए० सी० क्य०/
वी०—यह मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 143 है, तथा जो यादवगिरि एक्सटेंशन, देवराज मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छूट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

1. (1) श्रीमती के० नरसम्मा

(2) श्री एम० जी० रवीन्द्रनाथ (पुत्र)

(3) कुमारी एम० जी० इन्दिरम्मा (पुत्री)

नं० 1/20 गवनमेंट क्वार्टर्स, दूसरी मंजिल, पहला ब्लाक, विलसन गाडम, बंगलूर।
(अन्तरक)

2. (1) टी० वी० आंजनेयलु

(2) व० वी० सुन्दरराज

(3) के० आर० यतिराज

नं० 119, डा० डी० वी० गुणेष्ठा रोड, बसंवगुडी, बंगलूर-4।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 931/75-76 तारीख 12-6-1975)

मकान (कोने के अवस्थान पर) नं० 143 यादवगिरि एक्स-टेंशन, देवराज मोहल्ला, मैसूर।

अवस्थान कोनफल :

$$\begin{array}{r} 123' \quad 124' \\ \hline 2 \end{array} 7' \times 90' = 10800 \text{ वर्गफीट}$$

गृह कोन : 3½ स्कोर्यर्स

सीमाएँ :

पूर्व : सड़क

पश्चिम : अवस्थान नं० 133

उत्तर : अवस्थान नं० 142

दक्षिण : सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सभी प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 4-2-1976

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज़, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1976

निवास सं० सी० आर० 62/4480/75-76/ए सी अग्र०/
बी—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सं० नं० 7/1 में भी है, तथा जो भिन्न मंगला मानावर्त्त कावल, के० आर० पुरम होम्ली, बंगलूर विभिन्न तालुका, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर सौन तालुका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गेंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्री अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सत्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14—496GI/75

1. सर्वेशी

(1) बी० सी० किलाआद्स सुपुत्र श्री एलिमेंट
(2) के० एल० सवास्टियन }
(3) के० एल० जोसफ }
(4) के० एल० सैमन } श्री ऊ नीन के पुत्र
कृष्णमूर्ति कालोनी, वैश्यपन हल्ली, न्यू एक्सटेंशन, बंगलूर
में रहने वाले। (अन्तरक)

2. श्री आन्डरस डेविड, सुपुत्र श्री बी० ए० आन्डरस
नं० 16 छन्कड़ी रोड, बंगलूर। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1732/75-76 तारीख 17-6-75)

खाली अवस्थान नं० बी०-स० नं० 7/1, विश्वमंगला, मानवत्ते कावल, के० आर० पुरम होम्ली, बंगलूर सौन तालुका में स्थित।
अवस्थान क्षेत्रफल :—

पूर्व : 82 फुट

पश्चिम : 119 फुट

उत्तर : 93½ फुट

दक्षिण : 64 फुट+ 9 फुट+ 30 फुट+ 12½ फुट+
16 फुट = 131½ फुट

या 1165 वर्ग गज।

मीमांसा :

पूर्व : 14 फुट चौड़ी सड़क

पश्चिम : प्रधान सड़क

उत्तर : मेरी घिक्टर का मकान

दक्षिण : मैसर्स चौधरी व आर० स्वामिनाथन की जमीन
पिलवाड़ा जो श्री चर्नग का है।

आर० कृष्णमूर्ति
मक्कम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 फरवरी 1976

निर्देश सं० सी० आर० 62/4497/75-76/ए० सी० क्य०/
वी०—यतः, मुझे आर० कृष्णमूर्ति
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० न० 7 है, तथा जो मल्लसान्द्रा गांव, नीलमंगला
तालुका, बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नीलमंगला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 23-6-1975 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्नह प्रसिद्ध अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा
गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित घ्यक्षितयों, अर्थात्:—

1. श्री एन० पुट्टम्मा सुमुक्त श्री नंजुण्डम्मा, सोडेकोप्पा,
नीलमंगला तालुका, बंगलूर जिला। (अन्तरक)

2. श्री जी० चन्नसोमशा, नं० 6-II मैन रोड, चामराजपेट,
बंगलूर-18। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताभरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1028/75-76 तारीख 23-6-1975)

सूची जमीन व गीली जमीन—12 एकड़, 94 गुण्टास—
300 नारियल के मेड़, मल्लसान्द्रा गांव, दासनपुरा होब्ली, नील-
मंगला तालुका, बंगलूर जिला में स्थित।

पूर्व : श्री रमेशमुनियप्पा की जमीन

पश्चिम : श्री पार्वतया व सोडेकोप्पा सीम की जमीन

उत्तर : सोडेकोप्पा की सीमा।

दक्षिण : श्री होश्यया की जमीन।

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 7-2-1976

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन्म रेज-1, दिल्ली-1

५/१४ ए, नासकगढ़ी मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1976

निर्दश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/१/जुलाई-१/(37)/७५-
७६—अत. मुझे, च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
से अधिक है।

और जिसकी सं० 10 है तथा जो तानसेन मार्ग, बगली
मार्किट नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनूसूची
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नी अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-७-७५
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फल्ह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वारतविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अनु: अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राज कुमारी, पत्नी श्री ओम प्रकाश, निवासी
100, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या बती, पत्नी श्री बाबू लाल, निवासी
968, क्चा पाटी राम, बाजार सीता राम, दिल्ली-१।
(अन्तरिती)

3. श्री गुरदियाल सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

वा। यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के
लिए कार्यवाहिना करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के सबन्ध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधिवृहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपर्होकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परि-
भापित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का टूकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1190 वर्ग गज है और
प्लाट नं० 69-ए है, फ्लाका नं० 205-सी० है, जिसके साथ मैं
बिल्डिंग बनी है जिसका नं० 10 है। इसमें बिजली तथा पानी का
कनेक्शन भी है, तानसेन मार्ग, बगली मार्किट, बाबर रोड, नई
दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है:—

पूर्व सर्विस रोड

पश्चिम : मूर्ख सड़क

उत्तर : फ्लाट नं० 69

दक्षिण : भरकारी जमीन

च० वि० गुप्ते,
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन्म रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-२-1976

मोहर :

CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th February 1976

No. A-19036/15/75-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special

Police Establishment hereby appoints Shri S. K. Mehta, a deputationist Inspector of Gujarat state Police as Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 2-2-76, until further orders.

The 17th February 1976

No. 1/5(2)/73-AD. I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director Central Bureau of Investigation & I.G.P., SPE, hereby appoints in a substantive capacity on permanent absorption, the following deputationist officer from the State Police of Tamil Nadu to the post of Dy. Superintendent of Police in SPE/CBI with effect from 23-2-74.

Sl. No.	Name of the Officer	Present place of posting	State from which on deputation	Branch wherein lien kept on the permanent post of Dy. SP in CBI
1	2	3	4	5
I.	Shri P.V. Narayanaswamy	Cochin	Tamil Nadu	Cochin

G.L. AGARWAL
Administrative Officer (E), C.B.I.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 16th February 1976

No. 2/10/76-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri B. K. Bhatnagar, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 2nd February, 1976, until further orders.

SHRI NIVAS
Under Secretary
for Central Vigilance Commissioner

Dhanbad a Class II Officer on attaining the age of superannuation retired from service under the Coal Mines Welfare Organisation, in the Forenoon of 1st December 1975.

The 13th February 1976

No. Adm. 12(15) 71.—Shri R. P. Bhagat, Officiating Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital Kalla, Asansol has been appointed as Junior Analyst, Work Study Unit, Coal Mines Welfare Organisation, Dhanbad on ad-hoc basis w.e.f. 22-1-76 (Forenoon).

R. P. SINHA
Coal Mines Welfare Commission.

DIRECTORATE OF PRINTING

New Delhi, the 25th February 1976

No. 18/4/74-All.—The Director of Printing is pleased to appoint the following officers in the substantive capacity in the post of Assistant Manager (Admn.) with effect from 23-6-1975 (F.N.).

S. No. & Name of the Officer
(i) Shri M. B. L. Srivastava
(ii) Shri R. C. Midde.
(iii) Shri Kalidas Sen.

R. K. CHIB, Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE A.G.C.R.

New Delhi, the 15th December 1975

No. Adm. I/O.O.-744/5-S/Promotion/3245.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Sh. N. C. Nandi a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer, in the time scale of Rs. 840—1200, w.e.f. 11-12-75 (A. N.) until further orders.

H. S. DUGGAL
Sr. Dy. Accountant General (A)

LABOUR BUREAU

Simla-1710004, the March 1976

No. 23/3/76-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 decreased by eight points to reach 298 (Two hundred and ninety eight) during the month of January, 1976. Converted to base : 1949=100 the Index for the month of January, 1976 works out to 362 (Three hundred and sixty two).

A. S. BHARADWAJ, Jt. Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 11th February 1976

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/326/56-Admn(G)/1202.—The President is pleased to retire Shri B. N. Das Ghosh, a permanent officer of the Section Officer's Grade of the C.S.S. and Controller of Imports and Exports (CSS) in this office from Government service with effect from 13-12-1975 (forenoon), under clause (j) of rule 56 of the Fundamental Rules.

P. K. KAUL
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 10th February 1976

No. Adm. 12(2) 74.—Shri Shiva Shankar, Secretary to the Medical Superintendent, Central Hospital (T.B. Wing)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay 400020, the 13th February 1976

No. CLB I/1/6 G/76.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to The Textile Commissioner's Notification No. CLB-I/1/6-G/71 dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 19, in column No. 2 for the existing entry at item (1), the following entry shall be substituted, namely :—

2	3	4
"(i) The Director of Handloom and Textiles	West Bengal	12(6), 12(6A), 12(7A), 12(7AA), 12C & 12E"

No. 18(1)/73-75-CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of The Textile (Production by Powerloom) Control Order, 1956 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the table appended to the said Notification, against S. No. 19, for the existing entry in column 2, the following shall be substituted, namely :—

"The Director of Handloom and Textiles, Government of West Bengal, Calcutta."

A. K. CHANDRA
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 12th February 1976

No. A-1/1(424).—Shri Rajeshwar Kishore, permanent Deputy Director (Sales Tax) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 13th February 1976

No. A-1/1 (507).—Shri Stephen Mukherjee permanent Junior Field Officer (Progress) and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st January, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ADMINISTRATION SEC. A-6

New Delhi, the 12th February 1976

No. A-17011/95/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri J. L. Mahana, Examiner of Stores (Textile) in N.I. Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Textile) in the office of Director of Inspection, N. I. Circle New Delhi with effect from the forenoon of the 27-1-76 until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-13, the 31st January 1976

No. 601/B/51/62/19A.—Shri S. Das Gupta, Assistant Administrative Officer, Geological Survey of India is appointed

ed as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-12-1975, until further orders.

The 2nd February 1976

No. 722/B/2222(MK)/19A.—Shri Mukul Kishore, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16th December, 1975, until further orders.

No. 728/B 51/62/19C.—The following Officers of the G.S.I. are confirmed in the post of Administrative Officer (Gazetted Class-II) in the G.S.I. w.c.f. the dates shown against each :—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1.	Shri Kimat Rai	1-9-74
2.	Shri S. U. Vasudev	1-11-74
3.	Shri S. K. Ghosh	3-1-75
4.	Shri P. R. Ratnaswamy	14-2-75
5.	Shri P. P. Nair	14-2-75
6.	Shri I. B. Chakraborty	14-2-75

The 9th February 1976

No. 846/2222(VKK)/19A.—Shri Vijay Kumar Kollapuri, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed as an Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8th January, 1976, until further orders.

V. K. S. VARADAN
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 13th February 1976

No. F.11-17/75-A.1.—Shri Kabir Kausar, Asstt. Archivist Grade I (Oriental Records) is appointed to officiate as Archivist (Oriental Records) (Class II Gazetted) on purely ad hoc basis with effect from the forenoon of the 2nd February, 1976 and until further orders [vice Shri R. R. Agarwal, Archivist (O.R.) on leave]. This ad-hoc appointment will not confer any right for claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

(Sd/-) ILLEGIBLE
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th February 1976

No. 11/19/76-SII.—In exercise of the powers conferred by Clause (j)(i) of the rule 56 of the Fundamental Rules, Shri R. S. Mansukhani, Assistant Engineer, has been compulsorily retired from service with effect from 20-12-75.

No. 11/19/76-SIII.—In exercise of the powers conferred by Clause (j)(i) of rule 56 of the Fundamental Rules, Shri Ghulam Mohiuddin, Assistant Engineer has been compulsorily retired from service with effect from the 19-12-1975.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Admin.
for Director General

New Delhi, the 12th February 1976

No. 4/45/75-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Shri M. S. Sreeram as Programme Executive, All India Radio, Vijayawada in a temporary capacity with effect from the 2nd February, 1976 and until further orders.

P. K. SINHA
Deputy Director of Administration
For Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 16th February 1976

No. F.20/I(26)/75-CGHSI(Vol.1).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Indu Arya to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme Delhi under this Directorate, on purely temporary basis, with effect from the forenoon of 17th November, 1975 and until further orders.

K. VENUGOPAL
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 13th February 1976

No. 15-5/75-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. Vedachalam to the post of Administrative Officer at the Hospital for Mental Diseases, Ranchi, with effect from the forenoon of the 10th December, 1975, and until further orders.

The 17th February 1976

No. 17-35/74-Admn.-I.—The President is pleased to appoint Kumari N. Mani Rao in a substantive capacity to the permanent post of Deputy Assistant Director General (National Health Programme) in the Central Health Education Bureau of the Directorate General of Health Services with effect from the 4th June, 1971.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION AND QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 13th February 1976

No. 7-84/61-Adm.I.—In pursuance of sub-rule (i) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965 and the Central Civil Services (Temporary Service) Amendment Rules, 1971, I hereby give notice to Shri V. K. Jain, a temporary Junior Technical Assistant in the Locust Warning Organisation, Jodhpur, a subordinate office of the Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which

the notice is served on or, as the case may be, tendered to him.

A. LAKSHMAYYA
Chief Administrative Officer

Bhabha Atomic Research Centre

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 22nd January 1976

No. PA/79(15)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kedarnath Laxman Kotekar, a permanent Lower Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre with effect from the forenoon of September 22, 1975 to the forenoon of November 12, 1975.

No. PA/79(15)/75-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Kachupadarathu Mathai John, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre with effect from the forenoon of September 1, 1975 to the afternoon of November 11, 1975.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 3rd February 1976

No. PPED/3(235)/76-Adm.1513.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a Quasi-permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of October 4, 1975 until further orders in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960.

The 16th February 1976

No. NAPP/18/123/75-Adm./823.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Venugopalan, a Stenographer Senior in the Bhabha Atomic Research Centre as Assistant Personnel Officer in the Navra Atomic Power Project in a temporary capacity on an initial pay of Rs. 650/- per month in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from November 24, 1975 (FN) until further orders.

N. G. PARULEKAR
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th February 1976

No. A.32013/11/35-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/9/73-EC dated 16-1-1975, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 30th April, 1976 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier:—

1. Shri R. S. Ajmani, Senior Technical Officer, A.C.S., Bombay.
2. Shri H. V. Sudershan, Senior Technical Officer, A.C.S., Bombay.
3. Shri Suresh Chandra, Senior Technical Officer, R.C. & D.U., New Delhi.

The 6th February 1976

No. A.32013/17/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. Anjaiah, Assistant Director of Communication, Civil Aviation Department as Deputy Director of Communication with effect from the 31-1-1976 (A.N.) on an *ad-hoc* basis and until further orders and to post him in the same office.

H. L. KOHLI
Dy. Director (Administration)

CIVIL AVIATION DEPARTMENT

New Delhi, the 12th February 1976

No. A.32014/1/75-FA.—The Director General of Civil Aviation hereby promotes Shri K. P. Ghosh Dastidar, a permanent Senior Fire Foreman to the post of Assistant Fire Officer, Class II, Gazetted post, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB 40—1200, in an officiating capacity, with effect from the 31st January, 1976 and until further orders. Shri Dastidar is posted at Civil Aerodrome Gauhati

C. K. VATSA
Asstt. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 13th February 1976

No. 8/1976.—Shri J. N. Bhattacharya, an officiating Officer Superintendent, posted in the Central Excise Collectorate Headquarters Office, Allahabad, appointed to officiate as Administrative Officer of Central Excise, until further orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this office Establishment Order No. 2/1976, dated 1st January, 1976—issued under endorsement C. No. II(3)30-Ft/75, dated 2-1-1976, took over charge of the office of the Administrative Officer of Central Excise, Rampur in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur, on 15-1-1976 (forenoon), relieving Shri A. N. L. Bhatnagar, Superintendent, Central Excise, Group B of the additional charge

No. 9/1976.—Shri Syed Zafar Ali, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, appointed to officiate as Superintendent, Central Excise, Class II (now Group B) until further orders in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—FB—40—1200, *vide* this office Establishment Order No. 347/1975, dated 9-12-1975—issued under endorsement C. No. II(3)2-Et/75, dated 9-12-1975, took over charge of the office of the Superintendent, Class II (now Group B) of Customs Circle Varanasi, in the Customs Division, Gorakhpur, on 31-12-1975 (forenoon), relieving Shri U. S. Agarwal, Superintendent Central Excise Group B, Preventive Integrated Divisional Office Varanasi of the additional charge

H. B. DASS
Collector

NORTHERN RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 13th February 1976

No. 3.—The following officiating Asstt. Personnel Officers in Class II service on the Northern Railway are confirmed Provisional/ final w.e.f. the date shown against each.

S. No.	Name	Date of confirmation Prov./Final	Dept. in which confir- mation
1	2	3	4
S/Shri			
(1)	J.P. Sharma	Already confirm- ed from 19-11-72 in Civil Engg. Deptt. 14-12-72	Civil Engg. Deptt.
(2)	Satnam Singh	1-4-75	IRSME Deptt.
V.P. SAWHNEY General Manager			

**DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Central Construction Company Private Limited*

Bombay-2, the 12th February 1976

No. 3539/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Central Construction Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Addl. Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Wheato Laboratories Limited (In Liquidation)*

Jullundur, the 12th February 1976

No. Stat/1320/L/560/912.—Whereas Wheato Laboratories Limited (In Liquidation) having its registered office at Ferozepore Cantt is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that liquidations statements of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section 4 of section 560 of Companies Act, 1956. Notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Wheato Laboratories Limited (In Liquidation) will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. S. MATHUR
Registrar of Companies, Punjab
Himachal Pradesh & Chandigarh
Jullundur City.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Sughand Kamal Chit Fund Private Limited*

Jaipur, the 12th February 1976

No. Stat/1234/1456.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sughand Kamal Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s
Kajaria Engineering Company Private Limited*

The 13th February 1976

No. Stat/1273/1540.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956.

that the name of M/s. Kajaria Engineering Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur

In the matter of Companies Act, 1956 and of Nowagarh Coal and Minerals Ltd.

Calcutta, the 31st January 1975

No. 13708.—By an order dated the 20th March, 1973 of the Hon'ble High Court, Calcutta the name of Nowagarh Coal and Minerals Ltd. has this day been restored to the register of Companies under section 560 sub-sec. (6) of the Companies Act, 1956.

Sd/- G. L. Sadhu
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay, the 15th December 1975

No. F.71-Ad(AT)/74.—In the Notification No. F.71-Ad (AT)/74 dated the 5th May, 1975 of the Income-tax Appellate Tribunal in line 3 :

*Delete the word "Amendment" appearing before "Rules".
—In place of "1975" read "1963"*

By the order of the Appellate Tribunal
(Sd/-) ILLEGIBLE
Registrar
Income-tax Appellate Tribunal
Bombay

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Corrigendum to notice under Section 269D(1) dated 22-4-1974 published on page 2865 and page 2903 of Part III Section I in the Gazette of India dated 11-5-1974 in respect of the property purchased by M/s Irsha Cooperative Housing Society Limited.

Names of the transferors should read as under :

- (1) Hemlata Hiralal Mehta.
- (2) Hiralal Motiram Mehta.
- (3) Ajit Hiralal Mehta
- (4) Batuk Hiralal Mehta

M. J. MATHAN,
Inspecting Assistant Commissioner,
of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

FORM ITNS

(1) Raj Kumari, w/o Late Shri Om Parkash,
r/o 100, Sunder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 20th February 1976

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/(37)/July-I/75-76.—Whereas,
I, C. V. GUPTA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act)
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 10, situated at Tansen Marg, Bengali Market, New Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
New Delhi on 14th July 1975,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
15—496GI/75

(2) Smt. Kaushalya Wati w/o Sh. Babu Lal,
r/o 968, Kucha Pati Ram, Bazar Sita Ram,
Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Gurdial Singh,
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 1190 sq. ft. bearing plot
No. 69A, Block 205-C, along with the structure of building
bearing No. 10, fitted with electric & water connections,
situated at Tansen Marg, Bengali Market, Babar Road,
New Delhi and bounded as under:

East : Service Road

West : Main Road

North : Plot No. 69

South : Govt. Land.

C. V. GUPTA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 20-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Ltd.
40F, Connaught Place, New Delhi.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 20th February 1976

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. III/August-I/(13)/75-76.—
Whereas, I, C. V. GUPTE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S-523-A, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Delhi in June 1975,
New Delhi on 7-8-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Nirmal Singh Parmar, s/o
Shri Bakhtawar Singh, r/o B-5/168,
Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. 523-A, Block No. 'S' measuring
474.6 sq. yds, in the residential colony known as
Greater Kailash-II, New Delhi, situated in Village Bahapur
in the Union Territory of Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. S/523
West : Plot No. S/521
North : Road
South : Service Lane.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Sucha Singh S/o Sh. Wadhawa Singh,
r/o Vill. Poonawal Sub Teh. Dhuri, Distt. Sangrur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH,
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 20th February 1976

Ref. No. DHR/1513/75-76.—Whereas, I, V. P. MINOCHA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Land measuring 27 bighas 15 biswas
situated at Poonawal, Sub Teh. Dhuri, Distt. Sangrur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Dhuri in June 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Sh. Babu Singh, Inder Singh Virinder Singh,
S/o Gurdial Singh, Gurdial Singh, Dyak Singh
Sukhdev Singh s/o Chanan Singh,
all residents of Village Poonawal,
Sub Tehsil Dhuri, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the Said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 27 bighas 15 biswas situated in village
Poonawal, Sub Tehsil Dhuri, Distt. Sangrur.
(Property as mentioned in the registered Deed No. 948
of June 1975 of the Registering Authority Dhuri).

V. P. MINOCHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 20-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Annarao Sharma, W/o Sh. V. S. Sharma,
R/o B/L/3-Hari Nagar 'L' Block, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC.III/SR.II/June/900(14)/75-76.—Whereas, I. S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E/L/5, Block 'L' situated at Hari Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 13-6-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Hans Raj Gosain, s/o Sh. Tara Chand Gosain,
2. Sh. Darshan Lal Gosain s/o Sh. Hans Raj
Gosain, and
3. Sh. Som Nath Gosain s/o Sh. Hans Raj
Gosain,
all residents of V. & P.O. Sohana Mali,
Tehsil Gohana, Dt. Sonepat (Haryana).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of land 425 sq. yds (45' x 83') bearing plot No. E/L/5 of Khasra Nos. 876 to 879, situated in 'L' Block Hari Nagar, Delhi area of village Tehar, Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane 15' wide
South : Road 36' wide
East : Plot No. E/L/6
West : Plot No. E/L/4.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
New Delhi

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX,
 ACQUISITION RANGE-III,
 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
 NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 13th February 1976

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/June/330(4)/75-76.—
 Whereas, I, S. C. PARIJA,
 being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961), (hereinafter referred to the said Act), have
 reason to believe that the immovable property having a fair
 market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 5/1, situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi
 (and more fully described in the
 Schedule annexed hereto) has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 Registering Officer at New Delhi on 18-6-1975,
 for an apparent consideration which is less
 than the fair market value of the aforesaid property and I
 have reason to believe that the fair market value of the property
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
 by more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to between
 the parties has not been truly stated in the said instrument
 of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohinder Kaur alias Harminder Kaur d/o S. Khazan Singh w/o S. Tirlok Singh, r/o 150, Sukhumvit Road, Bangkok (Thailand) through her G.A. S. Gurdip Singh s/o S. Gurbax Singh, r/o 5/1, WEA, Karolbagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sukhdev Singh (minor) s/o late Sudershan Singh, r/o 5/1, WEA, Barol Bagh, New Delhi under the guardianship of Shri Suramit Singh s/o Gurbux Singh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 undivided share of a 2½ storeyed house measuring 254.16 sq. yds. Khatauni No. 954, Khasra No. 1633/1147, situated at 5/1, WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded us under :—

East : Plot No. 2
 West : Road
 North : Service Lane
 South : Road.

S. C. PARIJA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 Delhi/New Delhi

Date : 13-2-1976
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi-1, the 13th February 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June/331(5)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
5/1 situated at W.E.A., Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 18-6-1975,
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property
and I have reason to believe the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) Smt. Mohinder Kaur alias Harminder Kaur d/o
S. Khazan Singh w/o S. Tirlok Singh,
r/o 150, Sukhumvit Road, Bangkok (Thailand)
through her G.A. S. Gurdip Singh s/o
S. Gurbax Singh, r/o 5/1, WEA, Karolbagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurdit Singh (minor) s/o
late Sudershan Singh, r/o 5/1, WEA, Karol Bagh
New Delhi under the guardianship of Shri Suranivit
Singh s/o Gurbux Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 undivided share of a 2½ storeyed house measuring
situated at 5/1, WEA, Karol Bagh, New Delhi and bounded
as under:—

East : Plot No. 2
West : Road
North : Service Lane
South : Road

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. Minocha s/o Shri M. C. Minocha,
K-12 N.D.S.E. Part I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mohan Singh s/o S. Nagaiyah Singh,
H No. 52, Road No. 42, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 16th February 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June/312(8)/75-76.—
I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
P/90-A situated at N.D.S.E. Part II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
New Delhi on 7-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land bearing plot No. 90-A, Block-P
measuring 179 sq. yds. situated in the residential colony
known as New Delhi South Extension, Part-II, New Delhi
and bounded as under :—

East : House No. P-90
West : House No. P 90-B
North : Road
South : Service Road.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 16-2-1976

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-1

New Delhi, the 16th February 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.III/June/315(11)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XV/2396-98 & 2398/1, situated at Tilak Street, Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) Shri Ajodbia Parkash Bahl s/o late Kharaiti Ram Bahl, r/o 2428, Tilak Street, Chunamandi, Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Kumar Jain s/o Sh. Jagdish Prasad Jain, r/o 843, Mantola, Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

(3) As per annexure 'A'
S. No. Name of the Tenant

1. Shri Charan Dass Khanna, S/o Shri Malawa Ram.
2. Shri Satya Paul Khanna s/o Shri Bhagat Ram Khanna.
3. Shri Joginder Paul s/o Shri Garib Dass.
4. Shri B. C. Vadhra, s/o Shri P. N. Vadhra.
5. Shri Gurcharan Dass s/o Shri Babu Ram.
6. Shri Dayal Saran s/o Shri Hans Raj.
7. Smt. Shanti Devi w/o late Krishan Chand Kakkar.
8. Shri Naresh Chand s/o Shri Diwan Chand.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 2½ storeyed house built on a plot of land measuring 417 sq. yds, bearing Khasra No. 488, Property No. XV/2396-98 and 2398/1, situated on Tilak Street, Chunamandi, Paharganj, New Delhi and bounded as under:—

East : Street
West : Property No. XV/2338/40
South : Property No. XV/2399-2402
North : Property No. XV/2395.

S. C. PARIJA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kartar Singh & Jai Singh sons of
Shri Bhani,
R/o Village Lohar-Heri, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI-1 (10001)

New Delhi-1, the 13th February 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.II/Junc/913(10)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 15 Bigha 6 biswas,
situated at Village Lohar-Heri, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

16—496 GI/75

(2) Shri Bhagwat Sarup, Brahm Parkash & Sri Kishan sons of Sh. Ram Dutt,
R/o Village Possangipur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 15 bighas 6 biswas comprising Mustatil No. 17, Kila No. 11(2-1/8) Mustatil No. 18, Kila No. 5(6-4), 6(4-17), 15/1 (1-17), situated in the revenue estate of Village Lohar-heri, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 13th February 1976

Ref. No. IAC.ACQ.III/SR.II/June/912(11)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 15 Bigha 6 biswas, situated at Village Lohar-Heri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 28-6-1975, for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Kartar Singh & Jai Singh sons of
Shri Bhani,
R/o Village Lohar-Heri, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwat Sarup, Brahm Parkash & Sirl Kishan sons of Sh. Ram Dutt,
R/o Village Possangipur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land measuring 17 bigha 2 biswas comprising Mustatil No. 7, Killia No. 24(2-14), 25(4-16), Mustatil No. 17, Killia No. 1 (4-16), 10(4-16), situated in the revenue estate of Village Lohar-heri, Delhi State, Delhi.

S. C. PARIJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date : 13-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Joginder Singh S/o Sh. Gurbachan Singh
S/o S. Bohag Singh,
R/o Gukhalan P.S. Sadar Jullundur & General
Attorney Mohinder Singh S/o Gurbachan Singh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1504.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at V. Sham Chaurasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following person, namely :—

- (2) 1. Shri Bagh Ram S/o Sh. Sabu Ram,
S/o Chetar Ram
2. Sh. Butta Ram S/o Sh. Chandi Ram,
3. Sh. Thala Ram S/o Sh. Chandi Ram
4. Sh. Jatto Ram S/o Sh. Mahla Ram
S/o Sant Ram.
5. Sh. Kashmiri Lal S/o Sh. Machi Ram
6. Sh. Munshi Ram S/o Sh. Belu Ram,
7. Sh. Hari Chand and
8. Sh. Hukum Rai, S/o Shri Gandu Ram,
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

- (4) Anybody interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Deed No. 991/June, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM JTNS

(1) Shri Joginder Singh S/o Sh. Gurbachan Singh
V. Gakhali, Tehsil Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP/1505.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Sham Chaurasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Bagh Ram s/o Sh. Sabu Ram,
2. Sh. Buta Ram S/o Sh. Chandi Ram.
3. Sh. Thala Ram S/o Sh. Chandi Ram
4. Sh. Jattu Ram S/o Sh. Mahla Ram
5. Sh. Kashmire Ram S/o Sh. Machi Ram
6. Sh. Munshi Ram S/o Sh. Bela Ram,
7. Sh. Hari Chand and
8. Sh. Hakim Ram,
Sons of Ganda Ram,
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2,

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 1093/June, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP/1506.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at V. Sham Chaurasi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Joginder Singh, Mobinder Singh SS/o
Sh. Gurbachan Singh,
R/o Vill. Gakhai, Tehsil Jullundur,

(Transferor)

(2) 1. Shri Bagh Ram S/o Sh. Sabu Ram,
2. Sh. Boota Ram S/o Sh. Chandi Ram,
3. Sh. Thala Ram S/o Sh. Chandi Ram
4. Sh. Jattu Ram S/o Sh. Mahla Ram,
5. Sh. Kashmin Lal S/o Sh. Machi Ram,
6. Sh. Manshi Ram S/o Sh. Jhanji Ram,
7. Sh. Hari Chand and
8. Sh. Hakim Rai,
Sons of Sh. Ganda Ram,
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferee)

(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as mentioned in the Regd. Deed No 884/June, 1975 of S. R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh S/o
Sh. Gurbachan Singh,
R/o Vill. Gakhalan, Dist Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1507.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Sham Chaurasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Bagh Ram S/o Sh. Sabu Ram,
2. Sh. Buta Ram S/o Sh. Chandi Ram
3. Sh. Tabla Ram S/o Sh. Chandi Ram
4. Sh. Jattu Ram S/o Sh. Mahla Ram
5. Sh. Kashmirl Lal S/o Sh. Machi Ram
6. Sh. Munshi Ram S/o Sh. Befla Ram,
7. Sh. Hari Chand and
8. Sh. Hakim Rai,
Sons of Sh. Ganda Ram,
Sabzi (Mandi), Jullundur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2. [Person in occupation in the property]

- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Regd. Deed No. 990/June, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh S/o
Sh. Gurbachan Singh,
R/o Gakhalan P. S. Sadar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1508.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at V. Sham Chaurasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Sabu Ram,
2. Sh. Butta Ram S/o Sh. Chandi Ram,
3. Sh. Thala Ram S/o Sh. Chandi Ram
4. Sh. Jattu Ram S/o Sh. Mahla Ram
5. Sh. Kashmire Lal S/o Sh. Machi Ram
6. Sh. Munshi Ram S/o Sh. Bela Ram,
7. Sh. Hari Chand and
8. Sh. Hukum Rai,
Sons of Sh. Gandu Ram,
Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferee)

- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and as mentioned in the Regd. Deed No. 925/June, 1975 of S.R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Joginder Singh S/o S. Gurbachan Singh
R/o Gakhlan Teh. Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1509.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Sham Chaurasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Bagh Ram S/o Sh. Sabu Ram,
2. Datta Ram S/o Sh. Chandi Ram,
3. Sh. Tahla Ram S/o Sh. Chandi Ram,
4. Sh. Jattu Ram S/o Sh. Mahla Ram
5. Sh. Kashmire Lal S/o Sh. Machhi Ram
6. Sh. Munshi Ram S/o Sh. Bela Ram,
7. Sh. Hari Chand and
8. Sh. Hakim Rai,
Sons of Sh. Ganda Ram Sabzi Mandi, Jullundur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitate the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 885/June, 1975 of S. R. Hoshiarpur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS(1) Shri Joginder Singh S/o S. Gurbachan Singh
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1512.—Whereas, I, Ravinder Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos As per schedule situated at V. Sham Chaurasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) 1. Shri Bagh Ram S/o Sh. Sabu Ram,
2. Sh. Butta Ram S/o Sh. Chandi Ram,
3. Sh. Tahla Ram S/o Sh. Chandi Ram,
4. Sh. Jattu Ram S/o Sh. Mahla Ram
5. Sh. Kashmiri Lal S/o Sh. Machi Ram
6. Sh. Munshi Ram S/o Sh. Bela Ram,
7. Sh. Hari Chand,
8. Sh. Hukum Rai,
Sons of Sh. Ganda Ram,
Sabzi Mandi, Jullundur.
- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].
- (4) Anybody interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1094/June, 1975 of S. R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-2-1976

Seal

FORM ITNS—

(1) Lachhman Singh S/o Shri Nikka Ram and G. A. Smt. Harkaur R/o Nakodar Road, Jullundur.
(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi w/o Pt. Mangal Chand S/o Shri Fakir Chand R/o Civil Lines, Jullundur.

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP/1513.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 3042/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 16-2-1976
Seal :

FORM ITNS

- (1) Lachhman Singh S/o Shri Nikka Ram and G. A. Smt. Harkaur R/o Nakodar Road, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP 1514.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Shri Vinod Kumar S/o Pt. Mangal Chand S/o Shri Faqir Chand R/o Civil Lines, Jullundur.
(Transferee)

- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned vide Deed No. 3043/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP/1515.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lachhman Singh S/o Shri Nikka Ram and G. A. Smt. Harkaur R/o Nakodar Road, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar S/o Pt. Mangal Chand S/o Shri Faquir Chand R/o Civil Lines, Jullundur.
- (3) As at S. No. 2.
[Person in occupation of the property].
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3044/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lachman Singh S/o Shri Nikka Ram and G. A.
Smt. Harkaur R/o Nakodar Road, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinay Kumar S/o Shri Mangal Chand S/o Shri
Fakir Chand R/o Civil Lines, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. A.P. 1516.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

*(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property].

*(4) Anybody Interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 3045/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Yash Paul Kapoor S/o Shri Isher Dass Kapoor
R/o E. 75, Industrial Area, Jullundur City.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th February 1976

Ref. No. AP/1517.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Ravi Shanker S/o Shri Mazari Lal, Timber Merchant, Beas Teh. and Distt. Amritsar.
(Transferee)

*(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property].

*(4) Anybody Interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered Deed No. 2982/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shangara Singh S/o Shri Subeg Singh alias
R/o Mohadipur Distt. Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1510.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Sham Chaurasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) (1) Bhag Ram S/o Sabu Ram
- (2) Shri Buta Ram and
- (3) Tahla Ram S/o Chand Ram
- (4) Shri Jattu Ram S/o Shri Mahla Ram
- (5) Shri Kashmira Lal S/o Shri Machhi Ram
- (6) Shri Munshi Ram S/o Shri Bela Ram
- (7) Shri Hari Chand and
- (8) Shri Hakim Rai S/o Shri Ganda Ram, Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferee)

*(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Anybody Interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1095/June, 1975 of S. R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Joginder Singh and Mohinder Singh S/o Shri Gurbachan Singh, R/o Gakhalan Tehsil Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th February 1976

Ref. No. AP 1511.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at V. Sham Chaurasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri Bhag Ram S/o Sabu Ram
(2) Shri Buta Ram and
(3) Tahla Ram S/o Shri Chandi Ram
(4) Shri Jattu Ram S/o Shri Mahla Ram
(5) Shri Kashmire Lal S/o Shri Machhi Ram
(6) Shri Munshi Ram S/o Shri Bela Ram
(7) Shri Hari Chand and
(8) Shri Hakim Rai S/o Shri Ganda Ram, Sabzi Mandi, Jullundur.

(Transferee)

*(3) At S. No. 2.

[Person in occupation of the property].

*(4) Anybody Interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 926/June, 1975 of S. R. Hoshiarpur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. Seth Silk Store, Bazar Attari, Jullundur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 19th February 1976

Ref. No. AP 1518.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, by the following person, namely :—

- (1) Shri Girdhari Lal S/o Shri Dhanpat Rai R/o Saidan Gate, Jullundur.

(Transferor)

18—496 GI/75

- (3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

- (4) Anybody Interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2462/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/243/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 134 situated at Rani-ka-Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Inder Pal S/o Shri Kharati Ram Sud, Bhangala Teh. Patti.
(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal S/o Shri Amar Nath, Dicm Ganj, Gali No. 4, Amritsar.
(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 134 Rani-ka-Bagh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 809 of June, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely.—

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jateshwar Singh S/o Shri Jagdev Singh
R/o Kt. Sher Singh Amritsar through Shri Har-
bhajan Singh S/o Shri Gurcharan Singh 26 A Albert
Road, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

(2) Shri Ved Parkash S/o Shri Bishan Dass, 1891 Gali
Arorian Chowk Farid, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any,
[Person in occupation of the property].

(4) Anybody interested in the property,
[Person whom the undersigned knows to be in-
terested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons whichever period expires
later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in
respect of any income arising from the transfers
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said
Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 330, Scheme No. 62, Tungbala, Amritsar as men-
tioned in the Registered Deed No. 964 of June, 1975 of the
Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said
Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Rattan Chand S/o Shri Hari Chand
Radhaswami Road, on Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/245/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ‘said Act’), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Hide Market Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Joginder Singh s/o Shri Avtar Singh
R/o 57 Hide Market, Amritsar.
(Transferee)

“(3) As at S. No 2 above and Doaba Trading Co. Shri Bhupinder Singh, and Shri Chander Parkash of Kabul Trg. Co., Amritsar and any other tenant.
[Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Hide Market, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 770 of June, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rattan Chand S/o Shri Hari Chand
Radhaswami Road, on Lawrence Road, Amritsar.
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/246/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Hide Market Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in July 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Surinder Kaur w/o Shri Joginder Singh,
57, Hide Market, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and Doaba Trading Co.
Shri Bhupinder Singh, and Shri Chander Parkash of Kabul Tig. Co., Amritsar and any other tenant.
[Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Hide Market, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1112 of July, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Devi alias Kamla Wanti w/o Shri Chaman Lal Khanna, Haveli Jamadaran, Amritsar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/247/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 property situated at Krishan Nagar Khu Bhole Wala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Pami Devi w/o Shri Lachhman Dass Seth and Shri Bal Chand and Shri Raj Kumar ss/o Shri Lachhman Dass R/o Kt. Moti Ram, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and M/s Sain Baba Textiles and any other tenants. [Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 property in Krishan Nagar, Khu Bhole Wala, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1020 of June 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Hansa Rani w/o Shri Sita Ram, West Azad Nagar now at Amritsar.
(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi w/o Shri Sunder Dass and Shri Tara Chand and Ashok Kumar ss/o Shri Harjas Ram, New Abadi, Kt. Moti Ram, Amritsar.

*(3) As at S. No. 2 above and M/s Sain Baba Textiles and any other tenant(s).
[Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/248/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 property situated at Krishan Nagar Khu Bhole Wala, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 property in Krishan Nagar, Khu Bhole Wala, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1021 of June 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ABR/249/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at H. No. B-II-569, Gali No. 16, Abohar or 1968 MCA/X/69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nanak Chand s/o Shri Mehtab Rai, Smt. Veeran Bai Wd/o Shri Mehtab Rai, Smt. Sada Bai, Smt. Nara Bai d/o Shri Mehtab Rai Gali No. 16, Abohar

(Transferor)

(2) Shri Banwari Lal s/o Shri Hira Lal, Gali No. 16 Abohar.

(Transferee)

*(3) As at S. No. 2, above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-II-569 Gali No. 16, Abohar or 1968 MCA X-69 as mentioned in the Registered Deed No. 807 of June, 1975 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gurmukh Singh Chawla s/o Shri Santokh Singh 7, Santokh Singh Road, Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM.

MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/257/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at 4, Rose Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
19—496GI/75

(2) Shri Surinder Mohan (Minor) s/o Shri Chaman Lal Agarwal through Shri Chaman Lal Agarwal, (Guardian) Gali Bhabrian, Br. Lachhmansar, Amritsar.
(Transferee)

*(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].

*(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Rose Avenue, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 709 of June, of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Gurmukh Singh Chawla s/o Shri Santokh Singh 7, Santokh Singh Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Narinder Mohan s/o Shri Chaman Lal—Aggarwal R/o Gali Bhabrian, Bazar Lachhmansar, Amritsar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. ASR/258/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) herein-after referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at 4, Rose Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- *(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any [Person in occupation of the property].

- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Rose Avenue, R. B. Rattan Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 996 of June, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref No. ASR/259/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kothi No. 20 and 20A situated at Amritsar Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar at Amritsar in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanwar Rani Razdan w/o Dr. M. Razdan r/o 15/57 Civil Lines, Kanpur through Shri T. N. Shivpuri s/o Shri Sham Shanker Shivpuri r/o No. 1 A.P. Said Road, Lucknow (G.A.) (Transferor)
- (2) Smt. Tejinder Kaur Wd/o Shri Swinder Singh and Smt. Harjit Gulati w/o Shri Man Singh r/o 180/xiii Sharifpura, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenants and Smt. Satwant Kaur w/o Surjit Singh, Mohinder Singh s/o Nanak Singh Bagh Chander Singh, Amritsar (Parties impleaded). [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 20 and 20A Amritsar Cantt. as mentioned in the Registered Deed No. 972 of June, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. K. Ramesh Textile Mills, Kashmir Road,
Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

- (2) M/s. Universal Dyeing and Printing Works
Kashmir Road, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Amritsar the 16th February 1976

Ref. No. ASR/260/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property situated at Vijay Nagar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3172 of June, 1975 of the Registering Authority, Amritsar Tehsil.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. K. Ramesh Textile Mills, Kashmir Road,
Amritsar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Universal Dyeing and Printing Works
Kashmir Road, Amritsar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th February 1976

6(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/261/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property situated at Vijay Nagar Amritsar. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in August 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 5761 of August, 1975 of the Registering Authority, Amritsar Tehsil.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. R. SAGAR,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 16-2-76
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bazar Singh S/o Nardev Singh S/o Sudhama Mohi-uddinpur Tehsil Dasuya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP 1479.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act', has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing . . .

No. As per schedule situated at V. Mohindinpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mukerian in June, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Gazan Singh, Kashmir Singh, Dilbagh Singh S/o Jetha Singh V. Mansurpur Tehsil Dasuya.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.
[Person in occupation of the property].(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mohindinpur as registered vide Deed No. 916/June, 1975 of S. R. Mukerian.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dharam Singh S/o Shri Tara Singh Basti Bawa
Khel, Jullundur,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Romesh Kumar and Prem Kumar S/o Shri
Thakar Dass, R/o 279-Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

- (3) As at S. No. 2.
[Person in occupation of the property].
- (4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP 1480.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Bash Pirdad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jullundur in June 1975
for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at V. Pirdad as registered vide Deed No. 2523/June, 1975 of S. R. Jullundur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dharam Singh s/o Shri Tara Singh s/o Shri Harnam Singh R/o Basti Bawakhel, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP 1481.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedu'e situated at Basti Pirdad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri Chander Mohan, Kamal Mohan S/o Bhagat Ram s/o Bhana Mal, 314, Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) At S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at V. Pirdad as registered vide Deed No. 2524, June 1975 of S. R. Jullundur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tara Singh s/o Shri Harnam Singh, Basti Bawakhel, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Amritsar, the 16th February 1976

Ref. No. AP 1482.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) (1) Shri Kanshi s/o Shri Ram Chand
(2) Smt. Santa Rani w/o Shri Sat pal,
R/o 114, New Jawahar Nagar, Jullundur.
(3) Prem Nath s/o Ram Lal 156, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2.
[Person in occupation of the property].

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Deed No. 2520/June, 1975 of the S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—496 GI/75

Date : 16-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th February 1976

Ref. No. AP 1483.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Jullundur, No. As per Schedule situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dharan Singh S/o Shri Tata Singh, R/o Basti Bawakhel, Jullundur City. (Transferor)

(2) M/s Gulshan Rubber Industries, Basti Pirdad, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2.
[Person in occupation of the property]

(4) Anybody interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as registered vide Deed No. 2718/June, 1975 of S. R. Jullundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Tehmina Byramji Dadabhoy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishorechandra Mishrimalji Vardhan & Others.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP AYURVED COLLEGE BLDG.,
5TH FLOOR, NEAR CHARNI RD., STATION,
BOMBAY-400002.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400002, the 23rd February 1976.

Ref. No. AR-I/1188-7/June 75.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. No. 386(pt) of Mazgaon Divn. situated at Mazgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of non-agricultural Govt. household land, hereditaments and premises admeasuring 7482 sq. yds. or thereabouts equivalent to 6255.89 sq. mts. or thereabouts situate at the Junction of Love Lane Cross Lane and Love Lane near Byculla Bridge at Mazgaon, Bombay, together with all buildings and structures standing theron situate in the Registration Dist. and Sub-Dist. of Bombay City and Bombay Sub-burban bearing Cadastral Survey No. 386 (part) of Mazgaon Divn. and which premises are forming part and parcel of the land, hereditament and premises bearing Municipal "E" Ward and bounded as follows:—that is to say, on or towards the North partly by police Lines and partly by the property retained by the Assignors and partly by Love Lane, on or towards the East by Love Lane Cross Lane, on or towards the South by land bearing Cadastral Survey No. 385 of Mazgaon on Divn. and on or towards the West by the property retained by the Assignors.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 23-2-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. H. H. Rajmata Vijayabai of Bhavnagar
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
 MITTAL AYURVEDIC COLLEGE BLDG.
 5TH FLOOR, CHARNI RD. STATION
 CHARNI RD (WEST),
 BOMBAY 400002.

Bombay-20, the February 1976

Ref. No. ARI/1181/June 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. CS NO. 233/699 of Malabar & Cumballa Hills Division situated at 46B Peddar Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-8-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Hopehall Co-Op. Hsg. Society Ltd.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

46-B Pedder Rd (Dr G Deshmukh Marg), Bombay 26. Cadastral Survey No. 233/699 of Malabar Hill Division and Municipal D Ward No. 3486 (3).

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Bombay.

Date : 5-2-1976
Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 19th February 1976

Ref. No. AR.I/1200-4/June 75.—Whereas, I, Shri V. R. AMIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 situated at Malbar & Cumbala Hill Div. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shantilal Mangaldas & Shri Kantilal Manilal, Shahibag, Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Gujarat Steel Tubes Ltd., Bank of India Bldg., Bhadra, Ahmedabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of pension and tax land (the cess whereof has been redeemed) containing an area of 1052.5 Square Yards or thereabouts in the City Island and Sub-Registration District of Bombay bounded on the East by the vacant plot belonging to the Lessor firstly described in the First Schedule hereinabove on the West by the property belonging to Bomanji Manchershaw Jhaveri and Others on the North by the property bearing Survey No. 679 and on the South by the property belonging to Shirin Minocher Dadachanji and another which piece of land bears Collectors Old No. 456 New No. part of 2425, Old Survey No. 81 and New Survey No. part of 1/7122 and bears Cadastral Survey No. 3/678 and part of Cadastral Survey No. 1A/678 Malabar and Cumbala Hill Division TOGETHER WITH the building thereon consisting of a ground floor and five upper floors with garages on the said land which said premises are now in the occupation of Jehangir Maneckji Daukhanawalla and their tenants which premises are assessed by the Collector of Municipal Rates and Taxes under D-Ward No. 3485(3) Street No. 50-A, Peddar Road.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 19-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Lilawanti Gianchand Baharani,
Ram Niwas, Padamji Park,
Poona.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Indumati Pratprai Shah.
2. Shri Mahendra Pratapraj Shah,
Prabhu Niwas, Chittaranjan Road,
Ville Parle (East), Bombay-57.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD.
POONA-411004

Poona-411004, the 17th February 1976

Ref. No. C.A. 5/June '75/Haveli-II(Poona)/268/775-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section
269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing Bungalow No. 11 situated at Jullundur, Poona
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Haveli-II, Poona on 20-6-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold land Bungalow No. 11, Sindh Hindu Co-operative Housing Society Ltd., Lullanagar, Poona-1.
Area : 14243 Sq. ft.
Bungalow built in 1970.
(Property as mentioned in the Registered deed No. 703
dated 20-6-1975 registered at the Registering authority Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 17-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Smt. Rajeshwari Digambar Tulajapurkar,
Flat No. 8, Tadiwalla Road, Poona-1.
2. Shri Shripad Digambar Tulajapurkar,
2525 F.E. Franklin Portland, Oregon,
97202 U.S.A.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD.
POONA-411004

- (2) 1. Shri Madhavdas Tulsidas Mody,
2. Shri Rathindra Madhavdas Mody,
B-7, Sunset heights, Pali Hills, Bandra,
Bombay-50.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Poona-411004, the 18th February 1976

Ref. No. C.A. 5/June 75/Haveli-II, Poona/269/75-76.—
Whereas, I, H. S. AULAKH,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 20, Survey No. 599A, situated at Kandwa Road, Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II, Poona on 20-6-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold H. No. 20, situated at Survey No. 599/A, Bibwewadi, off Kondhwa Road, Poona-1.
Area : 7693.50 sq. ft.
Bungalow built in 1966.
Area : 2000 sq. ft.

(Property as mentioned in the registered deed No. 759 of 20-6-1975 of the Registering Authority Haveli-II, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date : 18-2-1976.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri C. Sankara Rameswaran,
West Great Cotton Road,
Tuticorin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Thangiah Nadar, Adimuthu Nadar and
Gangai Athitha Nadar,
Panikka Nadar Kuliyiruppu,
Nallumavady village, Tiruchendur taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 17th February 1976

Ref. No. XU/18/119, 120 & 121 (June) 1975-76.—
Whereas, I, G. RAMANATHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45, 46, 46A & 47, situated at Ettayapuram Road, Tuticorin,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tuticorin (Doc. No. 581/75) on June, 1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.7 acres with buildings thereon at door Nos. 45, 46, 46A and 47 (T.S. Nos. 4136/part. 4157 and 4158), Block 3, Ward IV, Ettayapuram Road, Tuticorin.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 17-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri L. Nanjiah,
Shri N. Nagesh
Sogathorai Vani Vilas Estate,
Katary P.O.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(2) The Nilgiris Diocesan Society,
Bishop's House, Ootacamund.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.**

Madras-6, the 18th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F. 2537/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 1747/2, situated at Ootacamund (81 cents of land with building thereon)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ootacamund (Document No. 1147/75) on 20-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 81 cents (with buildings) and bearing R. S. No. 1747/2, Ootacamund (Document No. 1147/75).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
21—496GI/75

Date : 18-2-1976,
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. S. Prema
W/o Shri C. Soundarajan
No. 1133 Upplipalayam Coimbatore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Meenakshiammal
W/o late V. C. Subbiah Gounder.
V.C.S. House,
Vellakinai, Coimbatore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. F. 2546/75-76.—Whereas I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. S. No. 1377, situated at Puliakulam village, Coimbatore (19 Cents — 331 Sft.) and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. III Coimbatore (Doc. No. 2459/75) on June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-Tax Act, 1957) (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Cents & 331 Sft. and bearing New T.S. No. 1377 situated Avinashi Road, Puliakulam village, Coimbatore.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 18-2-1976.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. R. Ranganayakiammal
W/o Endapillar B. Rangaswami Naidu,
No. 1133, Uppilipalayam,
Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. F. 2546/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. S. No. 1377, situated at Puliakulam Village, Coimbatore (30 cents & 59 Sft.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 2461/75) on June, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Minor Sheonthivel
(represented by guardian & father
Shri V. S. Chinnaswamy)
V.C.S. House,
Vellakinar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site measuring 30 cents & 59 Sft. and bearing New T.S. No. 1377 situated at Avinashi Road, Puliayakulam village, Coimbatore.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 18-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. A. K. Padmavathi
D/o Shri A. T. Krishnaswamy Mudaliar,
D, No. 4, A.T.T. Colony,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) 1. K. Nirmala; 2. K. Geetha;
3. K. Vasantha,
D/o Shri R. Kandaswamy,
No. 18/161, V. H. Road,
Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. E. 2549/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17/28, situated at Head Post Office Road, (YMCA Road) Coimbatore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 2570/75) on 26-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & building bearing D. No. 17/28 Head Post Office Road, (Y.M.C.A. Road) Coimbatore (T.S. No. 170).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. Z. Mohammed Farook,
Smt. Fathima Bibi
Perithalamma of Palghat Distt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. Mohamed Iqbal,
Smt. Sabida Bibi
Premier Oil Mills
Zamjn Uthukuli, Pollachi Taluk.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. F. 2563/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. F. 320/2 B 2, situated at Zamjn Uthukuli village (1.25 acres of land (with building), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1241/75) on 30-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.25 acres (with building, etc.) and bearing S.F. No. 320/2 B 2, Zamjn Uthukuli village, Pollachi Taluk (Document No. 1241/75).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 18-2-1976.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. A. Giriraj Kalingarayar
B Colony, Mahalingapuram,
Pollachi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Chinnaswami Chettiar,
Shri Ramaraj, Shri Nataraj and
Shri Gnanavadivoo
No. 51, Chatram Street, Udumalpet.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6. the 18th February 1976

Ref. No. F. 2567/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 27 28 & 29, situated at Marchanaickenpalayam village (14.51 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Document No. 798/75) on 23-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14.51 acres and bearing S. Nos. 27, 28 and 29 situated at Marchanaickenpalayam village (Doc. No. 798/75).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 18-2-1976.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. 2572/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 231/3, situated at Erode (1-00½ acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Document No. 2174/75) on 9-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Nachayammal, W/o late Velpa Gounder
2. Shri V. Ramaswami Gounder
3. Shri V. Periathamby Gounder
4. Rajendran (Minor);
5. Velusami (Minor) and
6. Sreenivasan (Minor) —Minors represented by Shri V. Ramaswamy Gounder, Veerappanpalayam, Erode Taluk,

(Transferor)

- (2) M/s. P. Ramaswamy Gounder & Co, Timber Merchants, Sathy Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.00½ acres and bearing S. No. 231/3, situated at Erode. (Document No. 2174/75).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 18-2-1976.

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Mrs. Nachayammal w/o late Velappa Gounder,
 (2) Shri V. Ramaswami Gounder,
 (3) Shri V. Periathamby Gounder
 (4) Shri Rajendran (Minor)
 (5) Shri Velusami (Minor) and
 (6) Sreenivasan (Minor)—Minors represented by
 Shri V. Ramaswamy Gounder, Veerappanpa-
 layam, Erode TK.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. P. Ramaswamy Gounder & Co.
Timber Merchants, Sathy Road, Erode.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-JI, MARDAS-6

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. F.2572/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 231/3 situated at Erode (1-00½ acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 2175/75) on 9-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.00½ acres and bearing S. No. 231/3 situated at Erode.
(Document No. 2175/75).

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 18-2-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th February 1976

Ref. No. 2572/75-76.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 231/3 situated at Erode (1.00½ acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 2176/75) on 9-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
22—496GI/75

- (1) (1) Mrs. Nachayammal w/o late Velappa Gounder,
(2) Shri V. Ramaswami Gounder,
(3) Shri V. Periathamby Gounder
(4) Shri Rajendran (Minor)
(5) Shri Velusami (Minor) and
(6) Rreenivasan (Minor)—Minors represented by
Shri V. Ramaswamy Gounder, Veerappanajam, Erode TK.
(Transferor)

- (2) M/s. P. Ramaswamy Gounder & Co.,
Timber Merchants, Sathy Road, Erode.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1.00½ acres and bearing S. No. 231/3 situated at Erode.
(Document No. 2176/75).

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 18-2-1976
Seal :

FORM I T.N.S.

- (1) (1) Smt. Valhammal w/o late Palani Gounder,
 (2) Smt. Nallamimal w/o Natesa Gounder and
 (3) Shri Kesavan s/o Natesa Gounder
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri C. Kumarasamy, s/o Chinnanna Gounder,
 Pallipalayam Agrabaram
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 acres and 19 8/9 cents situated at Survey Nos 114/2, 115/2, 143/2, 143/5, 174/3, 198/1, 203/4, 201/2, 207/3, 1134/14, 134/2, 135, 136/1, 62/2, 133/2, 143/9, 58/5, 63/8, 67/1, 282/1, 282/3, 284/1, and 1/6th share in land measuring 2500 sq. ft. at Survey No. 144/2, Sowdapuram village, Namakkal.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. RAMANATHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax
 Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the Said Act to the following following persons, namely :—

Date : 17-2-1976

Seal :

FORM ITNS

- (1) (1) Smt. Valliammal w/o late Palani Gounder,
Makkiripalayam Sowdapuram village,
(2) Smt. Nallammal w/o Natesa Gounder and
(3) Shri Kesavan s/o Natesa Gounder.
Pallipalayam (Agraharam) 638008.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri C. Kandasamy, s/o Chinnanna Gounder,
Mekkodu Makkiripalayam Sowdapuram.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-6, the 17th February 1976

Ref. No. XVII/9/138(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Sowdapuram village, Namakkal taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sankaridurg (Doc. No. 518/75) on 23-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 acres and 19 8/9 cents situated at Survey Nos. 114/2, 115/2, 143/2, 143/5, 174/3, 198/1, 203/4, 201/2, 207/3, 134/14, 134/2, 135, 136/1, 62/2, 133/2, 143/9, 5875, 63/8, 67/1, 282/1, 282/2, 282/3, 284/1, 284/2 and 1/6th share in land measuring 2500 sq.ft. a Survey No. 144/2, Sowdapuram village, Namakkal,

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date . 17-2-1976

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Smt. Valliammal w/o late Palani Gounder, Makkiripalayam Sowdapuram village, Salem Dt.,
 (2) Smt. Nallammal w/o Natesa Gounder and
 (3) Shri Kesavan s/o Natesa Gounder,
 Pallipalayam (Agraharam) 638008.
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 17th February 1976

Ref. No. XVII/9/132(JUNE)/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,
 being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sowdapuram village, Namakkal taluk, Salem district, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shankaridurg (Doc. No. 519/757 on 23-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Shri C. Munugesan s/o Chinnanna Gounder, Mekkada Makkiripalayam, Sowdapuram village, Salem District.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 acres and 19 8/9 cents situated at Survey Nos. 114/2, 115/2, 143/2, 143/5, 174/3, 198/1, 203/4, 201/2, 207/3, 134/14, 134/2, 135, 136/1, 62/2, 133/2, 143/9, 58/5, 63/8, 67/1, 282/1, 282/2, 282/3, 284/1, 284/2 and 1/6th Share in and measuring 2500 sq. ft. at Survey No. 144/2, Sowdapuram village, Salem District

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

G. RAMANATHAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-Tax
 Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-2-1976

Seal :—

FORM ITNS

(1) Shri Amiya Seal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 29th January 1976

Ref. No. TR-61/C-73/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. CHAKRAVARTY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 29 situated at Elliot Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 24-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri Raza Hossain Khan,
(2) Shri Ladur Fahman Khan
(3) Shri Azizur Rahman Khan,
(4) Shri Hofizur Rahman Khan and
(5) Shri Samiur Rahman Khan.

(Transferee)

(2) (1) Shri V. P. Mathus,
(2) Shri N. J. Jose,
(3) Shri Bhagwat Mahanti,
(4) Shri Raghunath Naik,
(5) Shri Nidhi Naik,
(6) Shri Ramesh.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Brick-built house together with land containing an area of 6 Cottahs 8 Chittacks being premises No. 29, Elliot Road, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 29-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Chandrika w/o Venkataramana Raju,
No. 111, Malleswaram, Bangalore-3.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C.R. No. 62/4486/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being agricultural land measuring
Acres Guntas

Acres	Guntas
3	35
1	12
5	07

in Survey Nos 141/1 and 141/2, situated at Dandupalya Village, Kasaba Hobli, Hoskote Taluk, Bangalore District (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Hoskote, Document No. 863/75-76 on 9-6-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(2) Shri K. Narayana Shetty s/o Shri Chikkamani Shetty, No. 1572, II Cross, Nagappa Block, Bangalore-21.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 863/75-76, dated 9-6-1975]
The property being agricultural land measuring

Acres	Guntas
3	35
1	12
5	07

in Survey Nos. 141/1 and 141/2, situated at Dandupalya Village, Kasaba Hobli Hoskote Taluk, Bangalore District

Boundaries for 3 acres and 35 gunjas

East : Era Nagappa's Inam land

West : Government Channel,

North : Mallikarjunappa's land,

South : Land belonging to the S. No. 141/2,

Boundaries for One acre and twelve gunjas

East : Era Nagappa's Land

West : Government Channel

North : Hajirambi's land

South : Appajappa's land.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati K. Sheela Singh, w/o late K. Dhanaraja Singh, Hoskote, Bangalore District.
(Transferor)

(2) Shri N. Ramajanyulu, S/o Nagappa, Agriculturist, Thamme Gowade Extension Hoskote, Bangalore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 19th February 1976

C. R. No. 62/4488/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being agricultural land measuring 2 acres and 39 guntas in S. No. 156/2 situated at Dandupalya Village, Kasaba Hobli, Hoskot Taluk, Bangalore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoskot Docs. No. 101875-76 on 19-6-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1018/75-76. Dated 19-6-1975]
The property being agricultural land measuring 2 acres and 39 guntas in S. No. 156/2 situated at Dandupalya village, Kasaba Hobli, Hoskote Taluk, Bangalore District.

Boundaries :

East : Burial ground
West : Survey No. 156/1 and land belonging to Shri H. C. Rudrappa
North : Raja Kaluve, Hulloor and Amenkere's boundary
South : Government land and Thimme-Raya Setty's land.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 19-2-1976

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE- BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st February 1976

C.R. No. 62/5446/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with Mud roofed old Dilapidated house (Southern portion) bearing old No. 21, New No. 24, situated at Ranaveera Setty, pet, Kilari Road, Bangalore-53, (Division No. 15) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore. Document No. 1183/75-76 on 11-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shrimati Sharadamma w/o Late T. C. Chandrasekhariah,
- (2) Sri T. C. Lakshminarayana s/o Late Sri T. C. Chandrasekhariah.
- (3) Sri T. C. Kedareshwara alias Papaiah, All residing at No. 24, Ranaveera Setty pet, Kilari Road, Bangalore-53.

(Transferor)

- (2) Shrimati Shantha w/o Sri B. D. Pirlal, (D/o, Late M. Sugandhachand), "Vishwa Nilaya", Maistry Chickanna Lane, Kilari Road, Cross, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1183/75-76, dated 11-6-1975]
Site with Mud roofed old dilapidated house (Southern portion) bearing old No. 21, New No. 24, Ranaveera Setty, pet, Kilari Road, Bangalore-53, (Division No. 15)

Site Area :

East to West : 30 feet.	North to South : 30 feet.	} 900 sq. ft.
-------------------------	---------------------------	---------------

Boundaries :

East : House of T. S. Aswathaiah,	West : House of Sri Govindappa,
North : Portion of the same premises retained by the Vendors.	
South : House of Kilari Lakshmaiah.	

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 21-2-1976

Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Shri Mahavir S/o Mannulal, 2. Shri Ramchand S/o Mannulal, R/o Sagar.
(Transferor)
- (2) Smt. Taramati W/o Purushottamlal Gupta, Keshavganj, Sagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. vacant plot and an old kachcha building situated in Ravi Shankar War, Sagar situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Sagar on 16-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, by any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vavant plot and an old kachcha building situated in Ravi Shankar Ward, Sagar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

23—496GI/75

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raghunathsingh S/o Halku Lodhi R/o Rani Karar Kala, Narsinghpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hukumsingh, 2. Shri Hemrajsingh S/o Ishwarsing Lodhi R/o Rani Kara Kala, Narsinghpur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land measuring 11.97 acres Rani Karar Kala, Narsinghpur situated at Narsinghpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narsinghpur on 10-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to any tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11.97 acres at Rani Karar Kala, Narsinghpur.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date : 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS —

(1) Shri Magsingh Ramsingh Vasudev S/o Ramaya
Chandrakar, R/o Drug.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
SICONER OF INCOME TAX,

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 2,17,000 sq ft. situated in Kohka Village Bhilai situated at Bhilai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 6-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Dayaram Netram Firm R/o Khurshipar,
Bhilai.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,17,000 sq. ft. situated in Kohka Village, Bhilai.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range Bhopal

Date : 30-1-1976
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hukumchand S/o Shri Rattanchand Surana
Kurud, Durg.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural land measuring 4.89 acres situated at Kurud, Durg situated at Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurud on 8-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within 45 days from the date of publication notice in the Official Gazette or a 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

Agricultural land measuring 4.89 acres situated at Kurud, Durg.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM JTNS —

(1) Shri Chandra Vijay Bahadursingh, 2. Shri Samar Vijay Singh, 3. Bharat Vijaysingh S/o Lal Yeshwant Bahadur Singh R/o Bairagarh, Distt. Rajnandgaon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 35.50 acres situated in village Ranji Pur, Kawardha, Rajnandgaon situated at Rajnandgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 25-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Netram, 2. Shri Narayanprasad (Minor) S/o Cora Ram 3. Smt. Panchi Bai W/o Goraram Sahu R/o Ranjitpur, Kawardha, Rajnandgaon.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 35.50 acres situated in Village Ranjitpur, Kawardha, Rajnandgaon.

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Premnarayan S/o Devkishan Agarwal, R/o

Gikoli Teh., Gadarwara,

(Transferor)

(2) Shri Komalsingh S/o Halkivir (Rajput) R/o Tumara,
Gadarwara.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural land situated at Gikoli N.V. 180, Gadarwara —Area 6.346 Hectres situated at Gadarwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadarwara on 11-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Gikoli, N.V. 180, Gadarwara,
—Area 6.346 Hectares.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hajarilal Verma S/o Sukharam Sao Kasar
Satti Bazar, Raipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jeevanchandra Rajaram Nirwan, Main Road
Bhandara.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. agricultural land measuring 30695 sq. ft. and one katcha building situated at P.C. 104 Circle, Distt. Raipur situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30695 sq. ft. and one katcha building situated at P.C. 104 Circle, Raipur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

V. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 30-1-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hazarilal Verma S/o Sakhararam Balaji Sao
Kesar Satti Bazar, Raipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohan Rajaram Nirwan, Main Road, Bhandara.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 40166 sq. ft. situated at Durmar Talab, P. C. Circle, Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 17-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40166 sq. ft. situated at Durmar Talab, P.C. Circle, Raipur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Date : 30-1-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Laikram Agarwal S/o Ramrichhpal Agarwal through Agent, Maniram Yadav, S/o Phusaram Yadav of Jagdalpur Town, Distt. Bastar, M.P.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 30th January 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

land measuring 30000 sq. ft. Jagdalpur situated at Jagdalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 4-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

? 24—496GI/75

(2) M/s. Basant Saw Mills, through its partners (1) Premji Bhai Patel S/o Harji Bhai Patel, (2) Smt. Laxmi Bahin W/o M. Patel, (3) Shri Bhawanji Bhai Patel S/o Krishnan Bhai Patel of Jagdalpur Town, Chitra Koti Road, Distt. Bastar, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30000 sq. ft. at Jagdalpur.

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 30-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kastoorchandra S/o Motilal Jain R/o Budhawari, Teh. Distt. Chhindwara.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 30.24 acres situated at Village Garawani, Teh. Sousar. Distt. Chhindwara situated at Sousar Distt. Chhindwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sousar Distt. Chhindwara, 3-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) 1. Shri Nabbelal S/o Shri Tikaram 2. Shri Jhadu S/o Ganesha 3. Shri Sukku, 4. Shri Goverdhan, 5. Shri Ganpat, R/o Village Garhewani Teh. Sousar Distt. Chhindwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30.24 acres situated at Village Garawani, Teh. Sousar Distt. Chhindwara.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 31-1-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kanta Gauri W/o Shri Prabhuji Bhojani R/o
Rajanandgaon.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Amrit Kaur W/o Gulab Singh Punjabi R/o
Bus Stand Rajanandgaon.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL 76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land with House, land measuring 12.35 acres
situated at Vargi Village Teh. Distt. Rajanandgaon, situated
at Vargi Teh. Distt. Rajanandgaon
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer
at Vargi Teh. Distt. Rapanandgaon on 4th June 1975
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land with House, land measuring 12.35 acres
situated at Vargi Village, Teh. Distt. Rajnandgaon.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following
persons, namely :—

Date : 31-1-76.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Komalprasad S/o Mallu (Brabman) R/o Chainpur, Bareli.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tulajam S/o Jamunaprasad, 2. Shri Roopnaryan (Minor) S/o Jamunaprasad Gaderiya, R/o Bareli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 8.94 acres situated at Village Chainpur, Teh. Bareli, situated at Bareli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareli on 6 June, 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8.04 acres situated at Village Chainpur, Teh Bareli.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 31-1-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Izrabeen W/o 1st Mohd. (Muslim) Pratapganj Road, Jagdalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land measuring 1560 sq. ft. alongwith a house situated at Jagdalpur situated at Jagdalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on 16-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sheet No. 78, Plot No. 39, area 1560 sq. ft. situated at Sadar Road, Pratapganj, Jagdalpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 31-1-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ishwardas S/o Atmaram, 2. Shri Atham Dev
 (3) Shri Sobharam S/o Ishwardas R/o Raisen.
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 16.55 acres of agricultural land situated at Raisen, Kh. No. 412 and 1029/412/2 situated at Raisen, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisen on 19-6-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Jagannath, 2. Shri Mansingh sons of Shri Jai kishan, R/o Near Ramlila Garhe, Raisen.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16.55 acres of agricultural land situated at Raisen—Kh. No. 412 and 1029/412/2, Raisen.

V. K. SINHA,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
 Acquisition Range, Bhopal,

Date : 31-1-76.
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Three storeyed house situated at Diwanganj, Raisen 67 ft X72 ft, situated at Raisen, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisen on 24-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Ashok Kumar, 2. Shri Vijay Kumar, 3. Shri Ramesh Kumar, 4. Shri Sumerchand, 5. Shri Maheendra Kumar, all R/o Mohalla Shahahanabad, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Narayansingh S/o Shri Jaikishan, R/o Village Ninnod, Distt. Raisen.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house situated at Diwanganj, Raisen.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal,

Date : 31-1-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Sewak S/o Premlal Kurmi, Chilliya Teh
Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land and house situated at Chilliya N.B. No. 323, H. No. 3, Village Nirandpur, Block Panakar, Distt. Jabalpur—Land area 29.76 acres situated at Jabalpur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 4-6-75, for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Kishanlal, 2. Shri Halkeram, 3. Shri Munnalal 4. Shri Onkarprasad, 5. Shri Madanlal (Minor) S/o Valli Bhagwandas, Village Nuniakala, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and house situated at Chilliya N.B. No. 323, H. No. 3, Village Nirandpur, Block Panakar, Distt. Jabalpur.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-76.
Seal .

FORM ITNS

(1) Smt. Millwanthibai Wd/o Premsingh Sahu, 2. Smt. Dularibai D/o Premsingh Sahu, R/o Khartuli, Dhamtari, Raipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tejpalsingh S/o Balkaksingh Dak Bunglow Ward, Dhamtari.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/76-77.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated in Village Khartuli, Dhamtari situated at Dhamtari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhamtari on 23-7-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

25—496GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any other person interested in the said property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Village Khartuli, Dhamtari.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 31-1-76.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Milwanthibai Wd/o Prem Singh Sahu, R/o Gram Karthuli, Teh. Dhamtari Distt. Raipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 30th January 1976

Ref No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing house R.C.C. Well and pipe line in addition to agricultural land situated at Karthuli, P. H No 49 Mandal Motli Teh., Dhamtari, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur, on 23-7-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Pretpalsingh S/o Balkaksingh Punjabi, R/o Dak Bungalow Ward, Dhamtari, Distt., Raipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, R.C.C. Well and pipe line in addition to agricultural land at Dhamtari.

V. K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range Bhopal,

Date : 31-1-76.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Gopal S/o Kanhaiyalal Agarwal, Sagar,
Katra Gujarati Bazar, Sagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sabhaldas S/o Jamatmal Sindhi, R/o Subash-
nagar Ward, Sagar, Teh. Sagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 31st January 1976

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/76-77.—Whereas, I. V. K.
Sinha
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. House No. 108 Double Storeyed, 335-7/8 Sq. ft. at
situated Katra Gujarat Bazar Sagar situated at Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Sagar on 30-9-75,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 108, Double Storeyed, 335-7/8 sq. ft. situated
at Katra Gujarati Bazar, Sagar

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 31-1-76.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

C.R. No. 62/4402/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Corner plot cum Main house and out house bearing old No. 7 changed to 42, now 43, B. Nanjappa Block, situated at Nanjappa Layout, II Cross, Shantinagar, Bangalore-25 (Division No. 62)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore. Document No. 831/75-76 on 4-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri D. S. Revanna, S/o Dommasandra Siddappa, No. 6 Makkara Basavanna Temple Street, Nagarthpet Cross, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shrimati Rehat Begum W/o Mohammed Anwar Beig, Khadia Jamalpur, Ahmedabad, Gujarat State.

(Transferee)

(3) S/Shri (1) P. S. Hariharan, (2) K. C. Narayana Shetty, (3) N. Satyanarayana.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 831/75-76 dated 4-6-75]

Corner plot cum main house and out house bearing old No. 7, changed to 42, now 43, B. Nanjappa Block, Nanjappa Layout, IIInd Cross, Shantinagar, Bangalore-25 (Division No. 62)

Total site area, Plinth and Boundaries are as under.—
East to West : 69'
North to South : 81'

5386 Sq. ft or 598 sq. yds.

Plinth :—

- (i) Main Building : 1813 sq. ft.
- (ii) Portico . 342 Sq. ft.
- (iii) Out house with RCC roof : 540 Sq. ft.
- (iv) Out house with A/c. sheet roof : 270 Sq. ft.
- (v) Common Bath and W.C. with A/c. sheet roof : 40 sq. ft.

(vi) Common Bath and W.C. : With R.C.C. roof 40 Sq. ft.

(vii) Garbage : 270 Sq. ft.

As per the departmental valuation report.

Boundaries :

North : IInd Main Road, Shantinagar,

South : Private property

East : Road and

West : Building owned by Sri Kandaswamy.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

C.R. No. 62/4419/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being dry agricultural land measuring

Acres	Guntas
0	37
0	25
1	12
1	16
0	36
Total 5.06	

in survey Nos. 13/1, 12/1, 12/2, 12/4 and 12/3 (including 4 guntas of Kharab land), situated at Nelagaderanahalli village, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk—Doc. No. 1108/75-76 on 6-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shrimati Amruth Mary,
W/o Shri C. R. S. Dass, Lawyer,
No. W. 98, Yarappa Block,
Sriramapuram,
Bangalore-21.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmamma,
W/o Shri Myappa,
Chokkasandra Village,
Yeshwantapura Hobli,
Bangalore North Taluk.
or
Nelagadpranahalli Village,
Yeshwantapura Hobli,
Dasarahalli Post,
Bangalore-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said Property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1108/75-76 dated 6-6-75]
The property being dry, agricultural land measuring

Acres	Guntas
0	37
0	25
1	12
1	16
0	36
Total 5 — 06	

{ (including 4 guntas of Kharab land)

in survey Nos. 13/1, 12/1, 12/2, 12/4 and 12/3 situated at Nelagaderanahalli village, Yeshwantapura Hobli, Bangalore North Taluk.

Boundaries .

East—Road

West—Land belonging to M/s. Sampath, Lakkaiab, Malliah and Narayanappa

North—Land belonging to Smt. Anusuyamma, and Shri Narayanappa

South—Inama land of Thoti

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore
Date : 21-1-1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 27th January 1976

C.R. No. 62/4431/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sanctioned building site bearing Municipal No. 5, Madras Sapper Officer's House building Colony, situated at Banasavadi Road, Bangalore (Division No. 49)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 965/75-76 on 12-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Brig. Frank Joseph Britto
S/o Late Mr. John Britto,
Retd. Army Officer, ASC, Officer's Mess,
Trinity Church Road,
Bengaluru.

(Transferor)

(2) (1) Zackria Yusuff Sait
S/o Late Mr. Yusuff Sait, No. 47,
Central Street, Bangalore.
(2) Dora C. Shroff. S/o Late Mr. C. P. Shroff.
No. 15/1, Madras-Bank Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 965/75-76 dated 12-6-75]

Sanctioned building site bearing Municipal No. 5, Madras Sapper Officer's Building colony, Banasawadi Road, Bangalore (Division No. 49).

Site Area :

North : 72'	}	6516 sq. ft.
South : 72'		
East : 90'		
West : 90'		

Boundaries :

North : Road	}	6516 sq. ft.
South : Site No. 35		
East : Site No. 33		
West : Site No. 4		

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-1-1976
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

- (1) Shri T. S. Shantappa, s/o Late Sri Siddappa, K. R. Extension, Tiptur Town, Tiptur Taluk Tumkur Dist. (Transferor)
- (2) Shri K. Krishnaiah s/o Late K. Ramalah, Shankar Road, Tiptur Town, Tiptur Taluk, Tumkur Dist. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27
Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4432/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. The property being dry agricultural land measuring

Acres	and	Guntas
4	—	32½
1	—	10
Total	6	2½

in S. No. 45, situated at Annapuna Village, Kasaba Hobli, Tiptur Town, Tumkur Distt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiptur Document No. 675/75-76 on 2-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 675/75-76, Date 2-6-1975]
The property being dry agricultural land measuring

Acres	and	Guntas
4	—	32½
1	—	10
Total	6	2½

In S. No. 45, situated at Annapuna Village, Kasaba Hobli, Tiptur Town, Tumkur Dist.

Boundaries :
for 4 acres and 32½ guntas.
East : Road
West : Kancha Pattada Temple
North : Land belonging to Shri Bayala Thimmaiah and
South : Katte and land belonging to Sri Thammaiah and Hanumanthaiah.

Boundaries :
For one Acre and 10 guntas.
East : Government Katte
West : Kancha Pattada Temple
North : Land belonging to the Vendee and
South : Land belonging to Sri Thammaiah.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 22-1-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Syed Abdul Jaleel, s/o Late Sri Syed Hayath Saheb, Silk Merchant, Sidlaghatta, Kolar Dist. (Transferor)

(2) Shri Syed Abdul Basith s/o Sri Syed Abdul Jaleel, Junior Engineer, City Improvement Trust Board, Bangalore (Transferee)

- (3) (1) P. Durugappa
 (2) Almeda
 (3) M. T. Poovalah
 (4) C. N. Nagaraj and
 (5) G. Radhakrishna.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1099/75-76, dated 5-6-1975]
 House bearing present No. 12 (old No. 164), 2nd Cross, Ist Main Road, Nagappa Street situated at Seshadripuram, Bangalore-20.

Site Area :

East to West : On the Northern side 34 feet } 1260 sq.
 East to West : On the Southern side 26 feet } ft. or 140
 North to South ; 42 feet. } sq. yds.

Plotth :

Ground Floor : Main Building about	6	Square
Out house about	3	"
Ist Floor : About	9	"
2nd Floor : About	3	"
Total	21	"

Boundries :

East : Vacant Site No. 14
 West : House belonging to Smt. Huchamma,
 North : Road and
 South : House belonging to Sri Xavier.

R. KRISHNAMOORTHY
 Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-1-1976

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th January 1976

C.R. No. 62/4442/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House bearing present No. 12 (Old No. 164), 2nd Cross, 1st Main Road, Nagappa Street situated at Seshadripuram, Bangalore-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Document No. 1099/75-76 on 5-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 31st January 1976

C.R. No. 62/4454/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a residential house and an out house bearing No. 996/116, II Main Road, situated at IV Block Rajajinagar, Bangalore-10, (Division No. 2) (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore, Document No. 1303/75-76 on 17-6-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—496GI/75

(1) Shri H. S. Mudde Gowda s/o Sri Sidde Gowda, Honna Selty Halli, Belaganchi P.O. Hrisave Hobli, Chammarayapatna Taluk, Hassan Dist.

(Transferor)

(2) Shri H. M. Puttaswamy s/o Shri H. S. Muddegowda No. 996/116, II Main Road, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

(3) (1) Shri Narasinga Rao

(2) Shri Raghu

(3) Shri Nagaraja Rao.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1303/75-76, dated 17-6-1975]
The property being a residential house and an out house bearing No. 996/116, II Main Road, IV Block Rajajinagar, Bangalore-10, (Division No. 2).

Site Area :

East to West : 85 feet.
North to South : 45 feet. } 3825 sq. ft. or 425 sq. yds

Plinth :

Main Building about 11 squares
Out house about 8 squares
Total —19 squares.

Boundaries :

East : Conservancy Road
West : Road
North : Site No. 997 and
South : 995.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 31-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 29th January 1976

C.R. No. 62/4499/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with building bearing No. 2, (in S. No. 38, Near Hosur Road, Jakkasandra, Begur Hobli, Bangalore-South Taluk) situated at Madiwala New Extension, Bangalore-29 (Division No. 35), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 1054/75-76 on 16-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

*Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

- | | |
|---|---|
| (1) Shaik Mohiddin Saheb S/o Shri Saidu Saheb | (2) M. Basha Sab, (3) M. A. Makther Ahmed |
| Sons of Shri Shaik Mohiddeen | |
| (4) Riyaz Ahmed | |
| (5) Chan Pasha | Minors represented by |
| (6) Nooruddin | their father and Guardian |
| (7) Sunna | Shri Shaik Mohiddin |
- All residing at : No. 2, Madiwala New Extension Bangalore-29.
- (Transferor)
- (2) Shri B. N. Nanjundappa, S/o Shri Kavagadamadappa, No. 129, 42nd Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-11.
- (Transferee)
- (3) (1) Shri Ibrahim
(2) Shaik Mohiddin Saheb
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1054/75-76 dated 16-6-75]

Site with building bearing No. 2 (in S. No. 38 Near Hosur Road, Jakkasandra, Begur Hobli, Bangalore South Taluk) Madiwala New Extension, Bangalore-29 (Division No. 35).

Site Area : East to West : 65 ft. } 2275 sq. ft.
North to South : 35 ft. }
Plinth : Residential portion : 4 squares
Shop : 2 squares
Total 6 "

Boundaries :—

East : Hosur Road
West : Site No. 16
North : Site No. 3 and
South : Site No. 1

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bangalore.

Date : 29-1-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd January 1976

C.R. No. 62/4500/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 1278, Block IV, T. Thayappanahalli, Jayanagar Extension, situated at Bangalore (Division No. 35) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 1066/75-76 on 16-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Shanmugavalliammal, W/o Sri P. V. Sunder Mudaliar, No. 6, East Avenue Road, Kodambakkam, Madras-24.
(Transferor)

(2) Shri V. L. Thyagaraj (P/r. in M/s. V. L. Nathan and Co. Bangalore) S/o Sri V. S. Loganathan, Mudaliar, No. 7, Murugapillai Street, Civil Station, Bangalore-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1066/75-76 dated 16-6-1975]
Vacant site No. 1278, Block IV T. Thayappanahalli, Jayanagar Extension, Bangalore (Division No. 35)
Site Area :—

East to West : 40' }
North to South : 65' } 2,600 Sq. ft.

Boundaries :

East : Site No. 1277
West : Site No. 1279
North : 1281 and
South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-1-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. N. Murthy, S/o Late Sri Thirumala Rao, H. Kalwar, No. 37, Govindappa Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shrimati R. Vasantha W/o Sri K. S. Rangachar, No. 158, I Block East, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th January 1976

C.R. No. 62/4503/7S-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the imovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with an old building bearing No. 99/12, 9th Cross, Wilson Garden (Hombegowdanagar), situated at Bangalore-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 1084/75-76 on 18-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1084/75-76 dated 18-6-1975
Site with an old building bearing No. 99/12, 9th Cross, Wilson Garden (Hombegowda Nagar), Bangalore-27.

Site Area :—

East to West : 80'
North to South : 50' } 4000 Sq. ft.

Plinth : 3 Squares.

Boundaries :

East : 9th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

West : Private property in 8th Cross, Road, Wilson Garden, Bangalore.

South : Private property No. 100/11, 9th Cross, Wilson Garden, Bangalore of Shri K. N. Murthy.

North : Private Property in No. 98/13, 9th Cross, Wilson Garden, Bangalore of Shri K. N. Murthy.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-1-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. N. Murthy, S/o Late Sri Thirumala Rao H
Kaiwar, No. 37, Govindappa Road,
Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th January 1976

C.R. No. 62/4504/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site with an old building bearing No. 100/11, 9th Cross, Wilson Garden (Hombegowdanagar) situated at Bangalore-27 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 1085/75-76 on 19-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Miss Anitha Minor represented by Guardian Smt. T. N. Vairamani, W/o T. S. Narasimhan, No. 49, Bangalore Street, Shevapet Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1085/75-76 dated 19-6-75]

Site with an old building bearing No. 100/11, 9th Cross, Wilson Garden (Hombegowda Nagar), Bangalore-27.

East to West : 80' }
North to South : 50' } 4000 Sq. ft.
Plinth : 3 squares

Boundaries :

East : 9th Cross Road Wilson Garden, Bangalore.

West : Private property in 8th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

South : Private property No. 101/10, of 9th Cross, Wilson Garden, Bangalore.

North : Private property in No. 99/12, in 9th Cross Wilson Garden, Bangalore of Smt. R. Vasanthu.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-1-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th January 1976

C.R. No. 62/4505/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old No. 7, Obalappa Layout, later No. 10, Swasti Road and present No. 10, Lakshmi Road, situated at 3rd Cross, Shantinagar, Bangalore-27 (Division No. 62) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore Document No. 1091/75-76 on 19-6-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Saramma George (NRIC No. 7890251) of 35/A, Jalan Tembus off Jalan Melanis, Klang Selangor, Malaysia, represented by her power of attorney holder Mr. L. K. P. Thomas, 'Kochiyil House' No. 23, Patalamma Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) 1. Sri R. Kishore S/o S. Ramaswamy, No. 1755, Narayan Mansion, 1st Block, Rajajinagar, Bangalore-10. 2. Sri S. R. Murlidhar S/o S. Ramaswamy, No. 40/9, 39th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-41. 3. Sri R. Goverdhan, S/o S. Ramaswamy, No. 35, 2nd Main Road, New Tharagupet, Bangalore-2.

(Transferee)

(3) NIL

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Mr Ameer Pasha, No. 10, Lakshmi Road, 3rd Cross, Shantinagar, Bangalore-27.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1091/75-76 dated 19-6-75]

Old No. 7, Obalappa Layout, later No. 10, Swasti Road and present No. 10, Lakshmi Road, 3rd Cross, Shantinagar, Bangalore-27 (Division No. 62).

Site Area :—

East to West : 51 ft. }
North to South : 75 ft. } 4825 Sq. ft.

Plinth : 9 Squares.

Boundaries :—

East : Road
West : Shankarappa's property.
North : Dr. Gurudass's property and
South : Dr. Lingappa's property.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOMT TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Banalore-27, the 27th January 1976

C.R. No. 62/4638/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building bearing old No. 11/14 and Present No. 21, Maramma Temple Street, R.T. Street Cross situated at Kurubarpet (Joining D. K. Lane and Chickpet) Bangalore Division No. 16), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore Document No. 1330/75-76 on 21-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Lakkamma 1st Wife of Late B. M. Mariyappa, (2) Smt. Venkatamma, (3) Smt. Indramma, (4) Sri B. M. Muniraju, (5) Smt. Yellamma, Second Wife of late Shri B. M. Mariyappa, (6) Smt. Rajalakshamma, (7) Sri B. M. Papanna, (8) Kum. Saralaprema, (9) Kum. Lakshmidevamma, (10) Sri Mariswamy, (11) Sri Parameshwara.

(Sl. No. 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 10, and 11 are Children of Late Shri B. M. Mariyappa).

Sl. No. 8, 9, 10, and 11 (Minors) represented by their own mother Smt. Yellamma and brother Shri B. M. Muniraju.

All residing at No. 2877/7, 6th Cross, Chamundi-puram, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri A. Krishnaiah, Setty, S/o A. Subbaiah Shetty, Ammavarpet, Kolar town, Kolar.

(Transferee)

(3) (1) Smt. Krishnamma.

(2) Smt. Subbamma.

(3) Smt. Bayamma.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1330/75-76 dated 21-6-1975]

Building bearing Old No. 11/14, and present No. 21, Maramma Temple Street, R. T. Street Cross Kurubarpet (Joining D. K. Lane and Chickpet) Bangalore (Division No. 16).

Site Area :

East to West : 56 ft.

North to South : On the Eastern Side 17 ft.

North to South : On the Western Side 16 ft. 6"

}

= 938 Sq. ft.

Boundries :

East : House of Mr. V. K. Subramanyam Shetty (Now sold to the transferee).

West : House of Mr. Eswarappa.

North : House of M/s V. S. Chandrasekhara Gupta and V. S. Shivakumar And,

South : House of Mr. Muthaji and Other's house.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 27-1-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th February 1976

C.R. No. 62/4478/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being dry land measuring one acre and 75 cents in R.S.No. 93/2B, situated at Bajape Village, P.O. Bajape, Mangalore Taluk, S. K. District. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore, Document No. 411/75-76 on 21-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . . .

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati B. Susheela, W/o. Dr. B.M. Hegde represented by her husband Dr. B. M. Hegde, Bajape Village, Bajape Post, Mangalore Taluk, South Kanara District.

(Transferor)

(2) Shrimati Benedicta Rebello, W/o. Shri Laurence Rebello, "Kallody House", Bajape Village, Bajape Post Mangalore Taluk, S. K. District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 411/75-76 dated 21-6-75
The property being dry land measuring one acre and 75 cents, in R.S No. 93/2B, Bajape Village, P.O. Bajape, Mangalore Taluk, South Kanara District.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Muluri Bikri Guttu Sridhar Shetty (Son in-law of Mahabala Shetty) S/o. Doddakka Shetty, Muluru Village, Udupi Taluk.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Rathi Loku Shetty, W/o Loku Shetty, (D/o Anni Shetty), Flat No. 201, Building No. 8, Pawan Co-operative Housing Society Ltd., Near Chicholi Patak, Malad (W) BOMBAY-64.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th February 1976

C.R. No. 68/4493/75-76/ACQ/B.—Whereas, I. R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being dry land with Coconut Garden measuring one Acre and 17 cents in S. No. 98-2 with house known as 'Niranjan Nilay' Muluru situated at Udupi, South Kanara Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udupi, Document No. 289/75-76, on 12-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 289/75-76 dated 12-6-1975]
The property being dry land with coconut Garden measuring one acre and 17 cents in S. No. 98-2 with house known as 'Niranjan Nilay' Muluru, Udupi Taluk, South Kanara Dist
Plinth :—

Building 1250 Sq. ft.
Kottage 600 Sq. ft.
Total 1850 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-2-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th February 1976

C.R. No. 62/4835/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House built on corner site No. 143, situated at Yadavagiri Extension, Devaraja Mohalla, Mysore.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore, Document No. 931/75-76 on 12-6-1975
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Shrimati K. Narasammi,
(2) Sri M. G. Ravindranath
(3) Kumari M. G. Indumma (Daughter)
No. 1/20, Government Quarters,
2nd Floor, 1st Block, Wilson Garden, Bangalore.
(Transferors)

(2) (1) Shri T. V. Anjaneyulu
(2) Y. V. Sunderraj
(3) K. R. Yathiraj
No. 119, Dr. D. V. Gundappa Road, Basavangudi, Bangalore-4.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 931/75-76 dated 12-6-1975]

House built on corner site No. 143, Yadavagiri Extension-Devaraja Mohalla, Mysore.

Site Area :

123 ft. × 124 ft. × 90 ft. = 10,800 Sq. Ft. approximately

Plinth : 3½ Squares.

Boundaries :

East : Road
West : Site No. 133
North : Site No. 142
South : Road.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 4-2-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th February 1976

C.R. No. 62/4480/75-76//ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

The property being a vacant plot bearing No. 'B' in S. No. 7/1, situated at Bhinnamangala, Manavarthe Kaval, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk, Document No. 1732/75-76 on 17-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri V. C. Cleatus, S/o Sri Element
 (2) K. L. Sabatian }
 (3) K. L. Joseph }
 (4) K. L. Simon }
 Sons of Shri D. Leam
 All residing at :—Krishnamoorthy Colony, Byappanahalli New Extension,
 (Transferor)
- (2) Shri Andrews David, S/o Shri V. A. Andrews, No. 16, Infantry Road, Bangalore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1732/75-76 dated 17-6-1975]
 The property being a vacant plot bearing No. 'B' in S.No. 7/1, Binnamangala, Manayarthe Kaval, K. R. Puram Hobli, Bangalore South Taluk.

Site Area :—

East : 82'	}	1165 Sq. yards
West : 119'		
North : 93' and		
South : 64'+9'+30'+		

123'+16'=131'

Boundaries :—

East : 14 ft Wide Road

West : Main Road

North : Maric Victors Building and

South : Land belonging to M/s. Chowdhary, R. Swaminathan and back yard belonging to Shri Chales.

R. KRISHNAMOORTHY,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-2-1976
 Seal :

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri N. Puttaiah, S/o. Sri Nanjundaiah, Sodekoppa, P.O. and Taluk Nelamangala, Bangalore Dist. (Transferor)
- (2) Shri G. Channasomanna, S/o. Gubbi Rudrappa, General Merchant and Commission Agent nob. II Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 7th February 1976

C.R. No. 62/4497/75-76/ACQ/B.—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being dry and wet land measuring

Acres	Guntas
11	30
0	14
Total	12 04

(as per form No. 37-G)

respectively, with 300 sapling coconut trees in S. No. 7, Mallasandra situated at Village, Dasanapura Hobli, Nelamangala Taluk, Bangalore Dist.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nelamangala Document No. 1028/75-76 on 23-6-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered document No. 1028/75-76 dated 23-6-1975]
The property being dry and wet land measuring

Acres	Guntas
11	30
0	14
Total	12 04

Total (As per form No. 37-G)

respectively, with 300 sapling coconut trees, situated at Mallasandra Village, Dasanapura Hobli, Nelamangala Taluk, Bangalore Dist.

East : Land belonging to Shri Rudramaniappa etc.

West : Land belonging to Shri Paravathaiyah and Sondekoppa's boundary.

North : Sondekoppa's boundary.

South : Land belonging to Shri Honnaiyah.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-2-1976

Seal :